ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

छोटे व्यापारियों के आंदोलन को भाजपा का समर्थन: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 24 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-203

देश में 13000 से अधिक शत्रु सम्पति : कीमत 1 लाख करोड़

सतर्क न होती सरकार तो शत्रु सम्पत्ति भी हड़प लेता वक्फ बोर्ड

शुभ-लाभ राष्ट्र-चिंतन

कांग्रेस सरकार ने वर्ष 2005 में राजा महमूदाबाद को हजारों करोड़ की सम्पत्ति लौटा दी थी। लेकिन भाजपा सरकार ने इसे रोक दिया। नए कानूनों ने वक्फ बोर्ड की मनमानी पर लगाम लगाई और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत किया।

भारत सरकार ने पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित पाकिस्तान के पूर्व तानाशाह परवेज मुशर्रफ की जमीन नीलाम की। कुछ दिन पहले उत्तराखंड में राजा महमूदाबाद की सम्पत्ति को सरकार ने पार्किंग प्लेस में बदला। बीते साल दिसंबर में पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की सम्पत्ति, जिसमें 1918 में बनी मस्जिद भी शामिल थी, उसे कोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने अपने कब्जे में ले लिया। इस जमीन को लेकर दावा किया गया था कि देश की आजादी से पहले ही इसे वक्फ कर दिया गया था। लेकिन वह दावा फर्जी निकला। मस्जिद होने और वक्फ का होने के दावे के बावजूद यह जमीन सरकार को मिली, क्योंकि यह जमीन शत्रु सम्पत्ति के दायरे में आती थी।

तीनों मामलों को देखें तो आपको इनमें एक अंतरसंबंध (लिंक) दिखेगा। वह था शत्रु सम्पत्ति का होना और अब ऐसी सम्पत्तियों को भारत सरकार अपने जरूरतों के मुताबिक

इस्तेमाल कर सकती है। ऐसा इसलिए हो पाया, क्योंकि साल 2017 में मोदी सरकार एक कानून लाई थी, जिसका नाम शत्रु सम्पत्ति (संशोधन और सत्यापन) विधेयक 2016 था। इस कानून के मुताबिक, सिर्फ दुश्मन देश में गया व्यक्ति ही नहीं, दुश्मन देश गए व्यक्ति के वारिस भी दुश्मन की श्रेणी में आएंगे और वे दुश्मन सम्पत्ति यानी शत्रु सम्पत्ति पर कोई दावा नहीं कर पाएंगे।

फिर कभी नहीं हो पाती परवेज मुशर्रफ की जमीन की नीलामी

मोदी सरकार के इस कदम से देश भर की 13 हजार से अधिक सम्पत्तियां सरकार के अधीन हो गईं, जिनकी कीमत एक लाख करोड़ रुपए से भी अधिक है। मोदी सरकार जो वक्फ संसोधन कानून लेकर आई है, उसमें भी एविक्टी (शत्रु सम्पत्ति) पर वक्फ के दावों को नकार दिया गया है। इसका असर दूरगामी है। मोदी सरकार ने दोनों कानून लाकर वह काम किया है, जो कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारें मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण करने से बचती रही हैं। उल्लेखनीय है कि शत्रु सम्पत्ति वे सम्पत्तियां हैं, जिनके स्वामी 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान या 1962 (चीन के साथ युद्ध), 1965 और 1971 (पाकिस्तान के साथ युद्ध) के बाद भारत छोड़कर पाकिस्तान चले गए या चीन की नागरिकता ले ली। भारत सरकार ने इन्हें शत्रु माना, क्योंकि ये लोग उन देशों के साथ चले गए, ▶10पर

सदन में हंगामा कर रहे विपक्षी सांसदों पर स्पीकर नाराज

सड़क छाप व्यवहार न करें वरना कार्रवाई होगी

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष द्वारा लगातार किए जा रहे हंगामे से नाराज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विपक्ष के सांसद लोकसभा में भी सड़क छाप व्यवहार कर रहे हैं। लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान बिहार में रेल परियोजनाएं विषय पर चल रही चर्चा के दौरान ही विपक्षी सांसद बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर हंगामा करने लगे। सांसदों के इस बेमानी हंगामे को लेकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए।

लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा, आप सड़क का व्यवहार संसद में कर रहे हैं। यह देश देख रहा है। सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। उल्लेखनीय है कि कि लगातार तीन दिन से हो रहे विपक्ष के हंगामे के चलते बार-बार लोकसभा स्थगित करनी पड़ रही है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ है।

निचले सदन में प्रश्नकाल के दौरान बिहार में रेल परियोजनाएं विषय पर चर्चा चल रही थी। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हंगामा शुरू कर किया। सांसदों के हंगामे को लेकर लोकसभा स्पीकर बिरला भड़क गए। उन्होंने कहा कि संसद हमारे गौरवशाली लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। ▶10पर

उपराष्ट्रपति को निपटा कर पीएम मोदी चले विदेश

मंत्री को मंत्र समझा गए प्रधानमंत्री..!

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा प्रकरण निपटा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिटेन के दौरे पर रवाना हो गए। विदेश रवाना होने के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने खास मंत्री अमित शाह से मंत्रणा की और उन्हें जरूरी मंत्र समझा कर विदेश चले गए। पीएम मोदी की रवानगी के साथ ही नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। नए राष्ट्रपति का चयन तो धनखड़ के इस्तीफे के पहले ही हो चुका था, बस अब चुनाव की औपचारिकताएं पूरी होनी हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे और संसद में जारी हंगामे के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज संसद स्थित कार्यालय में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात पीएम मोदी के ब्रिटेन रवाना होने के पहले हुई। पीएम मोदी और अमित शाह के बीच क्या बात हुई, इस बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ है। इस चुप्पी की अलग-अलग व्याख्याएं शुरू हो गई हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चौथी ब्रिटेन यात्रा पर आज रवाना हो गए। वे ब्रिटेन में बहुप्रतीक्षित मुक्त

संसद में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की हुई वार्ता

व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी पर भी चर्चा करेंगे। इसके अलावा में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर और किंग चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे।

भारत और ब्रिटेन के व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत की भी योजना है। दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर भी चर्चा करेंगे और इसमें व्यापार, अर्थव्यवस्था, तकनीक, आविष्कार, सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों को लोगों से संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा होगी। पदभार ग्रहण करने के बाद से यह प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की चौथी यात्रा है। 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी लंदन में रहेंगे। व्यापार समझौते में श्रम-प्रधान उत्पादों जैसे चमड़ा, जूते और कपड़ों के निर्यात पर कर हटाने का प्रस्ताव है, जबकि ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता करने का प्रस्ताव है, ताकि 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार दोगुना होकर ▶10पर

विपक्ष की सड़क-छाप हरकतों के बरक्स जमीनी सच

बिहार में 18 लाख मृतक भी थे वोटर

वोटर लिस्ट में बांग्लादेशी-रोहिंग्या की भारी तादाद

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी पार्टियां बौखलाई हुई हैं। विपक्षी पार्टियां बेचैन हैं, क्योंकि पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची से लाखों की तादाद में शामिल बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के नाम हट जाएंगे। पुनरीक्षण की प्रक्रिया में 18 लाख ऐसे वोटरों का भी पता चला है जो मृतक हैं। लेकिन वे वोटर बने हुए थे और उनके नाम पर वोट डाले जा रहे थे।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान ऐसे कई चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। आयोग के मुताबिक 18 लाख मृत मतदाताओं के नाम पाए गए हैं। वहीं 26 लाख लोग ऐसे हैं जो दूसरे विधानसभा क्षेत्रों में जा चुके हैं। सात लाख लोगों ने दो अलग-अलग जगहों पर वोटिंग आईडी कार्ड बनवा रखे हैं। बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआई) प्रक्रिया के तहत अब तक 97.30 प्रतिशत मतदाताओं ने अपना विवरण जमा कर दिया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, सिर्फ 2.70 प्रतिशत मतदाता ही ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक नाम जोड़ने या सुधार के लिए फॉर्म नहीं भरा है। चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि यह ड्राफ्ट मतदाता सूची 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित की जाएगी। 21 जुलाई 2025 तक की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव कर्मियों ने घर-घर जाकर मतदाताओं की जांच की। ▶10पर

चुनाव आयोग ने शुरू कर दी उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी

तय है, भाजपा से ही होगा नया उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के फौरन बाद नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की तैयारियां आनन-फानन शुरू कर दी गई हैं। यह तैयारी इतनी तेजी से शुरू हुई कि जैसे सत्ता शीर्ष पर बैठे सियासतदानों को पहले से पता था कि उपराष्ट्रपति का इस्तीफा होने ही वाला है। वैसे सत्ता गलियारे में यही चर्चा भी है कि नया उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के पहले ही चुन लिया गया था, अब केवल चयन का औपचारिक प्रहसन खेलना बाकी है। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने इस औपचारिक प्रहसन की तैयारी शुरू कर दी है। चुनाव आयोग ने फौरन एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आधिकारिक पुष्टि की कि निर्वाचन आयोग ने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव से संबंधित तैयारियां शुरू कर दी हैं। बयान में कहा गया कि तैयारियां पूरी होने के बाद जल्द ही उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। चुनाव आयोग ने य़ह भी कहा कि गृह मंत्रालय

चुनाव की औपचारिकताएं पूरी करने का प्रहसन जारी

ने 22 जुलाई 2025 को एक अधिसूचना के जरिए भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की सूचना दी। कहा गया कि चुनाव आयोग को अनुच्छेद 324 के तहत भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कराने का अधिकार प्राप्त है। यह चुनाव राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम 1952 और इसके तहत बने नियमों (राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम 1974) द्वारा कराया जाता है।

आयोग ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 से संबंधित तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। तैयारियां पूरी होने के बाद उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। निर्वाचक मंडल तैयार करने की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं, जिसमें राज्यसभा एवं लोकसभा के निर्वाचित तथा मनोनीत सदस्य शामिल होते हैं। इसके अलावा रिटर्निंग अफसर/सहायक रिटर्निंग अफसर की नियुक्ति को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोग ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति चुनावों से संबंधित जानकारियों और रिकॉर्ड को देखा जा रहा है। उपराष्ट्रपति चुनाव में राज्यसभा के 233 ▶10पर

केंद्र सरकार ने लोकसभा में दी आधिकारिक जानकारी

विदेशों में रखे काले धन का 35105 करोड़ टैक्स बाकी

10 वर्ष में सरकार ने वसूले 338 करोड़

साइबर अपराध के मामले 12 लाख बढ़े

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने लोकसभा में यह स्वीकार किया है कि विदेशों में रखे भारत के काले धन का 35105 करोड़ टैक्स लंबित है। केंद्र सरकार पिछले 10 साल में 338 करोड़ रुपए वसूल पाई है। दूसरी तरफ देश में साइबर अपराध बेतहाशा बढ़ा है। केंद्र सरकार ने विदेशी कालाधन कानून के तहत 31 मार्च तक 35,105 करोड़ रुपए से अधिक के टैक्स की मांग की है। इसके अलावा ऐसे मामलों में 163 शिकायतें दी गई हैं। काला धन (अघोषित विदेशी आय और सम्पत्ति) और कर अधिरोपण कानून, 2015 के तहत सरकार ने एक जुलाई 2015 से 31 मार्च 2025 के बीच कर, जुर्माना और ब्याज के रूप में 338 करोड़ रुपए वसूल किए हैं।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में यह जानकारी देते हुए कहा कि इस कानून के तहत 31 मार्च 2025 तक दर्ज 1,021 मामलों का आकलन पूरा किया गया। कानून के मुताबिक, आयकर रिटर्न भरते समय विदेशी सम्पत्ति और आय का खुलासा करना अनिवार्य है। खुलासा न करने पर जुर्माना लगाया जा सकता है। भारत को 100 से अधिक विदेशी कर क्षेत्राधिकारों से विदेशी सम्पत्ति और आय की जानकारी मिलती है। सरकार ने विदेशी काला धन कानून के तहत 31 मार्च तक करीब 35,105 करोड़ रुपये का कर और जुर्माना मांगा है और 163 अभियोजन शिकायतें दर्ज की हैं। उन्होंने बताया कि काला धन (अघोषित विदेशी आय और सम्पत्ति) एवं कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के तहत सरकार ने एक जुलाई 2015 से 31 मार्च 2025 के बीच कर/जुर्माना/ब्याज के रूप में 338 करोड़ रुपए की वसूली की है। 31 मार्च, 2025 तक, काला धन (अघोषित विदेशी आय और सम्पत्ति) एवं कर अधिरोपण ▶10पर

अपनी दोगलई से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को फिर धोया

न्यूयॉर्क, 23 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत के स्थायी प्रतिनिधि और राजदूत पर्वथानेनी हरीश ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। उन्होंने पाकिस्तान को दो टूक जवाब दिया और कहा, देश की संप्रभुता पर सवाल उठाने के किसी भी प्रयास को भारत कभी स्वीकार नहीं करेगा। कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का जिक्र करने के पाकिस्तान के दुस्साहस का कड़ा विरोध करते हुए पी हरीश ने कहा, आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय शांति के मुद्दों पर पाकिस्तान का दोहरा चरित्र निंदनीय है।

हरीश के जवाब से पहले पाकिस्तानी उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कश्मीर को लेकर टिप्पणी की थी। बता दें कि उन्होंने पाकिस्तान को जवाब उस मंच पर दिया, जहां

आतंकवाद पर पाकिस्तान का चरित्र निंदनीय

बहुपक्षवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के विषय पर चर्चा की जा रही थी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इस उच्च स्तरीय खुली बहस में पी हरीश ने लगभग पांच मिनट के अपने वक्तव्य में भारतीय कूटनीति को स्पष्ट करते हुए ▶10पर

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की वार्षिक प्रदर्शनी दूसरे दिन भी रही जारी

3 हजार लोगों ने किया दौरा

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की वार्षिक प्रदर्शनी दी इनर स्टोरी नामक इनरवियर ट्रेड शो का चौथा आयोजन, जो मंगलवार से पैलेस ग्राउंड स्थित गायत्री विहार सागर में प्रारंभ हुआ था, के दूसरे दिन बुधवार को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। टेसुति इटली द्वारा मुख्य रूप से प्रायोजित इस प्रदर्शनी के चौथे संस्करण का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उप-स्थित कर्नाटक सरकार के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल ने किया था। प्रदर्शनी के दूसरे दिन किया के पदाधिकारियों ने खागा के सदस्यों को सम्मानित किया। एक स्टॉल लगाने वाले व्यक्ति ने बताया कि दो दिनों के प्रदर्शनी में अच्छी प्रतिक्रिया

मिली है। पहले दिन से ही अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने बताया कि दूसरे दिन लोगों की आवाजाही में काफी वृद्धि दर्ज की गई है और 3 हजार से अधिक लोगों ने प्रदर्शनी का दौरा किया है। प्रदर्शनी के आखिरी दिन गुरुवार को भी हमे इसी प्रकार से लोगों के आने की उम्मीद है। इस मौके पर अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन, उपाध्यक्ष महावीर चंद मेहता, सचिव रविन्द्र बंबोली, कोषाध्यक्ष प्रकाश एच जैन, संयुक्त सचिव शैंकी एम जैन, जिनेन्द्र कुमार, विनोद चौहान और आईपीपी रमेश चंद जैन के अलावा प्रदर्शनी समन्वयक राजेश चोपड़ा, गौरव शर्मा, महेन्द्र जैन, महीपाल टी. जैन, मूल सिंह राजपुरोहित, मनीष ए. जैन और मधुराम खादव समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

चारित्र का दीपक जीवन में जलाएं : साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में आयोजित प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुजनों को संबोधित करते हुए साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपासना ने घड़ी के सातवें घंटे का संदर्भ देते हुए कहा घड़ी का सातवां घंटा हमें यही संदेश देता है कि हम अपने जीवन से 'सप्त कुव्यसनों' का त्याग करें। उन्होंने ने चेताया कि जो व्यक्ति इन कुव्यसनों के वश में आ जाता है, वह नरक गति को प्राप्त करता है। श्रावक-श्राविकाओं से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को जैन धर्म के आदर्शों से जागृत करें, संस्कारित करें, ताकि वे जीवन में कभी इन कुव्यसनों की ओर आकर्षित न हों। हमें अपने चारित्र की सतत निगरानी करनी चाहिए। आत्मनिरीक्षण करें कि क्या हमारा चारित्र राम के समान है या रावण के जैसा? कृष्ण के जैसा है या कंस के जैसा?

हमें अपने जीवन का दर्पण बनाकर देखना चाहिए कि हम किस श्रेणी में आते हैं। चारित्र का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा चारित्र का दीपक जीवन में जलाने से अनेकों आत्माएँ सिद्ध, बुद्ध और मुक्त हो गईं। मनुष्य की पहचान उसके वस्त्रों से नहीं, उसके चारित्र से होती है। जिसके जीवन में सदाचार होता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे सुवर्ण को कसौटी पर कसकर परखा जाता है, वैसे ही मनुष्य का चारित्र विपरीत परिस्थितियों में परखा जाता है। जब व्यक्ति अपने आचरण में संयम, मधुरता, करुणा, क्षमा, और दया जैसे गुणों को धारण करता है, तभी उसका जीवन वास्तविक अर्थों में धर्ममय और आदर्शमय बनता है।

एक उदाहरण देते हुए कहा गया कि जिस तरह तलवार की पहचान उसकी धार से होती है, उसी प्रकार मनुष्य की पहचान उसके सदाचारी चारित्र से होती है। यदि हमारा चारित्र दृढ़ है, तो समाज में सम्मान मिलता है। यदि चारित्र दुर्बल है, तो जीवन धिक्कार योग्य बन जाता है। सभा में श्रीरामपुरम विजयनगर और अन्य संघ के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने गुरुवाणी का श्रवण कर अंत में साध्वी निर्मला के मुखारबिंद से मांगलिक श्रवण किया। इस प्रभावशाली धर्मसभा का संचालन संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने कुशलता पूर्वक किया। अंत में संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने आभार व्यक्त किया।

पगारिया भाईपा परिवार द्वारा भीनमाल यात्रा संघ की तैयारियां जोरों पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पगारिया भाईपा परिवार कर्नाटक की ओर से सितम्बर माह में नवरात्रि की नव दिवसीय यात्रा संघ की तैयारियां जोरों से चल रही है। पगारिया परिवार के महामंत्री अरविंद कोठारी ने बताया कि परिवार की श्रद्धा की केंद्र कुलदेवी क्षेमंकरी माता भीनमाल, अहमदाबाद, महुडी, पा-लनपुर, तारंगा जी, जीरावला, माउंट आबू, जैसलमेर, ओसियां जी, नाकोडा जी, बाड़मेर, मांडोली, मांडवला आदि अनेक प्राचीन तीर्थों की स्पर्शना इस संघ यात्रा के दौरान होगी। चेयरमैन पारसमल पगारिया ने बताया कि इससे पूर्व भी पगारिया भाईपा परिवार द्वारा सम्मेत शिखरजी, श्रवणबेलगोला,

हम्पी, कन्याकुमारी आदि तीर्थों की यात्रा संघ आयोजित किया जा चुका है। यात्रा संघ के व्यवस्थित संचालन हेतु पन्नालाल पगारिया और दिलीप पगारिया को संयोजक बनाया गया है और अन्य सदस्य संघ की व्यवस्थाएं सम्भाल रहे हैं। यात्रा संघ के मुख्य लाभार्थी सुमतीलाल, सिद्धार्थ कुमार पगारिया मैसूरु, सह लाभार्थियों में खीमराज पगारिया, नथमल पगारिया, रंगलाल पगारिया हैं। पगारिया भाईपा परिवार के लाभार्थी दिलीप कुमार, गुलाबचंद, माणकचंद, किशनलाल, महेंद्रचंद, जबरचंद, पदमचंद, पन्नालाल, पारसमल, विनोद कुमार, पवन कुमार, कानमल, मांगीलाल पगारिया परिवार हैं।

दक्षिण भारत के बेंगलूरु में बनेगा पहला अणुव्रत भवन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अणुव्रत समिति बेंगलूरु की नवगठित कार्यकारणी सदस्यों की प्रथम मीटिंग गांधीनगर सभा भवन के तुलसी हॉल में अध्यक्ष ललित बाबेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक का शुभारंभ निवर्तमान अध्यक्ष देवराज रायसोनी एवं पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल ने मंगलाचरण अणुव्रत गीत के संगान से किया। उसके पश्चात आगामी दिनों में करणीय कार्यों के लिए विशेष एजेंडा तैयार किया गया जिसमें मीटिंग के दौरान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री डॉ.पुलकित कुमार जी ने पधार कर गणाधिपति गुरुदेव तुलसी के आयामों को जन जन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया और बेंगलूरु शहर में अणुव्रत समिति का अपना एक भवन होना चाहिए, ऐसी प्रेरणा दी। समाज को एकजुट कर बेंगलूरु में एक अणुव्रत भवन का

निर्माण हो ऐसा प्रयास करें। मुनि की प्रेरणा को साकार करने हेतु परामर्शक कन्हैयालाल चिप्पड़ एवं हस्तीमल हिरन ने अणुव्रत भवन बनाने के लिए भरपूर योगदान देने की भावना रखी। सदन ने मुनिश्री को निवेदन करते हुए एक स्वर में कहा कि भवन निर्माण के कार्य हेतु कन्हैयालाल चिप्पड़ को ही संयोजकीय दायित्व दे देना चाहिए। इसके लिए कन्हैयालाल चिप्पड़ ने अपनी सहमति भी प्रकट की। उसके बाद मीटिंग में अणुव्रत विश्व भारती के तत्व-ावधान में बच्चों के लिए चल रहे अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट का जिला स्तरीय प्रतियोगिता करवाने के लिए भी चर्चा हुई एवं एक तारीख निर्धारित करने का प्रस्ताव आया। मीटिंग के दौरान महासभा के हुब्बल्ली संभाग आंचलिक प्रभारी रमेश चोपड़ा का अणुव्रत पट्ट से सम्मान किया गया। रमेश ने सभा को संबोधित करते हुए अपने विचार रखे।

अणुव्रत के अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई। जिसमें निवर्तमान अध्यक्ष देवराज रायसोनी, परामर्शक मानक चंद मुथा, कन्हैयालाल चिप्पड़, हस्तीमल हिरण, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मांडोत, संगठन मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, सहमंत्री सुरेश चावत, अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट के राज्य प्रभारी शांति सकलेचा, बबीता चोपड़ा, प्रवीण बोहरा, नितेश धारीवाल, रूपचंद देसरला और भानुप्रिया दुग्गड ने अपने अपने सुझाव दिए। जीवन विज्ञान राज्य प्रभारी ललित आच्छा ने राज्य सरकार द्वारा जीवन विज्ञान के पाठ्यक्रम को स्कूल में सुचारू रूप से लागू किया गया है, की जानकारी उपलब्ध करवाई। साथ ही इस पाठ्यक्रम को हम प्राइवेट स्कूल में भी कैसे लागू करवा सके उसके लिए प्रयास करने का आग्रह किया। इस मौके पर उपाध्यक्ष बी वी चंद्र शेखरैय्या, सुरेंद्र नाथ मोदी, कोषाध्यक्ष मनो-हरलाल मांडोत, संगठन मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, सहमंत्री सुरेश चावत एवं प्रचार प्रसार मंत्री कविता जैन आदि लोग मौजूद रहे।

मनुष्य का सबसे प्रभावशाली अंग होता है मन: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि मनुष्य का सबसे प्रभावशाली अंग मन है। मनुष्य की जीवन-लीला मन से ही चलती है। सारे संकल्प-विकल्प, इच्छाएं-कामनाएं मन की ही उपज हैं। बुद्धि इनकी पूर्ति के लिए क्रियाशील रहती है। भौतिक शरीर में मन कोई अंग नहीं है। यह सूक्ष्म शरीर का अंग है। भौतिक शरीर का अंग तो बुद्धि भी नहीं है, पर बुद्धि को क्रिया करने के लिए तंत्र की आवश्यकता पड़ती है और यह तंत्र है हमारा मस्तिष्क। मन को किसी प्रकार के तंत्र की आवश्यकता नहीं होती, वह सदैव तंत्र के बगैर ही क्रियाशील रहता है। जब भौतिक शरीर (स्थूल

शरीर) होता है तब भी और जब सूक्ष्म शरीर होता है तब भी। निद्रावस्था में सपनों के लिए उत्त-रदायी मन ही होता है। इसलिए जब मन उद्विग्न होता है, तब हमें बुरे अवसाद वाले स्वप्न दिखाई देते हैं। जब मन प्रफुल्लित होता है तब हर्षदायक स्वप्न दिखाई देते हैं इसलिए हर्ष-दुख का सारा दारोमदार मन पर है। साध्वी भव्य गुणा ने कहा

शरीर के सारे अंग मन के अनुसार संचालित होते हैं इसलिए मन का प्रबल होना आवश्यक है। कहावत है कि मन चंगा तो कठौती में गंगा। मन स्वस्थ है तो शरीर स्वस्थ है। मन कैसे स्वस्थ रहे, कैसे प्रबल हो। इसके लिए हमें कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। यह दृश्य-जगत मन को आकर्षित करता रहता है। इस आकर्षण के फलस्वरूप मन में इच्छाओं कामनाओं का सृजन होता है। यदि हम अवांछनीय दृश्य देखते हैं, तो मन में दूषित कामनाएं जन्म लेंगी। गलत दृश्यों के प्रति आकर्षण न रहे, इसके लिए हमें अच्छे दृश्यों की ओर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देना चाहिए। अच्छे व्यक्तियों का संग, अच्छे स्थलों का भ्रमण, सत-साहित्य का पठन और अध्यात्म इसमें सहायक हो सकते हैं। मन स्वस्थ होने के साथ-साथ इसे सशक्त भी होना चाहिए। प्रबल मन के लिए मन का दृढ़ होना आवश्यक है। मन को दृढ़ करने का सबसे उत्तम साधन ध्यान स्वाध्याय और तप है। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि कल्याण व संयम की बातें सुनकर ही जानी जाती है। अच्छे श्रोता की तरह अपने अंतर भावों और आत्मिक सोच को बदलना आवश्यक है। उनमें परिवर्तन लाओ, अहं का त्याग करो। संयम साधना के मार्ग पर चलकर आत्मिक सुख और आनंद की प्राप्ति करो। प्रवचनों को सुनो, चिंतन मनन करो और उन्हें आचरण में उतारो। अच्छे श्रोता बनकर ही संयम और कल्याण कारक बातों को सुना और समझा जा सकता है। साध्वी ने कहा कि साधनामय जीवन व्यतीत कर नायक बनना चाहते हैं या सांसारिक कषाय भरा मिथ्या अहं से युक्त जीवन को खलनायक की तरह बिताना चाहते है। अच्छे या बुरे विचार सुनकर ही अपनाए जाते हैं जो जीवन को संवारते या बिगाड़ते है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि राजेंद्र सूरि गुरुदेव के 108 अभिषेक का लाभ पुखराज कपूरचंद सियाणा परिवार ने लिया। वियासणा का लाभ महावीर घेवरचंद संघवी ने लिया। बेंगलूरु से पधारे नवरत्न मांडोत का संघ की ओर से भंवरलाल अंबालाल शाह भावेश संघवी ने बहुमान किया।

राष्ट्रपति आज रानी चेन्नाभैरदेवी पर डाक टिकट करेंगी जारी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारत सरकार के संचार मंत्रालय के डाक विभाग एवं उत्कृष्ट शिक्षा फाउंडेशन, मूडबिद्री के संयुक्त तत्व-ावधान में प्रसिद्ध ऐतिहासिक वीरांगना रानी चेन्नाभैरदेवी के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया जाएगा। यह ऐतिहासिक डाक टिकट गुरुवार को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी किया जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी एवं राज्यसभा सांसद डॉ. वीरेंद्र हेगड़े विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस गरिमामय अवसर पर उत्कृष्ट शिक्षा फाउंडेशन, मूडबिद्री के संस्थापक एवं मूडबिद्री स्थित उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों के अध्यक्ष युवराज जैन तथा सचिव रश्मिता जैन, श्री सिद्धारूढ़ स्वामीजी मठ, हुब्बल्ली के पूर्व चेयरमैन एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे जोन उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) सदस्य महेंद्र सिंघी, उत्कृष्ट महाविद्यालय के प्रशासनिक निदेशक डॉ. संपत कुमार, महिला प्रतिनिधियों के रूप में मधु कुंदुर एवं कुमारी मीरा कुंदुर, संस्कार स्कूल हुब्बल्ली के अध्यक्ष एवं जैनिज्म फिलेटेलिक सोसायटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महावीर कुंदुर, संतोष पाटिल एवं विमल तालिकोटि सहित अनेक गणमान्य अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर पर मौजूद रहेंगे। यह आयोजन न केवल दिगंबर जैन परिवार में जन्मी रानी चेन्नाभैरदेवी की वीरता, नेतृत्व और ऐतिहासिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि यह भारतीय सांस्कृतिक धरोहर और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायी गाथा को भी प्रकट करता है।

छोटे व्यापारियों के आंदोलन को भाजपा का समर्थन: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी. वाई. विजयेंद्र ने बुधवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय जगन्नाथ भवन में संवाददाताओं को बताया कि भाजपा राज्य में छोटे व्यापारियों के चल रहे आंदोलन को अपना पूरा समर्थन देगी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के वाणिज्यिक कर विभाग ने रेहड़ी-पटरी वालों के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु और अति लघु व्यवसायों को नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है, जिससे व्यापक चिंता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा ये सभी व्यापारी अब भय और चिंता में जी रहे हैं। विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल पर कर्नाटक की राजस्व समस्याओं के लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सार्वजनिक रूप से अधिकारियों से महाराष्ट्र से आगे निकलने और जीएसटी संग्रह में देश में शीर्ष पर रहने का आग्रह किया था, यहाँ तक कि स्पष्ट राजस्व लक्ष्य भी निर्धारित किए थे। उन्होंने कहा अब सच्चाई सामने आ गई है। कांग्रेस सरकार का खजाना खाली होने के कारण, मुख्यमंत्री ने धन जुटाने के लिए वाणिज्यिक कर विभाग को ये नोटिस जारी करने

के लिए छोड़ दिया है। रेहड़ी-पटरी वालों और छोटे व्यवसायों को दिए गए ये नोटिस पूरी तरह से अवैध हैं।

सरकार को इन्हें जारी करना तुरंत बंद करना चाहिए और पहले से भेजे गए नोटिस वापस लेने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि दूध जैसी बुनियादी वस्तुएँ जीएसटी के दायरे से बाहर हैं, फिर भी ऐसे विक्रेताओं को भी नोटिस जारी किए गए हैं। जीएसटी में केवल तीन कर स्लैब हैं, फिर भी अधिकारी बिना किसी भेदभाव के सभी से 18 प्रतिशत कर की मांग वाले नोटिस जारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा चूँकि सरकारी खजाना खाली है, वे बिना किसी समीक्षा के रातोंरात नोटिस भेज रहे हैं, जिससे हर व्यापारी भयभीत है। सरकार को इस फैसले को तुरंत वापस लेना चाहिए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जगन्नाथ भवन के बाहर बार-बार अनियंत्रित विरोध प्रदर्शन किया है। हमारे कार्यकर्ता भी मजबूत हैं। अगर आपके लोग आंदोलन करना चाहते हैं, तो फ्रीडम पार्क है। हमारी परीक्षा मत लीजिए। हमारे पास कांग्रेस कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने की शक्ति है, जरूरत पड़ने पर आपकी पुलिस की अवहेलना भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले ही पुलिस आयुक्त से मिलकर कांग्रेस के ऐसे हंगामे को रोकने की मांग कर चुकी है और केपीसीसी अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार से इन पर लगाम लगाने का आग्रह किया है। मुडा भूमि आवंटन घोटाले पर एक सवाल का जवाब देते हुए, विजयेंद्र ने स्वीकार किया कि सुप्रीम कोर्ट ने तकनीकी आधार पर प्रवर्तन निदेशालय की याचिका खारिज कर दी थी। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को क्लीन चिट मिल गई है। भाजपा का रुख कि मुख्यमंत्री और उनका परिवार इसमें शामिल था अब भी बरकरार है। अदालत ने उन्हें कभी निर्दोष नहीं ठहराया है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के परिवार से जुड़े लगभग 14 प्लॉटजिनकी कीमत 5,000 करोड़ से ज्यादा है रियल एस्टेट एजेंटों के जरिए बेचे गए थे। उन्होंने जोर देकर कहा यह सीबीआई जाँच का एक उपयुक्त मामला है। धर्मस्थल में हाल के विवादों के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। जांच तेजी से और पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए ताकि तथ्य सामने आ सकें। सरकार को वहाँ माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को रोकना चाहिए। हम इस जगह को खराब करने की इस कोशिश के पीछे की साजिश जानते हैं। अगर वे आगे बढ़ते हैं, तो हम तय करेंगे कि कैसे जवाब दिया जाए। विधानसभा सत्र शुरू होने वाला है, ऐसे में विजयेंद्र ने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल के विधायक खुद सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री के कद पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा शायद सत्र के दौरान ध्यान भटकाने के लिए मुख्यमंत्री ने 50 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की है। लेकिन अभी तक न तो पैसा जारी हुआ है और न ही विकास संबंधी कोई निर्णय लिया गया है। हो सकता है कि जवाबदेही से बचने के लिए कोई योजना बनाई जा रही हो।

उपद्रवी बिकलू शिवा हत्याकांड का मुख्य आरोपी दुबई भागा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक बिरती बसवराज के लिए मुसीबत बने बिकलू शिवा हत्याकांड का मुख्य आरोपी दुबई भाग गया है। पुलिस को पता चला है कि शिवप्रकाश उर्फ बिकलू शिवा हत्याकांड का मुख्य आरोपी जगदीश उर्फ जग्गा, शिवा की हत्या के बाद बिना किसी को पता चले दुबई भाग गया था। इससे पहले, बिकलू शिवा फेसबुक लाइव पर जग्गा को गालियाँ दे रहा था, जिससे दोनों के बीच दुश्मनी बढ़ गई थी। एक बार, जब दोनों अकेले में थे, तो दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। झगड़े के दौरान, बिकलू शिवा ने उसे चुनौती दी थी कि वह मेरे साथ कुछ भी कर ले, और जग्गा ने उसे चेतावनी दी थी कि वह उसका ध्यान रखेगा।

इस घटना के बाद, दोनों के बीच जमीन-जायदाद को लेकर भी प्रतिद्वंद्विता शुरू हो गई।

इसलिए, पुलिस को शक है कि जग्गा ने बिकलू शिवा की हत्या की सुपारी दी थी। जग्गा, जो एक प्रसिद्ध कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री के संपर्क में था, की पहचान एक सेलिब्रिटी के रूप में भी हुई थी। हत्याकांड के बाद जग्गा के घर पर छापेमारी करने वाली पुलिस को एक बंदूक का लाइसेंस भी मिला। पुलिस द्वारा उसके साथ विश्वासघात किए जाने की सूचना मिलने के बाद, वह बिना किसी की पकड़ में आए छिप गया। शहर की पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल जैसे पड़ोसी राज्यों में तलाशी ली, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार, जग्गा के यात्रा इतिहास पर नजर रखने वाली पुलिस को पता चला कि वह चेन्नई होते हुए दुबई भाग गया था। इसलिए, पुलिस दुबई में छिपे जग्गा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करेगी और उसे गिरफ्तार कर शहर लाने के अपने प्रयास जारी रखेगी। पुलिस जाँच में पता चला है कि बिकलू शिवा के खिलाफ गुस्साए जग्गा ने हत्या के लिए मालूर के हत्यारों को डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत दी थी। बिकलू शिवा हत्याकांड में पूर्व मंत्री और विधायक बसवराज का नाम आने पर सक्रिय हुई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मालूर से पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। इसके साथ ही बिकलू शिवा हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है।

हेब्री होटल झड़प के सिलसिले में चार उपद्रवी गिरफ्तार

हेबरी/शुभ लाभ ब्यूरो। हेबरी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कलथुर गाँव (38वें कलथुर) के संथेकट्टे स्थित एक होटल में 20 जुलाई को हुई एक घटना के सिलसिले में चार बदमाशों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान श्रीकांत कुलाल, सदानंद पुजारी, संतोष नाइक और राज उर्फ राजेश नाइक के रूप में हुई है। रिपोर्टों के अनुसार, श्रीकांत कुलाल, सदानंद पुजारी और संतोष नाइक ने कथित तौर पर एक बुजुर्ग बदमाश राज उर्फ राजेश नाइक के साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट की। इस संबंध में हेबरी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इस बीच, संतोष नाइक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, राजेश नाइक के खिलाफ कथित तौर पर उनके खिलाफ जातिवादी टिप्पणी करने का एक अलग मामला दर्ज किया गया है। हत्या के प्रयास के मामले में, संथेकट्टे, कलथुर से श्रीकांत कुलाल, बड़किनाबैलु फरंगीहिथलु, केनियुरु से संतोष नाइकऔर सदानंद पुजारी, संथेकट्टे, कलथुर को हिरासत में लिया गया। दलित अत्याचार मामले में, राज उर्फ राजेश नाइक, होयिगे बेलार, 38वें कलथुर गाँव को गिरफ्तार किया गया।

यादगीर में डेंगू के मामलों की निगरानी के लिए वॉर रूम स्थापित

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला अस्पताल में वॉर रूम की स्थापना के साथ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने कर्नाटक के यादगीर जिले में डेंगू के मामलों से निपटने के लिए पहल की है।

वॉर रूम में दो चिकित्सा कर्मचारियों को तैनात किया गया है जो यात्रा इतिहास वाले मरीजों और उन्हें दिए जा रहे उपचार पर नजर रखेंगे। वे उन्हें सावधानियों के बारे में भी सलाह देंगे। वेक्टर जनित रोगों के जिला रोकथाम अधिकारी साजिद ने कहा यह एक नियमित प्रक्रिया है जो विभाग हर साल जून और सितंबर के बीच करता है। यह अवधि डेंगू पर नियंत्रण के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। दूसरी ओर, विभाग ने बीमारी का पता लगाने के लिए संदिग्ध मरीजों से लिए गए नमूनों की चिकित्सा जाँच की। उन्होंने कहा जनवरी से अब तक 1,364 नमूनों की जाँच की जा चुकी है, जिनमें से 27 में

डेंगू की पुष्टि हुई है। विभाग ने जुलाई में डेंगू मुक्त माह मनाया और डेंगू से बचाव के तरीकों के बारे में जागरूकता फैलाई। आशा कार्यकर्ता हर शुक्रवार को घर-घर जाकर लार्वा सर्वेक्षण करती हैं। वे बीमारी को फैलने से रोकने के लिए ऐसे लार्वा को नष्ट करने की कार्रवाई करते हैं। कर्नाटक सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, जिस घर में डेंगू के दो मामले सामने आते हैं, उसे हॉटस्पॉट कहा जाएगा। अधिकारी मच्छरों के काटने से बचने के लिए मरीजों को शरीर पर लगाने के लिए नीम का तेल बाँटेंगे। डेंगू एक वायरल संक्रमण है जो संक्रमित मच्छरों के काटने से मनुष्यों में फैलता है। संक्रमित मच्छरों के काटने के बाद व्यक्ति को बुखार, सिरदर्द और बदन दर्द होता है। डॉ. साजिद ने कहा लोगों को अपने आस-पास साफ-सफाई बनाए रखनी चाहिए और जमा पानी को साफ करते रहना चाहिए। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पुराने बेकार टायर, नारियल के छिलके और अन्य चीजें, जिन पर मच्छर अंडे देते हैं, घरों के आस-पास न रखी जाएँ। 2023 में 2,856 नमूनों की जाँच के बाद डेंगू के 93 मामले सामने आए। 2024 में 4,746 नमूनों की जाँच के बाद 137 मामले पॉजिटिव पाए गए। 2025 में (आज तक) 1,290 नमूनों के परीक्षण के बाद 27 मामले पॉजिटिव पाए गए।

छोटे व्यापारियों के लिए टैक्स नोटिस मामले में विरोध प्रदर्शन शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा छोटे और रेहड़ी-पटरी वालों को नोटिस जारी करने के बाद, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे, जिससे ज्यादातर छोटे व्यापारियों को फायदा होने की संभावना है। वाणिज्यिक कर विभाग पिछले 20 दिनों से छोटे व्यापारियों को नोटिस जारी कर रहा है, जिसमें उन्हें केंद्र सरकार के वस्तु एवं सेवा अधिनियम की धारा 22 के तहत पंजीकरण कराना अनिवार्य किया गया है। इस नोटिस में पिछले 4 वर्षों के लेन-देन का जिक्र है। नोटिस में यूपीआई और बैंक लेनदेन के आधार पर औसत व्यापार के आधार पर कर चुकाने का जिक्र होने से व्यापारी चिंतित हैं। इसी सिलसिले में, छोटे और रेहड़ी-पटरी वालों ने आज से दो दिनों के लिए दूध, दही, चाय और कॉफी नहीं बेचकर सहकारी हड़ताल

शुरू कर दी है। गुरुवार तक काली पट्टी बाँधकर प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। 25 जुलाई को फ्रीडम पार्क में एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक कर रहे हैं, जिसका हड़तालियों ने बहिष्कार किया है। कर चुकाने वाले वाणिज्यिक संस्थानों को बैठक में आमंत्रित किया गया है। जाहिर है, वहाँ किस तरह की चर्चाएँ होंगी और छोटे व्यापारियों पर कर चुकाने का दबाव भी है। इसी संदर्भ में, छोटे व्यापारियों के संगठनों के एक धड़े ने बैठकों का बहिष्कार करने की बात कहते हुए उनका बहिष्कार किया है। लेकिन कुछ व्यापारी अभी भी बैठक में भाग ले रहे हैं। छोटे व्यापारी असंगठित क्षेत्र हैं और नोटिस के बाद संगठनात्मक गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों और छोटे व्यापारियों के साथ चर्चा करेंगे और संभव है कि वे पहले से जारी नोटिसों को रद्द करके आने वाले दिनों में उन्हें नियमों के अनुसार जीएस पंजीकरण कराने का निर्देश दें। पिछले चार वर्षों के कारोबार के औसत अनुमान के दौरान सटीक जानकारी प्राप्त करना मुश्किल है।

व्यवसाय से संबंधित लेन-देन या व्यक्तिगत वित्तीय गतिविधियों को अलग करना आसान नहीं है, इसलिए चर्चाएँ हैं कि सभी को कर के दायरे में लाना संभव नहीं है। यूपीआई और बैंक लेनदेन के आधार पर तथा उद्यमियों की क्रय गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए, सेवा क्षेत्र के 20 लाख व्यापारियों और उत्पाद एवं वस्तु क्षेत्र के 40 लाख व्यापारियों पर न्यूनतम कर लगाना संभव है।

यदि नोटिसों पर उचित विचार किया जाए, तो व्यापारियों को कर दंड से छूट मिलना संभव है। हालाँकि, केंद्र सरकार ने जीएसटी कानून के तहत अधिसूचित वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार करने वाले सूक्ष्म, लघु, मध्यम और बड़े व्यापारियों के लिए जीएसटी पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। कानून का पालन अनिवार्य है।

राज्य सरकार यह संदेश देने के लिए आगे आई है कि इससे भविष्य में बिना किसी समस्या के व्यापार सुगम होगा। जीएसटी पंजीकरण से लघु उद्यमियों के लिए कर वापसी, बैंकिंग ऋण और अन्य सुविधाओं का लाभ बढ़ा है।

राज्य सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह लोगों को अभी जारी किए गए नोटिसों से घबराने की सलाह न दे और आने वाले दिनों में सुचारू और सुगम व्यापार पर ध्यान केंद्रित करे।

धर्मस्थल दफनाने के मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी में 20 पुलिसकर्मी तैनात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार द्वारा धर्मस्थल में सामूहिक दफनाने के आरोपों की जाँच के लिए विशेष जाँच दल (एसआईटी) के गठन के तीन दिन बाद बुधवार को, राज्य पुलिस प्रमुख ने प्रणब मोहंती के नेतृत्व वाली टीम की सहायता के लिए पश्चिमी रेंज की विभिन्न इकाइयों से 20 पुलिसकर्मियों को तैनात किया, साथ ही डीआईजी एम.एन. अनुचेथ, डीसीपी एस.के. सौम्यलता और जितेंद्र कुमार दयामा को भी तैनात किया। इस आदेश ने उन अफवाहों पर भी विराम लगा दिया कि एम.एन. अनुचेथ और सौम्यलता ने निजी कारणों का हवाला देते हुए जाँच से खुद को अलग कर लिया है। तैनात अधिकारियों में सी.ए.

साइमन एसपी, डीसीआरई, मेंगलूरु, लोकेश ए.सी. - डीएसपी, सीईएन पीएस, उडुपी, मंजूनाथ - डीएसपी, सीईएन पीएस, दक्षिण कन्नड़, मंजूनाथ - पीआई, सीएसपी, संपत ई.सी. - पीआई, सीएसपी कुसुमधर के. - पीआई, सीएसपी मंजूनाथ गौड़ा - पीआई सिरसी ग्रामीण, उत्तर कन्नड़, सविथ्रु तेज पी.डी. - सीपीआई, बिंदूर, उडुपी, कोकिला नायक - पीएसआई, सीएसपी वॉयलेट फेमिना - पीएसआई, सीएसपी शिव शंकर - पीएसआई, सीएसपी राज कुमार उक्कली - पीएसआई सिरसी एन.एम. पीएस, उत्तर कन्नड़ सुहास आर - पीएसआई (जांच), अंकोला पीएस, उत्तर कन्नड़, विनोद एस. कल्लप्पनवर एसआई (जांच), मुंडगोड पीएस, उत्तर कन्नड़ गुणपाल जे. - पीएसआई, मेस्कॉम, मेंगलूरु, सुभाष कामथ - एएसआई, उडुपी टाउन पीएस हरीश बाबू - सीएचसी, कौप पीएस, उडुपी, प्रकाश - सीएचसी, मालपे सर्कल कार्यालय, उडुपी, नागराज - सीएचसी, कुंडापुरा टाउन पीएस, उडुपी, देवराज - सीएचसी, एफएमएस, चिक्कमगलूरु शामिल है।

डीजी एवं आईजीपी एम.ए. सलीम ने संबंधित यूनिट अधिकारियों को इन कर्मियों को कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया है, जिनसे प्रणब मोहंती को रिपोर्ट करने की उम्मीद है। आईजीपी (पश्चिमी रेंज) को विशेष जाँच दल (एसआईटी) के लिए सभी प्रकार की रसद सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। एसआईटी ने दस्तावेज तैयार करने के बाद जाँच शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है और कार्ययोजना पर चर्चा के लिए जल्द ही टीम की एक बैठक आयोजित होने की उम्मीद है।

राज्य सरकार छोटे व्यापारियों से जबरन वसूली कर रही है क्योंकि खजाना खाली है: वी. सोमन्ना

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय जल शक्ति और रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि राज्य का खजाना खाली है, सबको पता है कि राज्य सरकार पैसों के लिए लोगों का कहाँ और कैसे शोषण कर रही है।

हाल ही में सरकार छोटे व्यापारियों से टैक्स वसूल कर गरीब व्यापारियों का शोषण कर रही है। सिद्धगंगा मठ के अध्यक्ष श्री सिद्धलिंग स्वामीजी के 63वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, मंत्री सोमन्ना और उनकी पत्नी शैलजा मठ पहुँचे और डॉ. श्री शिवकुमार स्वामीजी की गद्दी पर पूजा-अर्चना की और फिर श्री सिद्धलिंग स्वामीजी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

उन्होंने बार-बार कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया केंद्र सरकार द्वारा बकाया कर नहीं देने का आरोप लगा रहे हैं। लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि किस बारे में और कहाँ बात करनी है। सिद्धरामैया में जीएसटी बैठकों और प्रधानमंत्री की बैठकों में शामिल होने का शिष्टाचार नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री के बारे में हल्के में बात करने से सात करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री के रूप में उनका सम्मान नहीं बढ़ता। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया को अपना रवैया बदलना चाहिए। संसद सत्र में प्रश्न काल के बाद इस मुद्दे पर चर्चा करने का अवसर है। कांग्रेस द्वारा अनावश्यक रूप से चीजों को उलझाना उचित नहीं है। सिद्धगंगा मठ, भिक्षुओं सहित, समाज सेवा का कार्य कर रहा है। सोमन्ना ने कहा कि डॉ. श्री शिवकुमार स्वामीजी द्वारा सभी जातियों और वर्गों के गरीब और अत्यंत गरीब बच्चों को शिक्षा और भोजन प्रदान करने के संकल्प को श्री सिद्धलिंग स्वामीजी द्वारा जारी रखा जाना चाहिए, जिन्होंने कहा था कि उन बच्चों को भी समाज की मुख्यधारा में आना चाहिए।

11 अगस्त से विधानमंडल सत्र होगा शुरू

स्मार्ट मीटर घोटाला सदन में शोर मचाएगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक विधानसभा का सत्र 11 अगस्त से शुरू होगा। विपक्ष इस सत्र में सत्ताधारी दल पर हमला बोलने के लिए तैयार है। भाजपा के पास ढेरों हथियार हैं। लेकिन उत्सुकता इस बात की है कि वह इनका इस्तेमाल कैसे करेगी। सत्र 11 अगस्त को सुबह 11 बजे शुरू होगा। सत्ताधारी दल इस सत्र में कई विवादास्पद विधेयकों को लागू करने की योजना बना रहा है।

सरकार रोहित वेमुला, फर्जी खबरों और सांप्रदायिक भड़काऊ भाषणों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण विधेयकों को लागू करेगी। इसलिए सदन में इस पर बहस तेज होने की संभावना है। ग्रेटर बेंगलूरु एक्ट का विधानसभा में कड़ा विरोध होने की संभावना है। विपक्ष के नेता आर. अशोक पहले ही कह चुके हैं कि वह इस मुद्दे को सदन में उठाएंगे। तर्क यह है कि इस एक्ट के लागू होने से बेंगलूरु का विकास मंत्री के हाथों में केंद्रित हो जाएगा और निर्वाचित नगर निगमों की शक्ति कमजोर हो जाएगी। अशोक ने चिंता व्यक्त की है कि अगर बीबीएमपी का विभाजन हुआ, तो बेंगलूरु के पूर्वी हिस्से में गैर-कन्नड़ लोगों का प्रभाव बढ़ेगा, गैर-कन्नड़ लोगों के मेयर बनने की संभावना बढ़ेगी और कन्नड़ भाषा का अस्तित्व प्रभावित होगा। अगर बेंगलूरु का विभाजन हुआ, तो महादेवपुरा, के.आर. पुरम, हेब्बाल जैसे आईटी-बीटी क्षेत्र ज्यादा आय अर्जित कर सकते हैं और विकास कर सकते हैं। लेकिन भाजपा का तर्क है कि पश्चिमी हिस्से जैसे कम आय वाले इलाके विकास से वंचित रह सकते हैं। इसके अलावा, बीबीएमपी के निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 2020 में समाप्त हो रहा है और प्रशासन पिछले पाँच वर्षों से बिना निर्वाचित प्रतिनिधियों के चल रहा है। आरोप है कि इस अधिनियम के कार्यान्वयन का उद्देश्य चुनावों में और देरी करना है। इस संबंध में, भाजपा ने सदन में एक प्रस्ताव लाकर सरकार को आड़े हाथों लेने का फैसला किया है।

इस बार स्मार्ट मीटर घोटाला सदन में शोर मचाएगा। भाजपा पहले ही अदालत का दरवाजा खटखटा चुकी है। डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण और जद(एस) नेता निखिल कुमारस्वामी ने इस मुद्दे को उठाया है और सरकार को आड़े हाथों लिया है। स्मार्ट मीटर लगाने की लागत 900 से 7,000-8,000 प्रति मीटर तक होती है।

हालाँकि, कर्नाटक में, उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हीं मीटरों के लिए 8,510 से 17,000 प्रति मीटर तक शुल्क लिया जा रहा है। साथ ही, भाजपा ने आरोप लगाया है कि मीटर निविदा प्रक्रिया शुरू करने से कर्नाटक पारदर्शिता अधिनियम का उल्लंघन हुआ है। 200 करोड़ से अधिक के टेंडर के लिए वैश्विक निविदा आमंत्रित की जानी चाहिए थी। लेकिन यहाँ आरोप है कि 10,000 करोड़ से अधिक के ठेके अयोग्य कंपनियों को दे दिए गए। यह मुद्दा सदन में चर्चा के लिए आने की संभावना है। भाजपा ने तर्क दिया है कि कर्नाटक में कानून-व्यवस्था बिगड़ गई है। भाजपा ने इस मुद्दे को सदन में उठाकर सरकार पर हमला करने का फैसला किया है। भाजपा का तर्क है कि राज्य में हत्या, अत्याचार और अमानवीय कृत्य बढ़ रहे हैं और समाज में अराजकता का माहौल बन गया है।

दक्षिण कन्नड़ जैसे तटीय इलाकों में सांप्रदायिक संघर्ष बढ़ रहे हैं। अशरफ, सुहास शेट्टी और अब्दुल रहवान की हत्या हो चुकी है। साथ ही, साइबर अपराधों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेने की तैयारी कर रही है। भाजपा सदन में राज्य सरकार की गारंटी योजन-ाओं के क्रियान्वयन में आने वाले मुद्दों को भी उठाएगी। भाजपा का आरोप है कि गृहलक्ष्मी योजनाएँ लाभार्थियों तक समय पर नहीं पहुँच रही हैं। सदन में इस मुद्दे को उठाकर वह सत्ताधारी दल की फजीहत कराएगी। वह विकास परियोजनाओं में रुकावटों और विधायकों को धन की अनुपलब्धता जैसे मुद्दों को भी उठाएगी। इसके अलावा, कांग्रेस विधायक बी.आर. पाटिल द्वारा आवास विभाग पर लगाए गए आरोप भाजपा के शस्त्रागार में हथियार हैं।

अरिहंत का ध्यान करने से हमारी आत्मा अरिहंतमय बनेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें अपनी इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना चाहिए। पदार्थों की आसक्ति हमें कम करनी चाहिए। हमारी इन्द्रियां सुख सुविधाओं में आसक्त बनती है।

हमारी स्थिति ऐसी है कि सुविधाओं के प्रति राग हमें पूर्ण नहीं बनने देता है। हम अपूर्ण ही बने हुए हैं। हमें परमात्मा रूपी प्रीतम के प्रति राग रखना है। हमने नश्वर पति को सर्वस्व माना है। हमें प्रभु और अपनी आत्मा का रागी बनना है। हमें अपने आत्मा के शाश्वत गुणों का रागी बनना है। संसार के प्रति राग हमें भव भव में जलाने वाली है। यह राग स्वार्थ को लेकर है। हमारी इन्द्रियां मन के आदेश से कार्य करते हुए हमें राग द्वेष में डुबाने का कार्य कर रही है। संसार के विषय कषाय की आग हमें जलाकर रख देगी। हमें अपनी आत्मा के गुणों का ध्यान करना है। अरिहंत का ध्यान करते करते हमारी आत्मा अरिहंतमय बन जाती है। प्रभु के प्रति चित्त की एकाग्रता से ही हमारी आत्मा प्रभुमय बन सकती है। हमारी आत्मा की अरिहंतमय बनने की पात्रता भी है, जरुरत तो सिर्फ एकाग्र बनने की है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कन्नड़ फिल्मों के प्रख्यात अभिनेता उमेश बणकार ने बुधवार को राजाजीनगर स्थित खिवेंसरा भवन में चातुर्मास विराजित आचार्यदेव श्रीमद विजय देवेन्द्रसागरसूरीश्वरजी के दर्शन वंदन किए। आचार्य देव का दर्शन कर बणकार ने हर्षोचित भाव में कहा कि पहले भी आचार्य देव का दर्शन किया था जो मन में पूर्ण शांति पाकर धन्य हुआ था।*

खादरी से मुलाकात कर किया सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हुब्बल्ली इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक आजम पीर खादरी से उनके कार्यालय में कर्नाटक यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के कार्यकारी समिति सदस्य एवं वरिष्ठ पत्रकार गणपति गंगोली तथा समर्पण सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र डंक ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर खादरी का सम्मान किया तथा विद्युत विभाग से जुड़े विभिन्न जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही, नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने हेतु समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध भी किया।

तटीय कर्नाटक में 27 जुलाई तक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र बेंगलूरु ने 27 जुलाई तक तटीय कर्नाटक में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। अरब सागर में भी तेज हवाएँ चलने की संभावना है, जिससे समुद्र में उथल-पुथल मच सकती है। अधिकारियों ने जनता, पर्यटकों और मछुआरों से नदियों, जलाशयों और समुद्र से दूर रहने का आग्रह किया है। लोगों, खासकर बच्चों और कामगारों को सलाह दी गई है कि वे बारिश, तेज हवाओं या बिजली गिरने के दौरान बाहर न निकलें और सुरक्षित इमारतों में शरण लें। किसानों को भी ऐसे मौसम में बाहरी कृषि गतिविधियों से बचने की सलाह दी गई है। जनता को खतरनाक पेड़ों या बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचने और टूटी हुई बिजली की लाइनों से दूर रहने की चेतावनी दी गई है। लोगों को कमजोर या पुरानी इमारतों और पेड़ों से भी बचना चाहिए। इमारतों के ऊपर लगी खतरनाक शाखाओं या लताओं को नुकसान से बचाने के लिए पहले ही हटा देना चाहिए।

कुछ क्षेत्रों में भूस्खलन की संभावना है, और ऐसे क्षेत्रों के निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे स्थानीय तहसीलदार या ग्राम पंचायत अधिकारियों से संपर्क करें और पहले से ही निकटतम राहत केंद्रों में शरण लें।

प्रभु की स्तुति करने से कर्मों की होती है निर्जरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रभु की स्तुति करने से कर्मों की निर्जरा होती है। स्तुति करने से प्रभु के गुणों से साक्षात्कार होता है, हृदय में शुद्धि की अनुभूति होती है। यह जीव अनंत काल से नरक और निगोद में भटकता हुआ मनुष्य भव में आया है। यहां पिछली सारी दुर्दशा को भूलकर अभिमान में जी रहा है। महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में उपरोक्त उद्बोधन करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि मृत्यु सभी अभिमान तोड़ देती है। शरीर मिट्टी है और मिट्टी में मिलना नियति है तो गर्मी किस बात की। इससे पूर्व प्रवचन में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि प्रभु की वाणी हमे पाप और कल्याण के मार्ग का बोध देती है। हम सही मार्ग चुने और चल पड़ें। एक कुशल बल्लेबाज की तरह हर अवसर का उपयोग करें और सद्गति का मार्ग प्रशस्त करें। श्रद्धा से सुना प्रत्येक शब्द मंत्र बन सकता है। मुंह में भोजन के पहले कान को भोजन दें। बहाने बाज नहीं बने। प्रभु के वचन सुने और आचरण में लाएं। प्रवचन सभा में पाली जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री प्रेमराज गांधी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। सभा का संचालन मंत्री अभय कुमार बांठिया ने किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया। अनेक श्रावक श्राविकाओं ने तप का संकल्प लिया। संघ की ओर से उनका सम्मान किया गया।

विपक्षी विधायकों को भी अनुदान मिले: अरगा ज्ञानेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पूर्व मंत्री अरगा ज्ञानेंद्र ने मांग की है कि सत्तारूढ़ दल की तर्ज पर विपक्षी विधायकों को भी विकास अनुदान दिया जाए। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने एक सवाल का जवाब दिया।

बजट का आकार सिर्फ कर्ज लेने के लिए बढ़ाया गया है। उनके पास पैसे नहीं हैं। वे कह रहे हैं कि वे सिर्फ सत्तारूढ़ दल के विधायकों को ही अनुदान देंगे। यह उनके घर का पैसा नहीं है। यह जनता के टैक्स का पैसा है। राज्य के विकास को देखते हुए, न सिर्फ सत्तारूढ़ दल को, बल्कि विपक्ष को भी अनुदान देना जरूरी है।

यह दिया जाना चाहिए। हमें उम्मीद है कि यह दिया जा सकता है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वे धर्मस्थल के संबंध में एसआईटी के गठन का स्वागत करते हैं। निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए।

जो हुआ उसकी सच्चाई सामने आनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इसके पीछे जो लोग हैं, वे खुद ही यह मान रहे हैं कि वे ही दोषी हैं।

हिंदुओं के आस्था के केंद्र धर्मस्थल में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं। ऐसा लगता है कि इसे बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

कुलूर पुल पर चल रही मरम्मत के कारण भारी यातायात अवरोध

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर केआईओसीएल जंक्शन और कुलूर आर्च ब्रिज के बीच चल रहे सड़क मरम्मत कार्य के कारण वाहनों की आवाजाही बुरी तरह बाधित हो गई है। इस स्थिति के कारण पनम्बूर-कोटारा खंड पर भारी जाम लग गया है और अब बैकमपडी तक जाम की स्थिति बन गई है। तत्काल मरम्मत कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 22 जुलाई की रात 8 बजे से 25 जुलाई की सुबह 8 बजे तक इस खंड पर यातायात पूरी तरह से स्थगित करने की घोषणा की थी। पिछले अस्थायी उपायों के बावजूद, लगातार बारिश के कारण सड़क

की हालत खराब होती जा रही है, जिससे पारंपरिक डामरीकरण संभव नहीं हो पा रहा है। इसके समाधान के तौर पर, एनएचएआई अब पेवर ब्लॉक की मरम्मत का काम कर रहा है। स्थिति को देखते हुए, मेंगलूरु शहर पुलिस ने यात्रियों के लिए यातायात परामर्श जारी किया है। मरम्मत के दौरान, नया कुलूर पुल मेंगलूरु से उडुपी की ओर जाने वाले वाहनों के लिए दो-तरफा सड़क के रूप में काम करेगा। मोटर चालकों को सलाह दी गई है कि वे मरम्मत कार्यों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने और वाहनों की सुचारू आवाजाही बनाए रखने के लिए वैकल्पिक मार्गों का अनुसरण करें और संशोधित यातायात व्यवस्था में सहयोग करें।

शनि और राहु ग्रह से खतरनाक है पूर्वग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिकपेट श्रीसंघ में विराजित परम पूज्य मुनिराज श्रीआर्यशेखरविजयजी ने कहा कि पूरा जगत कर्माधिन है। यह बात जिसके ध्यान में आती है वह दुख में कभी दिन नहीं होगा। सूख में कभी लिन नहीं होगा। हमेशा रात के बाद सवेरा होता है। दुख के बाद सुख आने ही वाला है। शनि और राहु ग्रह जितने खतरनाक हैं उससे भी ज्यादा खतरनाक है पूर्वग्रह। जब तक कर्म है तब तक सामने वाले को हमारे प्रति सद्भावना नहीं होती और जैसे कर्म दूर होता है सामने वाला अनुकूल अपने आप हो जाता है। सती स्त्री कैसी गुणवान होती है। अंजना के महल में अपने स्वामी के अतिरिक्त किसी भी पुरुष को संध्या के बाद प्रवेश नहीं था। स्वजन का साथ संगाथ इंद्रधनुष

जैसा होता है। कुछ ही समय के बाद विलीन हो जाता है। दुःख जब दूर होने वाले हैं तब ज्यादा पराकाष्ठा पर होता है। शरीर को संभालने के लिए डॉक्टर चाहिए। सुविधा पाने के लिए नौकर चाहिए। संपति को संभालने के लिए लॉकर चाहिए। अग्नि का स्वभाव जलाने का होता है। बर्फ का स्वभाव ठंडक देने का होता है। देव गुरु का स्वभाव जीव को तारने का होता है।

बिकलू शिवा हत्याकांड मामले में बसवराज दूसरी बार पूछताछ के लिए पेश हुए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राउडी शिवप्रकाश उर्फ बिकलू शिवा हत्याकांड में आरोपों का सामना कर रहे विधायक बसवराज बुधवार को भारतीनगर पुलिस स्टेशन में जाँच अधिकारियों के सामने पेश हुए।

जाँच अधिकारी, एसीपी ने सुबह बसवराज से पूछताछ की और मामले से जुड़ी कुछ जानकारी हासिल की। जब बसवराज पिछले शनिवार को इस मामले में थाने में पेश हुए थे, तब उनसे लगातार 3 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की गई थी। उन्हें दूसरी बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था, इसलिए वे दूसरी बार पेश हुए। इस मामले में पहले ही 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी पुलिस हर एक से उनकी भूमिका के बारे में सटीक जानकारी जुटा रही है।

प्रभु की वाणी अमृत समान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यलहंका में विराजित पुण्य गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी ने प्रभु महावीर की भव्य वाणी का आस्वादन कराया और मोक्ष जाने से पूर्व जो अंतिम देशना दी उस पर चिंतन मनन कराया। उन्होंने कहा प्रभु की वाणी अमृत समान हैं, परंतु बड़े बुजुर्ग और ज्ञानियों की बातें भी बहुत काम की हो सकती है। मारवाड़ के संत श्री रावतमल जी नागौर जिले में खूब प्रभावी थे, बहुत से भजन लिखे, और सरल आत्मा भी थे। उन्होंने अधिकतर ममता राग पर ऐसे ही विषयों पर भजन लिखे।

हमारे संत भगवंत कहते हैं कि हमें भारत देश में जन्म मिला, आर्य संस्कृति मिली, जैन धर्म मिला, गुरु भगवंत मिले, गुरु वाणी मिली, इससे सर्वश्रेष्ठ संयोग मिल ही नहीं सकता। करोड़ों की पूंजी होकर भी अगर धर्म साथ ना हो तो आपका जीवन सुना ही रहता है। धन दौलत देखकर बड़े-बड़े साहूकार की भी नियति डोल सकती है, जो धर्म के साथ रहता हैं वह हर हाल में अडिग रहता है।

प्रभु कहते हैं सुख में भगवान का सुमिरन करने से श्रेष्ठ होता है सिर्फ दुख में ही सुमिरन क्यों करना? चाहे सामने वाला कितना ही अपशब्द कहे गाली गलौज करें आपको धीरज रखकर सौम्य भाव से परिस्थिति को संभालना चाहिए। उपाध्याय श्री केवलमुनि जी की जन्म जयंती पर उन्हें याद किया गया।

पूज्य केवल मुनि जी ने 11 वर्ष की छोटी सी उम्र में ब्यावर में दीक्षा ग्रहण की। प्रखर वाणी, श्रेष्ठ वक्ता, उच्च लेखक, अच्छे संगीत के ज्ञाता और दयालु स्वभाव, ऐसे महान गुणी संत थे।

वे श्री जैन दिवाकर चौथमल जी के सुशिष्य थे। पूज्य चौथमल जी महाराज के प्रताप से ही पाली और जोधपुर में पर्युषण के 9 दिन बाजार पूरी तरह से बंद रहता है। आचार्य श्री हस्तीमल जी के प्रभाव से बालोतरा में भी नौ दिन पूर्णतया बाजार बंद रहता है। तीन संतों को उपाध्याय केवल मुनि जी अपना आदर्श मानते थे, वे जैन दिवाकर चौथमल जी, राष्ट्र संत पूज्य श्री जवाहरलाल जी और आचार्य श्री हस्तीमल जी महाराज साहब थे। केवल मुनि जी महाराज साहब ने पूरे भारत में हजारों किलोमीटर का विहार किया और खूब जैन धर्म का प्रचार किया।

सभा का संचालन करते हुए महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने बताया कि आगामी रविवार को आचार्य सम्राट आनंद जी की जन्म जयंती मनाई जाएगी।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

प. बंगाल से अंधाधुंध हो रही लड़कियों की तस्करी

मानव तस्करों से बचाई गईं 56 लड़कियां

जीआरपी और आरपीएफ की कामयाब कार्रवाई

कोलकाता, 23 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर रेलवे के जीआरपी और आरपीएफ ने उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी में मानव तस्करी की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) रेलवे स्टेशन पर सोमवार रात एक संयुक्त कार्रवाई में 56 युवतियों को मानव तस्करी से बचाया। इन सभी को पटना जा रही कैपिटल एक्सप्रेस ट्रेन से रेस्क्यू किया गया। इस मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जिन लड़कियों को ले जाया जा रहा था, उनकी उम्र 18 से 31 साल के बीच है बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक सभी युवतियां पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और अलीपुरद्वार जिलों की रहने वाली बताई जा रही हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने इसकी पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक इन युवतियों से बेंगलुरु की एक कंपनी में नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया था। लेकिन सभी को को ट्रेन से बिहार ले जाया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि जब रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मियों ने इतनी सारी लड़कियों को ट्रेन में एक साथ सफर देखा तो शक हुआ। उन्होंने लड़कियों से टिकट मांगा तो किसी के पास पास टिकट नहीं था। उनके हाथ पर केवल कोच और सीट नंबर की मुहर लगी हुई थी।

पुलिस ने लड़कियों को ले जा रही महिला और उसके साथी युवक से पूछताछ की तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। यह कार्रवाई ट्रेन संख्या 13245 डाउन में की गई, जिसमें जीतेन्द्र कुमार पासवान और चंद्रिमा कर नामक दो संदिग्धों को अलग-अलग कोचों से पकड़ा गया। दोनों की पहचान सिलीगुड़ी निवासी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने दावा किया कि वे इन लड़कियों को बेंगलुरु में मोटर पार्ट्स और आईफोन कंपनी में नौकरी दिलाने के लिए ले जा रहे थे। लेकिन जब लड़कियों और उनके माता-पिता से पूछताछ की गई तो पाया गया कि उन्हें झूठे वादों के जरिए बहलाया-फुसलाया गया था। उनके पास किसी भी प्रकार का रोजगार दस्तावेज नहीं था, न ही वे अपने यात्रा विवरण के बारे में कुछ जानती थीं। लड़कियों के हाथों पर स्याही से कोच और बर्थ नंबर तक लिखे गए थे। तस्करों के पास से बरामद सामान के साथ दोनों आरोपियों को पुलिस को सौंप दिया गया, और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। सभी 56 युवतियों को आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया।

21 दिनों में अमरनाथ पहुंचे साढ़े तीन लाख श्रद्धालु

जम्मू, 23 जुलाई (ब्यूरो)। इस बार अमरनाथ यात्रा के आरंभ होने के मात्र 8 दिन में ही अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग पिघल गया पर हिमलिंग के पिघलने के बावजूद आस्था कायम है। कई वर्षों से यात्रा के पहले सप्ताह में हिमलिंग के पिघल जाने के बावजूद भक्तों में आस्था का उत्साह बना रहता है और यात्रा जारी रहती है।

इसी उत्साह और आस्था का परिणाम है कि हिमलिंग के पिघल जाने के बावजूद 21 दिनों में यात्रा में शिरकत करने वालों ने साढ़े तीन लाख के आंकड़े को पार कर लिया। इस बार यात्रा शुरू होने से पहले बाबा बर्फानी का आकार करीब 22 फीट था। एक सप्ताह बाद ही यह पूरी तरह से पिघल गया। हिमलिंग के पिघलने के बाद यात्रा में 2 लाख से अधिक श्रद्धालु शामिल हो चुके हैं। अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने हिमलिंग को पिघलने से रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। पहले हेलीकॉप्टर पवित्र गुफा के बाहर कुछ दूरी पर उतरता था। उस समय यह कहा गया कि इसी कारण हिमलिंग जल्द पिघल जाता है। इसके बाद श्राइन बोर्ड ने हेलीकाप्टर को पवित्र गुफा से पांच किमी दूर पंजतरणी में उतारना शुरू किया और इस बार इस सेवा को स्थगित कर दिए जाने के बावजूद हिमलिंग को पिघलने से नहीं बचाया जा सका।

बिहार की पथ निर्माण योजनाओं को मिली नयी गति

खगड़िया और मोतिहारी की तीन सड़कों का होगा चौड़ीकरण

पटना, 23 जुलाई (ब्यूरो)। बिहार सरकार ने खगड़िया, मोतिहारी की तीन सड़कों के चौड़ीकरण के लिए 66.02 करोड़ की स्वीकृति दी है। इस बात की जानकारी उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दी है। उन्होंने कहा कि ङबिहार की सड़कों को मजबूत और व्यापक बनाने की नीति के तहत खगड़िया और मोतिहारी जिले की तीन सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए कुल 66.02 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना के अंतर्गत कार्य प्रमण्डल, खगड़िया के अधीन ङबखरी पीडब्ल्यूडी पथ खगरी तिरासी घाट से तिरासी टोलाङ योजना के अंतर्गत कुल 0.797 कि.मी. लंबे पथ एवं 222.75 मीटर लंबे हाई लेवल ब्रिज (924.75) के निर्माण तथा पंचवर्षीय अनुरक्षण हेतु 17.64 करोड़ की पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति दी है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि मोतिहारी जिले में दो प्रमुख योजनाओं को स्वीकृति दी गई है।

इसमें पथ प्रमण्डल ढाका के अंतर्गत भंडार-भकुरहिया पथ (0.00 किमी से 6.05 किमी) के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य हेतु 19.14 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। सम्राट चौधरी ने बताया कि ङमोतिहारी-तुरकौलिया-गोविन्दगंज पथ के 28वें से 30वें कि.मी. तक अरेराज बाजार भाग के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण हेतु 29.24 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि पथ निर्माण की इन योजनाओं से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवागमन सरल होगा, जिससे सामाजिक और आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

घाटी में फिर शुरू हो गई फिल्मों की शूटिंग

सुरक्षा कारणों से कुछ लोकेशन अभी भी बंद

जम्मू, 23 जुलाई (ब्यूरो)। पहलगाम हमले की त्रासद घटना के बाद कश्मीर वादी में छाया मरघटी सन्नाटा धीरे-धीरे दूर होने लगा है। तीन महीने बाद सुरम्य घाटी में फिल्मों की शूटिंग भी शुरू हो गई है। सुरक्षा कारणों से कई पर्यटन स्थलों के अभी भी बंद रहने के कारण पर्यटन में बाधा आ रही है।

पहलगाम हमले के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए 48 पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया था। पहलगाम, श्रीनगर और गुलमर्ग को फिर से खोल दिया गया, लेकिन दूधपत्री, यूसमर्ग जैसे प्रमुख स्थलों और कई अनजान जगहों पर अभी भी पर्यटन की अनुमति नहीं है। पहलगाम हमले के चलते अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म वेलकम-3 और कई अन्य फिल्मों की कश्मीर में होने वाली शूटिंग स्थगित कर दी गई।

80 के दशक में बालीवुड अभिनेताओं और निर्माताओं के लिए पसंदीदा जगह रहे कश्मीर में फिल्म शूटिंग की वापसी हुई, लेकिन कश्मीर में आतंकी घटनाओं में वृद्धि ने इस उद्योग पर पर्दा डाल दिया और स्थानीय सिनेमाघर और थिएटर भी बंद हो गए। ये थिएटर अब शापिंग माल या सुरक्षा बलों के कैंप में तब्दील हो गए हैं। अनुच्छेद 370 हटने के बाद, 2021 में फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों को कश्मीर में शूटिंग के लिए आकर्षित करने के लिए उपराज्यपाल प्रशासन ने फिल्म नीति शुरू की थी। इसके बाद प्रमुख अभिनेताओं ने फिल्म, विज्ञापन, गीत और यूट्यूब वीडियो की शूटिंग की थी।

कश्मीर के लाइन प्रोड्यूसर्स और फिल्म निर्माताओं का कहना है कि कुछ प्रोडक्शन हाउस ने शूटिंग फिर से शुरू कर दी है क्योंकि बालीवुड से लेकर टालीवुड तक के उनकी टीम ने गुलमर्ग, श्रीनगर और पहलगाम में कुछ स्काउटिंग और शूटिंग की है। जाने-माने कश्मीरी फिल्म निर्माता जावेद गोरा ने बताया कि साउथ सिनेमा के एक प्रोडक्शन हाउस ने हाल ही में श्रीनगर और गुलमर्ग में एक फिल्म के कुछ सीन्स की शूटिंग की है।

यह शूटिंग पहलगाम हमले के बाद तीन महीने के ब्रेक के बाद हुई है। वे कहते हैं, यह बहुत कम है, लेकिन हमें उम्मीद है कि अमरनाथ यात्रा संपन्न होने के बाद शूटिंग में तेजी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अनुमति संबंधी प्रतिबंध शूटिंग में बाधा डाल रहे हैं, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि अमरनाथ यात्रा के बाद ये प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे।

पहलगाम हमले से एक हफ्ते पहले बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी की थ्रिलर फिल्म ग्राउंड जीरो का प्रीमियर श्रीनगर में हुआ था। पिछले हफ्ते, बालीवुड निर्देशक दानिश रेंजू और उनकी टीम ने श्रीनगर में शूटिंग की। पहलगाम हमले के बाद फिर से शुरू हुई कुछ शूटिंग में से यह एक थी।

शूटिंग क्रू के आने से इंडस्ट्री से जुड़े लोगों में आशा की किरण जगी है। लाइन प्रोड्यूसर इरशाद बशीर बताते हैं कि आने वाले महीनों में फिल्म की शूटिंग में तेजी आएगी। एक मशहूर प्रोडक्शन हाउस की एक क्रू मेंबर ने शूटिंग के लिए गुलमर्ग में रेकी की है। कुछ और क्रू भी आ रहे हैं और कश्मीर के इलाकों की खोज कर रहे हैं।

क्रू मेंबर दूधपत्थरी (बडगाम) की रेकी करना चाहते थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसे स्थगित करना पड़ा। उम्मीद है कि अमरनाथ यात्रा पूरी होने के बाद प्रशासन द्वारा उस स्थान को खोल दिया जाएगा।

बिहार में भीषण सड़क हादसा : दो वाहनों की टक्कर में पिता-पुत्र सहित तीन लोग जिंदा जले

वैशाली, 23 जुलाई (ब्यूरो)। वैशाली में दर्दनाक हादसा हुआ है। इस घटना में हाइवा और ट्रक की आमने सामने टक्कर हुई है। दोनों वाहनों की टक्कर होते ही अचानक ट्रक में भीषण आग लग गई। इस घटना में आग में जलकर ट्रक चालक पिता पुत्र एवं हाइवा चालक की मौत हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार, एसडीओ रामबाबू बैठा,सदर थाना अध्यक्ष सहित पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई में जुट गए। घटना की जानकारी मिलते ही पांच दमकल कर्मी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गए। मृतक ट्रक चालक सारण जिले के नया गांव डुमरी बुर्जुर्ग निवासी कन्हाई राय के पुत्र इंद्रदेव राय (41) एवं उनके पुत्र ऋतिक कुमार थे। इसके साथ ही हाईवे चालक की भी मौत हो गई, जिसके शव की पहचान नहीं हो पाई है।

घटना के संबंध में आसपास के लोगों ने बताया कि हाजीपुर की तरफ से बालू लोड कर हाईवा लेकर चालक महुआ की तरफ जा रहा था। इसी दौरान महुआ की रानी पोखर से गेहूं खाली करके ट्रक लेकर चालक हाजीपुर की तरफ आ रहा था। इसी दौरान ट्रक और हाईवे अनियंत्रित होकर रंगीला चौक के निकट टकराने से ट्रक में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोग जुट गए।

स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी सदर थाना क्षेत्र की पुलिस एवं दमकल कर्मियों को दी। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना की पुलिस एवं दमकल कर्मी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गए।

घटना के बाद दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। हालांकि पुलिस पदाधिकारी के द्वारा कुछ ही देर में जाम को समाप्त करा दिया। घटना की जानकारी मिलते ही हाजीपुर से चार दमकल की टीम घटनास्थल पर पहुंची। प्रचंड आग को देखते हुए एक अग्निशमन की गाड़ी महुआ से बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दोनों क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क पर से हटाया गया। इस संबंध में सदर एसडीओ राम बाबू बैठा ने बताया है कि दो वाहनों की टक्कर हुई है, जिसमें तीन लोगों की मौत की बात आ रही है। तमाम पुलिस पदाधिकारी एवं अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जदयू सांसद गिरधारी यादव का मतदाता सूची पुनरीक्षण पर कड़ा हमला

चुनाव आयोग को व्यावहारिक ज्ञान नहीं

पटना/नई दिल्ली, 23 जुलाई (ब्यूरो)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासत तेज हो गई है। जदयू सांसद गिरधारी यादव ने इस प्रक्रिया पर तीखा हमला बोलते हुए चुनाव आयोग की मंशा और तैयारी पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग को न तो बिहार का इतिहास पता है और न ही भौगोलिक परिस्थितियों की जानकारी।

दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान गिरधारी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को कोई व्यावहारिक ज्ञान नहीं है। यह लोग बिहार का इतिहास और भूगोल नहीं जानते। मुझे खुद जरूरी दस्तावेज जुटाने में 10 दिन लग गए। मेरा बेटा अमेरिका में रहता है, वह दस्तखत कैसे भेजेगा? एक महीने में सब कैसे होगा?

सांसद गिरधारी यादव ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया आम लोगों की जमीनी हकीकत को नजरअंदाज कर थोप दी गई है। उनका कहना है कि ऐसे गंभीर कार्य के लिए कम से कम छह महीने का समय दिया जाना चाहिए था। गिरधारी यादव ने यह भी स्पष्ट किया कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है, चाहे उनकी पार्टी कुछ भी कहे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर मैं सच नहीं बोल सकता, तो फिर मैं सांसद क्यों बना? यह सच्चाई है और इसे छिपाया नहीं जा सकता। चुनाव आयोग की यह जल्दबाजी लोकतंत्र के लिए घातक है।

जदयू सांसद की बात को सही बताते हुए कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी डखठ प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा कौन-सा तरीका या फॉर्मूला है जिससे आयोग इतनी बड़ी प्रक्रिया को सिर्फ एक महीने में पूरा कर पा रहा है। उन्होंने इसे संदेहास्पद करार देते हुए कहा कि लगता है कि यह सब आदिवासी, दलित, पिछड़े वर्ग और मुस्लिमों के मतदाता सूची से नाम हटाने की सोची-समझी साजिश है। इमरान मसूद ने कहा कि कुछ ताकतें इस देश को उस दिशा में ले जाना चाहती हैं, जहां 10% लोग शासक हों और 90% लोग गुलाम बना दिए जाएं। लेकिन हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए अंतिम दम तक लड़ेंगे।

सीवान में फर्जी सिपाही गिरफ्तार

सीवान, 23 जुलाई (ब्यूरो)। सीवान जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक फर्जी सिपाही बनकर पुलिस लाइन पहुंच गया और दूसरे के नाम पर ड्यूटी ज्वाइन करने की कोशिश की। हालांकि वह अधिकारियों की सतर्कता के चलते मौके पर ही पकड़ लिया गया। मामले ने पुलिस विभाग की सुरक्षा और सत्यापन प्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, यह घटना सोमवार की बताई जा रही है जब सीवान पुलिस लाइन में पीटी परेड आयोजित की गई थी। इस परेड में कुल 256 सिपाहियों को पदभार ग्रहण करना था, लेकिन गिनती के दौरान एक व्यक्ति अतिरिक्त पाया गया। जब अधिकारियों ने दोबारा सत्यापन कराया तो मामला संदिग्ध निकला और फर्जी तरीके से शामिल हुए सिपाही को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, युवक सिपाही की पूरी वर्दी पहनकर अन्य चयनित सिपाहियों की कतार में खड़ा हो गया था और किसी अन्य अभ्यर्थी के नाम पर जॉइनिंग लेटर लेकर ड्यूटी जॉइन करने पहुंचा था। प्रारंभिक तौर पर किसी को उस पर शक नहीं हुआ, लेकिन जब सभी सिपाहियों की दोबारा गिनती की गई तो कुल संख्या 257 निकली, जबकि दस्तावेजों में केवल 256 सिपाहियों की उपस्थिति होनी थी।

बाल विवाह का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

32 साल के युवक से शादी के बाद मां-बाप और ससुराल पक्ष पर केस

पटना, 23 जुलाई (ब्यूरो)। राजधानी पटना से सटे नौबतपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग लड़की की जबरन कराई गई शादी अब पूरे राज्य में चर्चा का विषय बन चुकी है। मामला अब सुप्रीम कोर्ट की चौखट तक पहुंच चुका है, जहां लड़की ने अपनी शादी को रद्द करने की अपील कर कहा है कि उसकी उम्र मात्र 16 वर्ष है और उसकी जबरन शादी एक 32 वर्षीय युवक से कर दी गई।

इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और बिहार पुलिस को नोटिस जारी किया है। साथ ही लड़की और उसके साथ मौजूद युवक को सुरक्षा देने का निर्देश भी दिया है। कोर्ट के निर्देश के बाद फुलवारी शरीफ डीएसपी 2 दीपक कुमार ने बताया कि नौबतपुर थाना के पिपलावा गांव में नाबालिग की शादी को लेकर बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत लड़की और लड़के के माता-पिता तथा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

नाबालिग लड़की के माता-पिता का कहना है कि उनकी बेटी बीमार थी, इसलिए उन्होंने उसकी शादी 16 वर्ष की उम्र में कर दी। लेकिन अब जब मामला सामने आया है और कोर्ट में लड़की ने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई है, तो उन्हें भी पुलिस जांच का सामना करना पड़ रहा है।

लड़की ने अपनी याचिका में बताया कि नौ दिसंबर 2024 को उसकी शादी जबरन कराई गई थी। शादी के बाद से ही उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। वह पढ़ाई करना चाहती है और अपने जीवन को अपने तरीके से जीना चाहती है।

अपने बयान में लड़की ने यह भी कहा कि वह अब ससुराल नहीं लौटना चाहती, क्योंकि वहां के हालात उसे प्रताड़ित करने वाले हैं। लड़की के मुताबिक, वह 31 मार्च को अपने दोस्त सौरभ के साथ घर से भाग निकली, जिसने उसकी बहुत मदद की।

लड़की का कहना है कि सौरभ ने उसे किसी भी तरह से बहकाया नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में साथ खड़ा रहा।

लड़की की मां द्वारा पटना के एक थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था, जिसे लड़की ने झूठ और दबाव में दर्ज कराया गया बताया। उसने कोर्ट में कहा कि परिवार उसे जबरन वापस ससुराल भेजना चाहता है और यह अपहरण का मामला उसी दबाव का हिस्सा है।

यूपी में बिजली के निजीकरण पर आमादा यूपी सरकार

पूंजीपतियों का हित साधने में है सत्ता का हित

सूफी यायावर
लखनऊ, 23 जुलाई।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार बिजली विभाग पर निजीकरण का बुलडोजर चलाने की ठान चुकी है। बिजली कर्मचारियों के व्यापक विरोध प्रदर्शन के बावजूद योगी सरकार पूंजीपतियों के हक में अपने अटल इरादे को जाहिर कर चुकी है। इसके लिए योगी सरकार एस्मा जैसे कानून का डंडा और निलम्बन और बर्खास्तगी जैसे हथकंडे इस्तेमाल करने के लिए तैयार बैठी है। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसी-एल) दो प्रमुख बिजली वितरण निगमों (डिस्कॉम), दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम (आगरा) और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम (वाराणसी) का निजीकरण करने जा रही है। योगी सरकार की मंज़ूरी के बाद ऊर्जा विभाग ने यूपी पावर कारपोरेशन लिमिटेड को इस योजना को लागू करने के लिए आदेश जारी कर दिया है। यह निर्णय उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों को प्रभावित करेगा।

इतना ही नहीं, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण और शहरी इलाकों में बिजली की दरों में 40-45 प्रतिशत वृद्धि का फैसला लिया गया है। इस बढ़ोत्तरी के बाद बिजली जैसी बुनियादी जरूरत की चीजों का इस्तेमाल करना भी लोगों के लिए मुश्किल हो जाएगा। जाहिर है कि बिजली की दरों के बढ़ने से मंहगाई में भी बढ़ोत्तरी होगी क्योंकि जिन वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में बिजली का इस्तेमाल होता है, उनकी लागत तत्काल बढ़ जाएगी। कुल मिलाकर कहा जाए तो एक तरफ निजीकरण की मार और दूसरी ओर बिजली की बढ़ी हुई दरों के वार से उत्तर प्रदेश की योगी सरकार आम जनता पर दोहरा हमला कर रही है।

वास्तव में आज के समय में बिजली हर इन्सान की ऐसी बुनियादी जरूरत बन चुकी है, जिसके बगैर किसी की भी पूरी दिनचर्या ही अस्त-व्यस्त हो जाएगी। जाहिर है कि वर्तमान समय में जीवन की जरूरतों का स्तर ऐसा है कि अब ढिबरी और लालटेन पर वापस नहीं लौटा जा सकता। हां, यह बात अलग है कि मोदी सरकार के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण की घोषणा के बावजूद अभी भी ढिबरी और लालटेन की बाध्यता बनी हुई है। 24 घंटे बिजली की आपूर्ति के लिए सौभाग्य योजना शुरू की गई लेकिन अभी भी बहुत से इलाकों में 12 घंटे भी बिजली न मिल पाने का दुर्भाग्य बना हुआ है! यानी अभी हर घर तक सुचारू रूप से 24 घंटे निर्बाध बिजली की आपूर्ति भी सम्भव नहीं हुई थी कि सरकार ने बिजली का निजीकरण जनता पर थोप दिया। स्पष्ट है कि बिजली का निजीकरण मुट्ठी भर पूंजीपतियों के मुनाफे की हवस को पूरा करने के लिए किया जा रहा है और आम मेहनतकश आबादी पर इसका बहुत बुरा असर पड़ेगा।

जनता केवल वोट दे, बदले में केवल चोट ले

निजीकरण के इस निर्णय को लागू करने के मामले में कारपोरेशन बहुत जल्दी में है और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम (आगरा) और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम (वाराणसी) को औने-पौने दामों में निपटा देना चाहता है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि कारपोरेशन प्रबंधन जिस टीए कम्पनी से निजीकरण का प्रस्ताव तैयार करा रहा है, वह अमेरिका में जुर्माने की दोषी है और उसे असंवैधानिक तरीके से नियुक्त किया गया है। पूर्वांचल और दक्षिणांचल को समाप्त करके पांच नई कम्पनियां बनाई गई हैं। लेकिन पूर्वांचल और दक्षिणांचल के इक्विटी शेयर कैपिटल को कम करके आंका गया है। 6000 से 7000 इक्विटी शेयर कैपिटल मानकर दोनों बिजली कम्पनियों में प्रस्तावित पांच नई बिजली कम्पनियों की कुल रिजर्व बिड प्राइस को दो हजार करोड़ से नीचे रखा गया है ताकि आसानी से कारपोरेशन प्रबंधन की मनचाही कम्पनियों को टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा लेने का मौका मिल जाए। जबकि दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम की इक्विटी शेयर कैपिटल 25862 करोड़ और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम की इक्विटी शेयर कैपिटल 28024 करोड़ है। दोनों की इक्विटी शेयर कैपिटल 53886 करोड़ है।

सरकार और कारपोरेशन का निजीकरण के पक्ष में कहना है कि ये दोनों बिजली वितरण निगम वर्षों से घाटे में चल रही थीं जिसका सीधा असर न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा था बल्कि उपभोक्ताओं को भी अनियमित आपूर्ति, बिलिंग समस्याओं और सेवा की गुणवत्ता में कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। सरकार का कहना है कि निजीकरण से ये सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी और इसका सबसे ज्यादा लाभ ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी इलाक़ों में देखने को मिलेगा।

लेकिन बिजली के निजीकरण में सरकार और कारपोरेशन के दावे की सच्चाई ठीक उलट है। सबसे पहली बात यह है कि इन दोनों वितरण निगमों में घाटे का असली कारण सरकार द्वारा ऊंची लागत पर निजी क्षेत्र से बिजली की खरीदारी है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश 30000 मेगावाट की जरूरत में से केवल 5000 मेगावाट बिजली उत्पादन करता है। बाकी वह निजी क्षेत्र से ऊंची लागत पर खरीदता है। देश के स्तर पर बिजली के आधे से अधिक का उत्पादन टाटा, अडाणी, जिन्दल, टोरेंट जैसे कारपोरेट घरानों द्वारा किया जा रहा है। एनटीपीसी की बिजली 4.78 रुपए प्रति यूनिट है, जबकि निजी क्षेत्र की बिजली 5.59 रुपए प्रति यूनिट में खरीदी जा रही है। घाटे का एक प्रमुख कारण यह है। सरकार अब वितरण को भी तेजी से निजी हाथों में सौंपने की तैयारी में है। केंद्र सरकार द्वारा 20 जुलाई 2021 को 303758 करोड़ रुपए के बजट के साथ संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) शुरू की गई थी। वास्तव में, वितरण के ढांचे को उन्नत करने और जनता का फायदा करने के नाम पर इस सरकारी योजना का मकसद यह था कि इसमें जनता का पैसा खर्च किया जाए और पूंजीपतियों के लिए बिना एक धेला खर्च किए मुनाफा बटोरने का रास्ता साफ किया जाए। वितरण प्रणाली में सुधार से देश में एटी एंड सी घाटा (यानी बिजली वितरण कम्पनियों को होने वाला कुल तकनीकी और वाणिज्यिक घाटा) 2011-12 के लगभग 22 प्रतिशत से घटकर 2021-22 में लगभग 17 प्रतिशत हो गया। लेकिन इस अवधि में बिजली की दरें हर साल बढ़ती गयीं। मतलब सुधार के फायदे को उत्पादन और वितरण कम्पनियों ने हड़प लिया जबकि सरकार का दावा उपभोक्ताओं को फायदा पहुंचाना था।

दूसरे, यूपीपीसीएल को वर्तमान में कुल 1.1 लाख करोड़ रुपए का घाटा हो रहा है जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए उपभोक्ताओं पर बकाया बिजली बिल 1.15 लाख करोड़ रुपए है। इससे साफ है कि घाटे की बात केवल लोगों को गुमराह करना है। वास्तव में, सरकार सस्ती दर पर जनता को बिजली मुहैया करने से पल्ला झाड़ते हुए अन्य विभागों की तरह इसे भी पूंजीपतियों के लूट के अड्डे में तब्दील करना चाहती है।

तीसरे, जहां भी बिजली का निजीकरण हुआ है वहां लोगों को बहुतेरी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए टाटा समूह मुम्बई और दिल्ली में, टोरेंट समूह अहमदाबाद में, गोयनका समूह कोलकाता में बिजली आपूर्ति का काम करता है। कुछ शहरों में निजी कम्पनियां राज्य के स्वामित्व वाली वितरण कम्पनी की फ्रेंचाईजी के रूप में बिलिंग और संग्रह का काम करती हैं। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भिवण्डी, कलवा, मुंब्रा और दिवा में टोरेंट समूह। लेकिन इन जगहों पर लोगों को कोई फायदा नहीं हुआ।

टूरिज्म सेक्टर बना यूपी की समृद्धि का सारथी

2028 तक 70 हजार करोड़ हो जाएगा योगदान

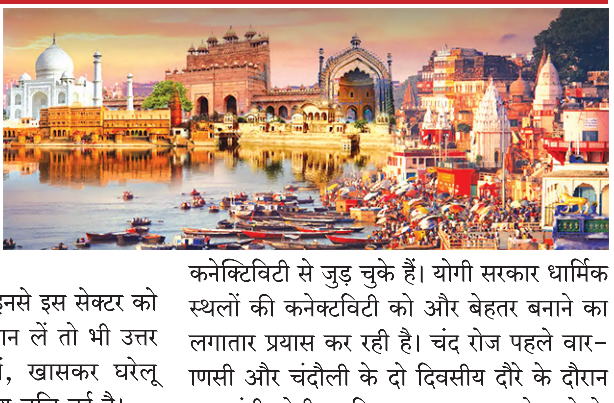

लखनऊ, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

टूरिज्म सेक्टर उत्तर प्रदेश की समृद्धि के सारथी की भूमिका में है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के अनुसार ही इस सेक्टर से होने वाला राजस्व भी बढ़ा है। प्रयागराज महाकुंभ में आए 66.30 करोड़ पर्यटकों और इनसे इस सेक्टर को हासिल राजस्व को अपवाद मान लें तो भी उत्तर प्रदेश में आने वाले पर्यटकों, खासकर घरेलू पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

आंकड़ों के मुताबिक 2023 में उत्तर प्रदेश आने वाले पर्यटकों की संख्या करीब 48 करोड़ थी। प्रदेश सरकार के आंकड़ों के मुताबिक इसमें से 28.790 करोड़ पर्यटक का तो सिर्फ अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, और प्रयागराज में आना हुआ। वर्ष 2025 में इन शहरों में आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़कर 41.56 करोड़ हो गई। प्रयागराज महाकुंभ में 66.30 करोड़ पर्यटकों के आने और उनके उलट प्रवाह के नाते 2025 का रिकॉर्ड ब्रेक होना तय है। एक अनुमान के मुताबिक वर्ष 2028 तक पर्यटकों की संख्या बढ़कर 80 करोड़ तक पहुंच सकती है।

पर्यटन के लिहाज से वाराणसी, अयोध्या, मथुरा, प्रयागराज, नैमिष, गोरखपुर, मीरजापुर स्थित विंध्यधाम नए केंद्र बनकर उभरे हैं। केंद्र सरकार ने देश के जिन 100 शहरों को संभावना वाले शहरों में शामिल किया है उनमें उत्तर प्रदेश के चार शहरों में काशी और अयोध्या भी हैं। इनके अलावा बाकी दो शहरों में प्रदेश की राजधानी लखनऊ और कानपुर हैं। इन सबके विकास पर डबल इंजन (मोदी एवं योगी) की सरकार का खास फोकस भी है। ये सारे शहर वैश्विक स्तर की कनेक्टिविटी से जुड़ चुके हैं। योगी सरकार धार्मिक स्थलों की कनेक्टविटी को और बेहतर बनाने का लगातार प्रयास कर रही है। चंद रोज पहले वाराणसी और चंदौली के दो दिवसीय दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा एक्सप्रेस-वे के संबंध में की गई घोषणाएं इसका प्रमाण हैं। चंदौली की एक जनसभा में उन्होंने कहा था कि चंदौली और सोनभद्र भी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगे। उल्लेखनीय है कि अरबों वर्षों की पुरानी फासिल्स और प्राकृतिक सुंदरता वाले सोनभद्र को सरकार पहले ही यूपी का स्विट्ज़रलैंड बनाने की घोषणा कर चुकी है।

इसमें यह कनेक्टिविटी मील का पत्थर साबित हो सकती है। इसी क्रम में उन्होंने निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे को भी मीरजापुर, भदोही, वाराणसी, चंदौली और गाजीपुर तक विस्तारित करने की घोषणा की। साथ ही यह भी कहा कि काशी को कोलकाता से जोड़ने वाला ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे भी चंदौली से जुड़ेगा।

बेहतर कनेक्टिविटी के साथ प्रदेश सरकार पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा के अनुसार बुनियादी सुविधाएं भी विकसित कर रही है। नियोजित विकास और बेहतर मॉनिटरिंग के लिए प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए सरकार ने तीर्थ विकास परिषदों का गठन कर रखा है। कॉरिडोर्स, प्रमुख मेलों का प्रांतीयकरण, अलग-अलग क्षेत्रों के लिए बने सर्किट का भी यही मकसद है।

कृषि अनुसंधान परिषद के 36वें स्थापना दिवस में बोले सीएम योगी

खेती पलायन का नहीं, खुशहाली का जरिया बने

यूपी के पास दुनिया का पेट भरने का सामर्थ्य

लखनऊ, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भी यूपी में सर्वाधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र कृषि है। लगभग तीन करोड़ किसान कृषि पर निर्भर करते हैं। इसके बाद सर्वाधिक रोजगार एमएसएमई दे रहा है। इसके माध्यम से 1.65 करोड़ लोग रोजगार प्राप्त करते हैं। सीएम ने कहा कि कृषि पलायन का नहीं, बल्कि खुशहाली का माध्यम बने। यह तभी संभव है, जब इस क्षेत्र में किए जाने वाले अनुसंधान का लाभ किसानों को दे पाएंगे। सीएम ने कहा कि यूपी विकसित होता है तो भारत को विकसित होने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में ईमानदारी से प्रयास करता है तो उस लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के 36वें स्थापना दिवस में शिरकत की। सीएम ने प्रदर्शनी का अवलोकन और पुस्तिकाओं-न्यूज लेटर का विमोचन किया। उन्होंने राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने विचार भी रखे। सीएम ने कृषि वैज्ञानिकों, युवा प्रतिभाओं, एफपीओ आदि का सम्मान भी किया। सीएम ने कहा

कि हमें भारत की जलवायु, मिट्टी के अनुरूप शोध व विकास को बढ़ाने के लिए खुद को तैयार करना होगा। यूपी के अंदर यह सभी संभावनाएं छिपी हुई हैं। पीएम मोदी ने देशवासियों के सामने 2047 तक भारत को विकसित करने का लक्ष्य रखा है। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में राज्यों को भी अपनी भूमिका का निर्वहन करना है। हमें विकसित उत्तर प्रदेश बनाना है और इसके लिए सभी क्षेत्रों में अपनी संभावनाओं को तलाशना है। केंद्र सरकार ने तय किया है कि भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनेगा। हमने भी तय किया है कि 2029 में यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाएंगे।

प्रदेश के बमुश्किल 25 से 30 फीसदी किसान ही ऐसे हैं, जो खेती में वैज्ञानिक शोध व अनुसंधान के कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू कर पा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कृषि व कृषि अनुसंधान की दृष्टि से यूपी प्रकृति व परमात्मा की कृपा वाला प्रदेश है। हमारे पास विस्तृत और उर्वरा कृषि भूमि, पर्याप्त जल संसाधन है। दुनिया में यूपी एकमात्र ऐसा राज्य होगा, जिसका 86 फीसदी से अधिक भूभाग सिंचित है। यहां केंद्र व राज्य सरकार के कृषि विश्वविद्यालयों का बेहतरीन संजाल है। यूपी सरकार पहले से चार कृषि विवि संचालित कर रही है। पांचवां विवि भी स्थापित हो रहा है। केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश में पहले से ही कृषि विवि संचालित हो रहे हैं और कृषि अनुसंधान के लिए 15 से अधिक संस्थान कार्यरत हैं। 89 कृषि विज्ञान केंद्र भी अपनी विशेषज्ञता का लाभ किसानों को प्रदान करते हैं। इसके बावजूद किसानों की स्थिति चौंकाने वाले तथ्य प्रस्तुत करती है। प्रदेश के बमुश्किल 25 से 30 फीसदी किसान ही ऐसे हैं, जो वैज्ञानिक शोध व अनुसंधान के कार्यों को प्रभावी ढंग से खेती में लागू कर पा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि देश की आबादी का 16 फीसदी हिस्सा यूपी में निवास करता है। देश के कृषि योग्य कुल भूमि का केवल 11 फीसदी यूपी में है। इस भूमि पर देश का 20 फीसदी से अधिक खाद्यान्न उत्पादन हो रहा है। हालांकि यूपी की भूमि के समतलीकरण, उर्वरता, जल संसाधन को देखते हुए इससे तीन गुना अधिक उत्पादन लिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए कृषि शोध, विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। सीएम ने कहा कि वही देश विकसित हुए हैं, जिन्होंने अधिकाधिक शोध और विकास पर ध्यान दिया। उनका क्षेत्र अलग हो सकता है। जिसने जिस क्षेत्र में कार्य किया, वह वहां आगे बढ़ा।

सीएम ने कहा कि यूपी के पास देश ही नहीं, दुनिया का पेट भरने का भी सामर्थ्य है। कृषि, हॉर्टिकल्चर, सब्जी के लिए हम बहुत कुछ कर सकते हैं। यहां के क्लाइमेटिक जोन के अनुरूप अनुसंधान और प्रकृति-पर्यावरण के अनुरूप शोध को बढ़ाने के लिए और गति दिए जाने की आवश्यकता है। सीएम ने कहा कि आपके द्वारा किए गए शोध व विकास के कार्यक्रमों की गति देश व प्रदेश की प्रगति में निर्णायक भूमिका का निर्वहन कर सकती है।

सीएम ने कहा कि 2047 में जब भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की इकॉमनी होगा तो यूपी कहां होगा, उसकी प्रति व्यक्ति आय क्या होगी। कृषि, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी क्या स्थिति होनी है। इस पर यूपी ने व्यापक कार्ययोजना बनाई है। हम विजन 2047 की कार्ययोजना के साथ तो आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन हमारे पास शॉर्ट टर्म भी होना चाहिए कि हमें दो वर्ष में क्या अचीव करना है। हमें 2027, 29 और 35 की भी बात करनी चाहिए। पब्लिक को अपील करने के लिए शॉर्ट टर्म, मीडियम और लॉन्ग टर्म प्लानिंग को लेकर चलना होगा। कृषि विवि, कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान के लिए कार्यरत संस्थान इस दिशा में प्रयास प्रारंभ करें।

गोवंशों की देखभाल में लापरवाही पर हुई कड़ी कार्रवाई

लखनऊ/मेरठ, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

मेरठ की कान्हा उपवन गोशाला में गोवंशों की देखभाल में सामने आई गंभीर लापरवाही पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए नगर विकास विभाग को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर नगर निगम ने गोशाला संचालन से जुड़ी दो आउटसोर्सिंग फर्मों- जैन कंप्यूटर्स और शिवम इंटरप्राइजेज के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। इन फर्मों को गोशाला में 2500 गोवंशों की देखभाल के लिए गोपालकों और कर्मचारियों की तैनाती की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

12 जुलाई 2025 को सोशल मीडिया पर कान्हा गोशाला की बदहाल स्थिति को दर्शाने वाला एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दयनीय परिस्थितियों में गोवंशों को दिखाया गया। इस वीडियो के बाद सहायक नगर आयुक्त शरद पाल के नेतृत्व में गोशाला का गहन निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि गोशाला में भूसा, हरा चारा और पानी उपलब्ध होने के बावजूद गोवंशों को समय पर नहीं दिया जा रहा था। इसके अलावा, कई गोपालक और कर्मचारी ड्यूटी पर अनुपस्थित पाए गए। मेसर्स जैन कंप्यूटर्स ने 24 गोपालकों और शिवम इंटरप्राइजेज ने 18 गोपालकों की तैनाती का दावा किया था, लेकिन वास्तविक स्थिति इसके विपरीत थी।

नगर निगम ने बताया कि दोनों फर्मों को पहले भी गोवंशों की देखभाल में लापरवाही के लिए मौखिक और लिखित नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद, कोई सुधार नहीं हुआ, जिसके चलते कड़ा कदम उठाना पड़ा। जांच में यह भी सामने आया कि गोशाला में अभिलेखों का रख-रखाव अपूर्ण था, जिसके लिए लिपिक विकास शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। लापरवाही के इस मामले में हरपाल सिंह, पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी, और गोशाला के केयरटेकर के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है एवं उन्हें निलंबित भी कर दिया गया हैं। सहायक नगर आयुक्त शरद पाल से गोशाला का वरिष्ठ प्रभार छीन लिया गया है और उनकी जगह अपर नगर आयुक्त पंकज कुमार सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गजेंद्र को सीएमओ कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया और उनकी जगह डॉ. अमर सिंह को नई तैनाती दी गई है।

नगर निगम ने गोशाला की स्थिति में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

गोशाला की निगरानी के लिए 12 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। जिन शेडों में फर्श की कमी थी, वहां फर्श निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए फेस रिकग्निशन सिस्टम लागू किया गया है। इसके अतिरिक्त, चारा की उप्लब्ध्ता , गोबर उठान और अन्य कार्यों के लिए अभिलेखीकरण करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

गोवंशों की बेहतर देखभाल के लिए छह होमगार्ड और 50 नए कर्मचारियों को दो शिफ्टों में (25-25) तैनात किया गया है। चोटिल, बीमार या दुर्घटनाग्रस्त गोवंशों के लिए गोशाला में बने ट्रॉमा सेंटर में तत्काल उपचार सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। गोशाला के विस्तार के लिए 15,000 वर्ग मीटर भूमि का चयन किया गया है, ताकि गोवंशों के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध हो सके। प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में कान्हा गोशाला के रखरखाव में कमी एवं लापरवाही बिलकुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर निगम ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई कर गोवंशों की देखभाल में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए हैं। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि गोशाला में व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं और भविष्य में ऐसी लापरवाही न हो। इस कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजी गई है।

संपादकीय

भविष्य के हथियार

ऑपरेशन सिंदूर सही मायनों में भारतीय वायु सेना की श्रेष्ठता का एक अद्भुत प्रदर्शन था। निस्संदेह, भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान को न केवल कड़ा जवाब दिया बल्कि नये दौर के युद्ध कौशल का सफल परीक्षण भी किया। लेकिन हम सिर्फ इससे आत्मसंतुष्ट होकर नहीं बैठ सकते। भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने दुनिया के मौजूदा परिदृश्य पर बिल्कुल सही कहा है कि आज का युद्ध कल की तकनीक से लड़ा जाना चाहिए, न कि बीते जमाने की हथियार प्रणालियों से। दरअसल, हर पल बदलती युद्ध कौशल की तकनीकों में बात बढ़त लेने की है। यह एक हकीकत है कि जो भी देश ऐसा करने में विफल रहेगा, निश्चित रूप से उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उनका कहना सही ही है कि मानवरहित हवाई वाहन यानी यूएवी आमने-सामने की लड़ाई के विपरीत गैर-संपर्क युद्ध के तेजी से विकसित होते परिदृश्य में एक बदलावकारी शक्ति के रूप में उभरे हैं।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान को न केवल कड़ा जवाब दिया बल्कि नये दौर के युद्ध कौशल का सफल परीक्षण भी किया। लेकिन हम सिर्फ इससे आत्मसंतुष्ट होकर नहीं बैठ सकते। भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने दुनिया के मौजूदा परिदृश्य पर बिल्कुल सही कहा है कि आज का युद्ध कल की तकनीक से लड़ा जाना चाहिए, न कि बीते जमाने की हथियार प्रणालियों से। दरअसल, हर पल बदलती युद्ध कौशल की तकनीकों में बात बढ़त लेने की है। यह एक हकीकत है कि जो भी देश ऐसा करने में विफल रहेगा, निश्चित रूप से उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उनका कहना सही ही है कि मानवरहित हवाई वाहन यानी यूएवी आमने-सामने की लड़ाई के विपरीत गैर-संपर्क युद्ध के तेजी से विकसित होते परिदृश्य में एक बदलावकारी शक्ति के रूप में उभरे हैं।

ड्रोन तकनीक के लगातार विकसित होते रहने से यह एक ऐसा घातक हथियार बन चुका है, जो दुश्मन देश के प्रमुख रक्षा प्रतिष्ठानों जैसे लक्ष्यों को तुरंत पहचानकर उन पर हमला कर सकता है। वास्तव में, भारत ऑपरेशन सिंदूर के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए गए अधिकांश ड्रोनों को मुख्य रूप से अपनी मजबूत वायु रक्षा प्रणाली के बूते ही बेअसर करने में सक्षम रहा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भविष्य के किसी युद्ध में पाकिस्तान के करीबी सहयोगी उसे बेहतर यूएवी की आपूर्ति करेंगे ताकि पाकिस्तान की स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। इस खतरे के प्रति सतर्क रहते हुए भारत के लिये जरूरी हो जाता है कि हम यूएवी और मानवरहित स्वदेशी प्रणालियों के विकास पर अपना विशेष ध्यान केंद्रित करें। साथ ही इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि ये भारतीय परिस्थितियों और जरूरतों के भी अनुकूल हों। तभी हम आसन्न चुनौतियों का मुकाबला बेहतर ढंग से कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। इसमें दो राय नहीं कि हाल ही के दिनों में यूरोप और एशिया में जारी संघर्ष के दौरान ड्रोन व मानवरहित विमानों ने निर्णायक भूमिका निभायी है। इस दिशा में भारत पूर्वी यूरोप में ड्रोन-प्रधान संघर्ष से सबक ले सकता है। जहां यूक्रेन ने सैन्य शक्ति, तोपखाने और टैंकों के मामले में रूस की बढ़त का मुकाबला करने लिये यूएवी का भरपूर इस्तेमाल किया है। यही वजह है कि यूक्रेन की इस रणनीति ने रूस को अपना ध्यान यूएवी तकनीक पर केंद्रित करने के लिये बाध्य किया है। रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि दोनों देश प्रतिवर्ष चौंका देने वाली लाखों की दर से ड्रोन बना रहे हैं। ड्रोन उत्पादन के क्षेत्र में यूक्रेन के एक महाशक्ति के रूप में उदय ने भारत को ऐसे क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित किया है, जहां अत्याधुनिक नवाचार ही सब कुछ है, अब चाहे इनका उपयोग किसी भी निश्चित उद्देश्य के लिये किया जाए। मसलन स्ट्राइक ऑपरेशन की निगरानी के लिये तथा रडार से छिपकर ये उड़ने वाली मशीनों को सुरक्षित बनाने के लिये। भारत के लिये यह सुनिश्चित करना एक चुनौती है कि उसके ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन तकनीक से बेहतर सिद्ध हों। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में यूएवी परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में निर्णायक साबित होगा। ऐसे में परंपरागत युद्ध कौशल से आगे जाकर हमें नई चुनौतियों का मुकाबला करना है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वोटर लिस्ट में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोगों के नाम पाए गए

भारतीय चुनावी लोकतंत्र की रीढ़ है-अनुच्छेद 326

सुनील कुमार महला

वोटर लिस्ट के संदर्भ में अधिकारियों ने यह बात कही है कि पाए गए सभी संदिग्ध नामों की पूरी जांच की जा रही है तथा, जो लोग भारतीय नागरिक नहीं पाए जाएंगे, उनके नाम 30 सितंबर को जारी होने वाली अंतिम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे। चुनाव आयोग के निर्देश पर बिहार में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन कर रहे हैं। वास्तव में यह बहुत ही चिंताजनक बात है कि बिहार वोटर लिस्ट में दूसरे देशों के प्रवासियों के नाम मिले हैं। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि कोई भी अवैध प्रवासी सूची में न रह जाए, क्यों कि इससे चुनाव प्रभावित हो सकते हैं।

हाल ही में बिहार वोटर लिस्ट रिवीजन में एक बड़ा खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वोटर लिस्ट में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोगों के नाम पाए गए हैं। पाठकों को बताता चलूं कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान निर्वाचन आयोग में उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, बिहार में एसआईआर के दौरान घर-घर जाकर (डोर टू डोर कैंपेन) किए गए दौरे में बूथ लेवल अफसरों यानी बीएलओ को नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध रूप से आए लोग बड़ी संख्या में मिले हैं। इधर, विपक्षी दलों ने आयोग के इस दावे को लेकर सवाल उठाए हैं। वोटर लिस्ट के संदर्भ में अधिकारियों ने यह बात कही है कि पाए गए सभी संदिग्ध नामों की पूरी जांच की जा रही है तथा, जो लोग भारतीय नागरिक नहीं पाए जाएंगे, उनके नाम 30 सितंबर को जारी होने वाली अंतिम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे। चुनाव आयोग के निर्देश पर बिहार में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन कर रहे हैं। वास्तव में यह बहुत ही चिंताजनक बात है कि बिहार वोटर लिस्ट में दूसरे देशों के प्रवासियों के नाम मिले हैं। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि कोई भी अवैध प्रवासी सूची में न रह जाए, क्यों कि इससे चुनाव प्रभावित हो सकते हैं। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है कि अवैध प्रवासियों की संख्या लाखों में बताई जा रही है। बताया जा रहा है आयोग ने ऐसे अवैध प्रवासियों की जांच के लिए 01 से 30 अगस्त के बीच विशेष अभियान चलाने की तैयारी भी शुरू कर दी है, यह अच्छी बात है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि अनुच्छेद 326, (भारतीय संविधान 1950) के मुताबिक लोक सभा और प्रत्येक राज्य की विधान सभा के लिए चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे; अर्थात्, प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है और जो ऐसी तारीख को, जो समुचित विधानमंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि द्वारा या उसके अधीन इस निमित्त नियत की जाए, इक्कीस वर्ष से कम आयु का नहीं है और जो इस संविधान या समुचित विधानमंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि के अधीन गैर-निवास, मानसिक विकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा निरर्हित नहीं है, ऐसे किसी चुनाव में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा। वास्तव में, संविधान के अनुच्छेद -326 के तहत सिर्फ भारतीय नागरिक ही मतदाता बन सकता है और आयोग के पास इसे जांचने का अधिकार है। यदि वह किसी व्यक्ति के दावे संतुष्ट नहीं होता है, तो वह उसे मतदाता बनने से रोक सकता है या फिर उसे मतदाता सूची से बाहर कर सकता है। इधर, आयोग के दावे पर बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने तीखे तेवर अपनाते हुए यह बात कही है कि सूत्रों की बजाय आयोग के अधिकारियों को

सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर एक फीसदी मतदाताओं का भी नाम कट जाए तो उससे नतीजों पर अंतर होगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार बिहार में सात करोड़ 90 लाख मतदाता हैं और इनमें यदि अवैध वोटर मिले हैं, तो वाकई यह बहुत ही गंभीर बात है। यदि किसी व्यक्ति नाम 1 अगस्त को जारी होने वाली मतदाताओं की ड्राफ्ट (अस्थायी) लिस्ट में शामिल नहीं होता है, तो वह व्यक्ति विशेष आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहले मतदान पंजीकरण अधिकारी (इआरओ) के पास आवेदन कर सकते हैं और यदि वहां से भी कोई समाधान नहीं मिलता है, तो वह व्यक्ति विशेष जिला निर्वाचन अधिकारी (डीइओ) और फिर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीइओ) के पास अपील कर सकता है। आवश्यक दस्तावेजों में क्रमशः मान्यता प्राप्त बोर्ड या विवि द्वारा निर्गत शैक्षिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी), पासपोर्ट राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकार द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर, बैंक, डाकघर, एलआईसी आदि द्वारा 1 जुलाई 1987 के पूर्व निर्गत किया गया कोई भी प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, नियमित कर्मचारी या पेंशनभोगी कर्मियों का पहचान पत्र, स्थाई निवास प्रमाण पत्र सरकार की कोई भी भूमि या मकान आवंटन का प्रमाण पत्र अथवा सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र आदि शामिल हैं। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि उक्त संदर्भ में मामला माननीय सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 28 जुलाई को बिहार से संबंधित याचिका पर दोबारा सुनवाई होनी है तथा इसके बाद देशव्यापी पुनरीक्षण अभियान पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। दरअसल, कुछ विपक्षी दलों और नागरिक संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई है। इस संबंध में उनका यह कहना है कि इससे पात्र नागरिकों को मताधिकार से वंचित किया जा सकता है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि पूरे देश में अगस्त माह से मतदाता सूची की जांच शुरू होगी। जानकारी के अनुसार बिहार के बाद चुनाव आयोग देशभर में यह प्रक्रिया शुरू करेगा। आयोग ने अगस्त से एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इससे यह सामने आ सकेगा कि कोई अवैध प्रवासियों ने तो मतदाता सूचियों में अपने नाम नहीं शामिल करवा लिए हैं। पाठकों को विदित ही होगा कि बिहार में कुछ समय बाद इस साल यानी कि 2025 में ही विधानसभा चुनाव होने हैं। वहीं, असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव निर्धारित हैं। इन राज्यों में विदेशी नागरिकों की घुसपैठ और अवैध निवास लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। हाल ही में देश के कई राज्यों में बांग्लादेश और म्यांमार के अवैध प्रवासियों के खिलाफ अभियान चलाया गया है। ऐसे में मतदाता सूचियों में सुधार को लेकर चुनाव आयोग का यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है। हालांकि, इधर आधार कार्ड और राशन कार्ड को भी स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची में शामिल किए जाने की मांग की जा रही है। वास्तव में, इन दस्तावेजों को उन मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत किया जाना है, जिनके नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं थे, जब आखिरी बार मतदाता सूची की वेटिंग (पुनरीक्षण) का कार्य किया गया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार एक अगस्त 2025 को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होगी तथा इसमें वही नाम शामिल किए जाएंगे, जिनके फॉर्म 25 जुलाई तक जमा हो जाएंगे। एक अगस्त से एक सितंबर तक लोग अपने नाम जोड़ने या आपत्ति दर्ज करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। आयोग की ओर से अंतिम सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी। सबसे अच्छी बात यह है कि राजनीतिक दलों को भी तैयार की गई ड्राफ्ट सूची दी जाएगी और इसे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा, जो पारदर्शिता दिखाएगी। हालांकि, राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने यह दावा किया कि बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण (वेटिंग) का कार्य एक असंवैधानिक कदम है, जिसका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि बहुसंख्यक समुदाय के हित में काम करने वाली सरकारें सत्ता में किसी भी तरह से बनी रहें। इधर, मतदाता सूची पुनरीक्षण (वेटिंग) के मसले पर 'इंडिया गठबंधन' ने जिला से लेकर प्रखंड और गांव स्तर तक लोगों को जमीनी हकीकत बताने का निर्णय लिया है। अंत में यही कहूंगा कि जो भी हो पूरे देश में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण समय-समय पर किया जाना चाहिए, जिससे यह पता चल सके कि भारत की मतदाता प्रणाली में केवल पात्र नागरिकों को ही मतदान का अधिकार मिले। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 326 भारत के चुनावी लोकतंत्र की रीढ़ है, जो यह सुनिश्चित करता है कि शासन जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता का बना रहे।

देश दुनिया से

ट्रंप की तेल कूटनीति में नाटो का दुरुपयोग

वर्ष 1949 में वाशिंगटन संधि पर हस्ताक्षर के साथ गठित, 'नाटो' उत्तरी अमेरिका और यूरोप के 32 देशों का एक सुरक्षा गठबंधन है। नाटो का मूल लक्ष्य, राजनीतिक और सैन्य साधनों से मित्र राष्ट्रों की स्वतंत्रता, और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नाटो के दो मुख्य अंग हैं- राजनयिक, और सैन्य। यदि राजनयिक प्रयास विफल हो जाते हैं, तो नाटो सैनिक कार्रवाई के लिए धमकाता है। नीदरलैंड्स के पूर्व प्रधानमंत्री रह चुके मार्क रुट्टे, ट्रंप के ख़ास लोगों में माने जाते हैं। बुधवार को वाशिंगटन में नाटो महासचिव मार्क रुट्टे ने कहा, कि रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फ़ोन करना चाहिए, और उन्हें बताना चाहिए कि यूक्रेन से शांति वार्ता के बारे में गंभीर होना होगा, वरना ब्राज़ील, भारत, और चीन पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा। रुट्टे ने कहा, 'इन तीन देशों को मेरा मशविरा है कि यदि आप पेइचिंग में रहते हैं, या दिल्ली में, या आप ब्राज़ील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको इस पर गौर करना चाहिए, क्योंकि यह आपको बहुत प्रभावित कर सकता है।' यह धमकाना ही तो है। इसे आप जुर्रत नहीं, तो क्या कहेंगे? खुन्नस आपको पुतिन से है, उसे निकाल रहे हैं, उन देशों पर, जो रूस से तेल व्यापार कर रहे हैं। एक अक्तूबर, 2024 से मार्क रुट्टे नाटो के महासचिव हैं। चार साल की कार्यावधि में मार्क रुट्टे ट्रंप की कठपुतली जैसा कार्य करेंगे, यह उनके बयानों से दिख रहा है। ब्रसेल्स के बाहरी इलाके में स्थित, एक विशाल परिसर में स्टील और कांच से बने नाटो मुख्यालय में सात वर्षों तक मेरा जाना रहा। रुट्टे अपने पूर्ववर्तियों की तरह व्हाइट हॉउस के आगे क्यों नतमस्तक हैं? उसकी वजह है, पैसा। मोबाइल थल सेना, वायु रक्षा, लंबी दूरी की हथियार प्रणालियों और सुरक्षा कवच 'परमाणु छतरी' के लिए नाटो, दशकों से अमेरिका पर निर्भर रहा है। 'सेंटर फॉर यूरोपियन पॉलिसी एनालिसिस' के वरिष्ठ फेलो और पूर्व शीर्ष नाटो अधिकारी, जनरल गॉर्डन बी. डेविस जूनियर (सेवानिवृत्त) कहते हैं, 'नाटो की परमाणु छतरी,

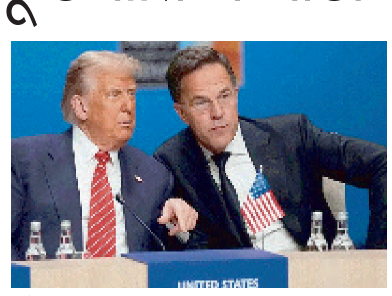

और पूरा सैन्य सेटअप अमेरिकी पैसे के बिना काम कर ही नहीं सकता।' कहने के लिए नाटो 32 उत्तर अटलांटिक देशों का सुरक्षा गठबंधन है, दरअसल यह अमेरिका को सिजदा करने वाला संगठन है। दिक्कत, ट्रम्प के साथ है। इस महीने रूस ने कीव पर 10 घंटे तक लगातार हमले किए। इन हमलों के बाद, 14 जुलाई को ट्रंप बोले, 'मैं राष्ट्रपति पुतिन से बिल्कुल भी खुश नहीं हूं। अब अमेरिका यूक्रेन को आत्मरक्षा के लिए ज्यादा हथियार देगा।' मतलब, ट्रंप का 'मिशन पीस' हो गया फिस्स। इस पूरी कहानी का दूसरा पक्ष है, तेल व्यापार। भारत में पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर्स की 23 रिफाइनरियां हैं। रूस में 30 बड़ी और मध्यम आकार की रिफ़ाइनरियां हैं, जबकि अमेरिका में 131 रिफाइनरियां हैं। अमेरिका, दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। उसके बाद ही सऊदी अरब, रूस, कनाडा, चीन, इराक, यूएई, ब्राज़ील, ईरान और कुवैत क्रमशः आते हैं। एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ईआईए) को आशंका है, कि अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन 2026 के अंत तक उस उच्च स्तर से कम हो जाएगा, क्योंकि तेल उत्पादक प्रतिस्पर्धी कीमतों से खरीदारों को लुभाएंगे। भारत ने रियायती कीमतों पर रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की है, खासकर यूक्रेन में संघर्ष शुरू होने के बाद। भारत का कहना है, कि वह किसी भी प्रतिबंध का उल्लंघन नहीं कर रहा है, अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित करना चाहता है। तेल उद्योग पर नज़र रखने वाले विशेषज्ञ इसे रूस से आयात करने वाले देशों पर दबाव बनाकर पुतिन को मजबूर करने की रणनीति के रूप में देखते हैं। रूसी तेल पर कीमतों को लेकर कोई 'कैपिंग' नहीं है, लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगियों ने 60 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा लगा दी है, जिसके अनुसार यदि मास्को के कच्चे तेल की कीमत उस स्तर से नीचे है, तो पश्चिमी मालवाहक और बीमाकर्ता रूसी तेल व्यापार में भाग नहीं ले सकते। यह, एक क़स्मि की गुंडई है। भारत और चीन, रूसी कच्चे तेल के शीर्ष आयातक हैं। भारत अपनी लगभग 88 प्रतिशत कच्चे तेल की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद, जब पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल से दूरी बना ली, तो रूस ने इच्छुक खरीदारों को अपने तेल पर छूट देना शुरू कर दिया। भारतीय रिफाइनरियों ने इस अवसर का तुरंत लाभ उठाया, जिसके परिणामस्वरूप रूस, जो पहले भारत को तेल का एक छोटा आपूर्तिकर्ता था, भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बनकर उभरा, और देखते-देखते पारंपरिक पश्चिम एशियाई आपूर्तिकर्ताओं को विस्थापित कर दिया। टैंकर आंकड़ों के अनुसार, 'जून 2025 में भारत के कुल तेल आयात में रूसी कच्चे तेल का हिस्सा 43.2 प्रतिशत था, जो अगले तीन आपूर्तिकर्ताओं- इराक, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को मिलाकर भी अधिक था।' वैश्विक कमोडिटी मार्केट एनालिटिक्स फर्म, 'केप्लर' के वेसल ट्रैकिंग डेटा बताते हैं, 'जून 2025 में भारत ने 2.08 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी कच्चे तेल का आयात किया, जो जुलाई 2024 के बाद से सबसे अधिक है।' इस कारोबार से भारत की अर्थव्यवस्था जितनी तेज़ी से बढ़ी है, उतनी ही तेज़ी से अमेरिका के पिट्ठू देशों को खटकने लगी है। कुछ हफ़्ते पहले, अमेरिका में एक विवादास्पद विधेयक को लेकर भारत में चिंताएं थीं, जिसमें रूस के साथ व्यापार जारी रखने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था। देखकर विचित्र लगेगा, कि धमकियों के साथ-साथ टैरिफ लगाने की घोषणाओं में भी ट्रम्प फेरबदल करते रहते हैं।

आप का नजरिया

निरंकुश नहीं आजादी

कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन की जरूरत बतायी है। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ, एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिस पर धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है। जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। निस्संदेह, समाज में विद्वेष व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। यदि उससे सामाजिक समरसता में खलल पड़ता है तो सरकार को दखल देने का मौका मिलता है। जो कि एक लोकतांत्रिक देश के लिये अच्छा संकेत नहीं है। कोई नहीं चाहता कि उसकी अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी संस्कृति के समाज का निर्माण कर सकते हैं। वैसे कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे सत्ताधीशों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित अभिव्यक्ति पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कहा जाता रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी द्वारा किसी मर्यादा को भंग करना घटिया या आपत्तिजनक तो हो सकता है लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। इसे कानून के आलोक में देखा जाना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल, आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए। बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है। कई लोग जाने-अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी-कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति भावनात्मक दुर्बलताओं से मुक्त नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे शेयर की जा रही सामग्री की तार्किकता पर मंथन जरूर करना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया आज एक ऐसा अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी मंशा को समझ सके। निस्संदेह, संयमित, तार्किक व सतर्क प्रतिक्रिया से हम अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार का आनन्द ले सकते हैं।

अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है। जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। निस्संदेह, समाज में विद्वेष व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है।

कुछ अलग

चिंताजनक है नदियों का मौन

भारतीय ज्ञान परंपरा के आदि ग्रंथ ऋग्वेद के 33वें सूक्त में ऋषि विश्वामित्र और नदी का संवाद है। जहां नदियों को गायों और घोड़े के सदृश शब्द करती व दौड़ती वर्णित किया गया है। वहां कहा गया है कि नदियां सबका उपकार करने वाली होती हैं और कभी जल से हीन नहीं होती। वहां ऋषि द्वारा नदी पार करने हेतु प्रार्थना भी है। इसी प्रकार 75वें सूक्त में- इमं मे गंङ्गे यमुने सरस्वति... के माध्यम से विभिन्न नदियों का महत्व और शोभा वर्णित है। आदिकाव्य रामायण और रामचरितमानस में भी विभिन्न प्रसंगों में नदियों से संवाद एवं स्तुति मिलती है। सुंदरकांड में प्रभु श्रीराम समुद्र से प्रार्थना, पूजन व संवाद करते हैं। नदियों का सतत प्रवाह अथवा गतिशीलता मानव चेतना को साहस प्रदान करता रहा है। हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, काशी, प्रयागराज और गंगासागर आदि अनेक तीर्थ नदियों से ही बने हैं। नदियों के किनारे ही सभ्यता एवं संस्कृति विकसित हुई हैं। ध्यान रहे नदियां हैं तो प्रकृति है, संस्कृति है, संतति है, वर्तमान है और भविष्य भी इन्हीं से होगा। कहीं बीहड़ जंगलों से तो कहीं कठोर पर्वत श्रेणियों से निकलती नदियां उनकी संघर्ष यात्रा के प्रमाण हैं। गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी, ब्रह्मपुत्र, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, चंबल, बागमती, सिंधु, झेलम, चेनाब, रावी, व्यास, सतलुज, नर्मदा, ताप्ती, वैतरणी, कृष्णा, कावेरी, लूनी, माच्छू, बनास, साबरमती, काली, पेरियार आदि देश की छोटी बड़ी सैकड़ों नदियां बड़े भू भाग को सींचने के साथ-साथ जीवन की रेखाएं भी हैं। अनेक नदियां पर्वत, मैदान, हिम क्षेत्र और मरुस्थल में भी जीवनदायिनी बनकर बहती हैं। विभिन्न नदियों पर बने बड़े बांध जहां विद्युत उत्पादन के बड़े स्रोत हैं तो वहीं कृषि आवश्यकताओं हेतु नहरों से जल का फैलाव भी करते हैं।

दृष्टि कोण

न्यायमित्रों की भूमिका सशक्त करने की जरूरत

भारत में जनहित याचिका प्रणाली सार्वजनिक न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रही है। हालांकि, इसकी प्रभावशीलता बढ़ाने और दुरुपयोग को कम करने के लिए लगातार सुधार की आवश्यकता है। इन सुधारों में से एक है एमिकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) की भूमिका को और मजबूत करना। यह न केवल जनहित याचिका की गुणवत्ता में सुधार करेगा, बल्कि न्याय वितरण प्रणाली में भी दक्षता लाएगा। जनहित याचिकाएं भारतीय न्यायपालिका का एक महत्वपूर्ण उपकरण रही हैं, जिन्होंने हाशिए पर पड़े लोगों को आवाज देने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, हाल के वर्षों में इनकी गुणवत्ता और दुरुपयोग को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। एमिकस क्यूरी, जिसका शाब्दिक अर्थ 'अदालत का मित्र' है, वह व्यक्ति या संस्था होती है जो किसी मामले में पक्षकार न होते हुए भी अदालत को कानूनी या तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करती है। इनकी विशेषज्ञता अदालत को जटिल मुद्दों को समझने और निष्पक्ष निर्णय लेने में मदद करती है। जनहित याचिकाओं के संदर्भ में, जहां अक्सर व्यापक सामाजिक, आर्थिक या पर्यावरणीय मुद्दे शामिल होते हैं, एमिकस क्यूरी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। न्यायमित्र की भूमिका को भारतीय न्यायपालिका में एक 'शांत क्रांति' के रूप में देखा जा सकता है। कानूनी रूप से, न्यायमित्र की नियुक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय और अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालयों की अंतर्निहित शक्तियों के दायरे में आती है। ये अनुच्छेद अदालतों को पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक आदेश पारित करने की शक्ति देते हैं। दरअसल, जनहित याचिका ऐसे जटिल मुद्दों से संबंधित होती हैं जिनके लिए विशिष्ट वैज्ञानिक, तकनीकी या सामाजिक-आर्थिक विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, जो अदालतों के पास हमेशा नहीं होती। ऐसे

में, संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त करने से अदालत को मामले की गहराई और बारीकियों को समझने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, जनहित याचिका में प्रस्तुत तथ्य कभी-कभी अपर्याप्त या एकतरफा हो सकते हैं। एमिकस क्यूरी स्वतंत्र रूप से तथ्यों की गहन जांच कर सकते हैं, अतिरिक्त जानकारी जुटा सकते हैं, और अदालत के सामने एक निष्पक्ष और संपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत कर सकते हैं। कई जनहित याचिकाओं में विभिन्न हितधारकों के जटिल और परस्पर विरोधी हित शामिल होते हैं। एमिकस क्यूरी इन सभी दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए अदालत को एक संतुलित और न्यायसंगत समाधान तक पहुंचने में सहायता करते हैं। एमिकस क्यूरी द्वारा प्रदान की गई स्पष्ट और सटीक जानकारी अनावश्यक बहस और समय की बर्बादी को कम करके मामलों के शीघ्र निपटारे में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है, जिससे न्याय वितरण प्रणाली में दक्षता आती है। ताजमहल संरक्षण मामले में एम.सी. मेहता की भूमिका एक सशक्त एमिकस क्यूरी का उत्कृष्ट उदाहरण है। 1980 के दशक में, सुप्रीम कोर्ट ने मेहता को ताजमहल को प्रदूषण से बचाने वाली जनहित याचिका में एमिकस क्यूरी नियुक्त किया। उनके व्यापक शोध और विस्तृत रिपोर्टों के आधार पर, सुप्रीम कोर्ट ने उद्योगों को स्थानांतरित करने और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लागू करने जैसे ऐतिहासिक निर्देश दिए। इस बाबत हम कुछ अन्य देशों से प्रेरणा ले सकते हैं जहां यह व्यवस्था अधिक विकसित और व्यवस्थित है। भारत में, जनहित याचिका मुख्य रूप से न्यायिक सक्रियता पर केंद्रित रही है, लेकिन कुछ देशों में नागरिक भागीदारी को एक अलग और संगठित तरीके से बढ़ावा दिया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, एमिकस क्यूरी अक्सर महत्वपूर्ण संवैधानिक या सार्वजनिक हित के मामलों में हस्तक्षेप करते हैं।

मार्टिन लूथर किंग मर्डर केस : क्या एक्स्ट्रा मैरेटल अफेयर थी हत्या की वजह

वाशिंगटन,23 जुलाई (एजेंसियां)।
अमेरिका में सिविल राइट्स मूवमेंट के प्रतीक मार्टिन लूथर किंग जूनियर को 1963 में दिए उनके भाषण 'आई हैव अ ड्रीम' के लिए जाना जाता है। उनकी 4 अप्रैल 1968 को मेम्फिस, टेनेसी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या की जिम्मेदारी जेम्स अर्ल रे ने 1969 में ली थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया और अपनी मौत तक खुद के बेगुनाह होने का दावा किया। हालांकि उसे पूरी सजा हुई थी और जेल में ही उसकी मौत हो गई थी।

ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका में सिविल राइट्स मूवमेंट के प्रतीक मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्या से संबंधित लगभग 2,30,000 पेज के दस्तावेज सार्वजनिक दिए। हालांकि ट्रंप प्रशासन के इस कदम का किंग के परिवार ने विरोध किया था। यह दस्तावेज 1977 से एक अदालती आदेश के तहत गोपनीय रखे गए थे। अब इन्हें नेशनल आर्काइव्स की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिए गए हैं। इस कदम को प्रशासन ने पारदर्शिता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया है, लेकिन किंग के परिवार और दक्षिणी क्रिश्चियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस (एससीएलसी) ने इसे उनकी गोपनीयता और विरासत पर हमला करार दिया।

राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि अमेरिकी जनता ने डॉ किंग की हत्या की पूरी जांच को देखने के लिए लगभग 60 वर्षों तक इंतज़ार किया है।

राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में हम इस महत्वपूर्ण और दुखद घटना पर पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित कर रहे हैं। दस्तावेजों में एफबीआई की निगरानी से संबंधित रिकॉर्ड शामिल हैं, जिनमें किंग के फोन टैपिंग, होटल के कमरों में बगिंग और उनके खिलाफ सूचनाएं एकत्र करने के लिए जासूसों का उपयोग शामिल है। ये दस्तावेज उस समय के एफबीआई निदेशक जे।

एडगर हूवर की किंग और सिविल राइट्स मूवमेंट पर पैनी नजर को उजागर करते हैं। इस रिपोर्ट में दावे किए गए थे किंग के एक्स्ट्रा मैरेटल अफेयर थे। इन अफेयर्स के बारे में जानकारी एफबीआई की निगरानी की वजह से सार्वजनिक हो गई थी। हालांकि उनकी हत्या और उनके अफेयर के बीच कोई संबंध नहीं था। अब तक की जांच में इन दोनों के बीच कोई संबंध की जानकारी नहीं है।

हालांकि, किंग के दो जीवित बच्चे मार्टिन लूथर किंग3 और बर्निस किंग ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वे पारदर्शिता और ऐतिहासिक जवाबदेही का समर्थन करते हैं, लेकिन उन्हें डर है कि इन दस्तावेजों का दुरुपयोग उनके पिता की विरासत पर हमला करने के लिए किया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

कूलिंग-ऑफ पीरियड प्रावधान को लेकर नेपाली कांग्रेस के महासचिव ने दी समर्थन वापसी की चेतावनी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी–लेनिनवादी) सिविल सेवा विधेयक में कूलिंग–ऑफ पीरियड प्रावधान के संबंध में राज्य मामलों और सुशासन समिति की सिफारिश के खिलाफ जाती है तो वह सरकार को जारी समर्थन वापस ले सकती है। नेपाली कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शर्मा ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के अवकाश के तुरंत बाद राजनीतिक नियुक्ति के प्रावधान का नेपाली कांग्रेस कभी समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिन लोगों ने कूलिंग–ऑफ अवधि के संबंध में गलत काम किया है, उन्हें दंडित किया जाएगा। इसे दो साल से बढ़ाकर ढाई साल किया जा सकता है, लेकिन इसे हटाया नहीं जाएगा। नेपाली कांग्रेस के महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री केपी ओली की पार्टी के कुछ सांसदों द्वारा नेशनल असेंबली के माध्यम से इसे बदलने केलिए जो संशोधन प्रस्ताव रखा है वह गठबंधन के फैसले के खिलाफ है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली को इस पर अपनी धारणा को स्पष्ट करना चाहिए। कांग्रेस महासचिव शर्मा ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री के निर्देश पर इस कूलिंग पीरियड को हटाने का कोई प्रयास किया जाता है, या सरकार समिति की सिफारिश के खिलाफ काम करती है, तो कांग्रेस इस सरकार का समर्थन नहीं करती रहेगी। सत्तारूढ़ गठबंधन और संसदीय समिति में सरकारी कर्मचारियों के लिए राजनीतिक नियुक्ति पाने के लिए दो वर्ष का कूलिंग पीरियड रखने पर सहमति हुई थी लेकिन इसके विपरीत धोखे से इस प्रावधान को हटा कर प्रतिनिधि सभा से इसे पारित कर दिया गया था।

रूस में बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं की संख्या में आ रही गिरावट

मॉस्को। पहले रशियन लोककथाओं में कहा जाता था कि खूबसूरत लड़कियों को भी दूल्हा ढूंढना मुश्किल हो जाता था, लेकिन रूस खुद ऐसे संकट का सामना कर रहा है जहां बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने स्वीकार किया है कि अब समाज में वह पहले जैसी स्थिति नहीं रही और जनसंख्या का संतुलन बदल चुका है। रूस की केंद्रीय सांख्यिकी सेवा के ताजा आंकड़े बताते हैं कि 1 जनवरी, 2025 तक देश की कुल अनुमानित जनसंख्या 14 करोड़ 60 लाख के करीब रही, जो पिछले साल की तुलना में 0.08 प्रतिशत कम है। जनसांख्यिकी विशेषज्ञ एलेक्सी रक्शा के अनुसार, साल 2025 के पहले तीन महीनों में केवल 2.94 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जो पिछले 225 वर्षों में सबसे कम आंकड़ा है। यह गिरावट फर्टिलिटी रेट में भारी कमी को दर्शाती है, जिससे भविष्य में मृत्यु दर बढ़ने की आशंका है। चीन भी इसी तरह की जनसंख्या समस्या का सामना कर चुका है। हालांकि मास्को, लेनिनग्राद और इंगुशेतिया जैसे कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या में हल्की वृद्धि देखी गई है, जिससे सरकार को कुछ उम्मीदें बनी हुई हैं।

चीनी निर्मित विमान, बांग्लादेशियों के लिए बन रहे काल....अब दोस्त ड्रैगन पर उठ रहे सवाल

ढाका। बांग्लादेश वायुसेना के लिए विमान दुर्घटनाएं एक गंभीर और बार–बार होने वाली समस्या बन चुकी हैं। बीते तीन दशकों में यानी 1992 से अब तक करीब 27 फाइटर जेट और प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। इसमें से ज़्यादातर दुर्घटनाएँ चीनी निर्मित विमानों से हुई हैं, जिससे उनकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ताजा दुर्घटना में बांग्लादेश वायुसेना का एक एफ–7 बीजीआई ट्रेनिंग जेट था। जो कि माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज का परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस हादसे में 25 बच्चे, एक शिक्षक और पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम सागर की मृत्यु हुई, जबकि 78 से अधिक घायल हुए है। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी बताई गई है। पायलट ने घनी आबादी वाले क्षेत्रों से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन विमान स्कूल की इमारत से टकरा गया। विमान में आग लग गई, जिससे परिसर में भारी तबाही हुई। मामले में अंतरिम मोहम्मद यूनुस सरकार ने जांच समिति गठित की गई और मंगलवार को राष्ट्रीय शोक दिवस घोषित किया गया।

पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी के प्रमुख नेताओं को 10 वर्ष जेल की सजा

लाहौर और सरगोधा की दो आतंकवाद-रोधी अदालतों ने रात नौ बजे के बाद कारागारों में सुनाया फैसला

लाहौर,23 जुलाई (एजेंसियां)।
पाकिस्तान के लाहौर और सरगोधा की दो अदालतों ने रात करीब साढ़े नौ बजे अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के कई नेताओं को 10 वर्ष के जेल की सजा सुनाई। इन सभी के खिलाफ 09 मई, 2023 को इमरान की भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद देश में फैली हिंसा के आरोप में दर्ज मामलों पर यह फैसला आया है।

खबर के अनुसार, लाहौर आतंकवाद–रोधी अदालत के जज अरशद जावेद ने कोट लखपत जेल में रात करीब साढ़े नौ बजे शेरपाओ ब्रिज हिंसा मामले में फंसे पीटीआई नेताओं की मौजूदगी में यह फैसला सुनाया। अदालत ने डॉ. यास्मीन राशिद, सीनेटर एजाज चौधरी, पूर्व गवर्नर उमर सरफराज चीमा और पूर्व प्रांतीय मंत्री मियां महमूदुर राशिद को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। पीटीआई के चार वरिष्ठ नेताओं के अलावा जज ने अफजाल अजीम पहाट, अली हसन, खालिद कयूम और रियाज हुसैन समेत कई आरोपितों को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

हालांकि, अदालत ने पीटीआई के उपाध्यक्ष और पूर्व विदेशमंत्री शाह महमूद कुरैशी को बरी कर दिया। लाहौर में 09 मई को हुए दंगों से जुड़े किसी भी मामले में यह पहला फैसला है। जज ने कुरैशी सहित छह आरोपितों को बरी कर दिया। बचाव पक्ष के अनुसार कथित हिंसा के दिन उनके मुवक्किल कराची में थे। पीटीआई कार्यकर्ता हमजा अजीम, ऐतजाज रफीक, राणा तनवीर, इफ्तिखार अहमद और जायस खान को भी बरी कर दिया गया।

सुरक्षा कारणों से जेल में चले मुकदमे के दौरान 14 आरोपितों पर अभियोग लगाया गया था। अभियोजन पक्ष ने 28 सितंबर, 2023 को चालान (आरोप–पत्र) पेश किया था। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि 09 मई की साजिश 07 मई को इमरान खान के आवास जमान पार्क में रची गई थी।

बचाव पक्ष के वकील मलिक ने तर्क दिया कि प्राथमिकी में 400 आरोपितों का उल्लेख है, लेकिन मुकदमा 14 पर ही चलाया जा रहा है। वकील ने यह भी बताया कि 09 मई को किसी भी व्यक्ति के घायल होने का कोई मेडिकल प्रमाण पत्र मौजूद नहीं है।

उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष कथित घटनास्थल पर पीटीआई नेताओं की मौजूदगी साबित करने में विफल रहा। कुरैशी के बारे में उन्होंने कहा कि पूर्व विदेश मंत्री 9 मई, 2023 को कराची में थे। सरवर रोड पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें दावा किया गया कि आरोपियों ने 09 मई के व्यापक हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान शेरपाओ ब्रिज पर भड़काऊ भाषण दिए और दंगे भड़काए।

सरगोधा आतंकवाद–रोधी अदालत ने भी कारागार में मूसाखेल पुलिस स्टेशन में दर्ज 09 मई के एक दंगा मामले में पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता अहमद खान भाचर सहित दर्जनों पीटीआई नेताओं को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। जज नईम शेख ने मौजूदा सांसद अहमद चट्ठा और पूर्व सांसद राणा बिलाल एजाज समेत 32 आरोपितों को दोषी ठहराया। इस मामले में नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब खान समेत 70 से अधिक आरोपितों को भगोड़ा घोषित किया गया था।

मुकदमे की सुनवाई के दौरान एक दर्जन से ज्यादा अभियुक्तों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दी गई। 09 मई के मामलों में दोषी ठहराए गए पीटीआई सांसदों को संविधान के अनुच्छेद 63(1) (जी) के तहत स्वत: अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

सजा पर टिप्पणी करते हुए उमर अयूब खान ने कहा कि सरगोधा अदालत का फैसला गैरकानूनी है। एक्स अकाउंट पर एक बयान में उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाहों को पिछले ट्रायल जज ने अविश्वसनीय घोषित किया था।

पीटीआई नेताओं को अन्यायपूर्ण तरीके से दोषी ठहराया गया। उन्होंने कहा कि पीटीआई नेता उच्च न्यायालयों में इस सजा को चुनौती देंगे। उन्होंने डॉ. यास्मीन राशिद, मियां मोहम्मद उर रशीद, सीनेटर एजाज चौधरी और पूर्व राज्यपाल उमर चीमा व अन्य को सजा सुनाए जाने की निंदा की। खान ने कहा कि पाकिस्तान में कानून का राज दफन हो चुका है।

चीन ने अमेरिका के एक सरकारी कर्मचारी को देश छोड़ने से रोका, वॉशिंगटन ने जताई गहरी चिंता

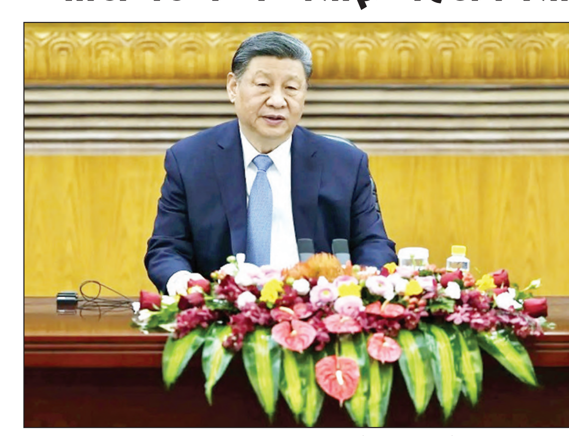

वाशिंगटन,23 जुलाई (एजेंसियां)।

चीन ने अमेरिका के एक सरकारी कर्मचारी को देश छोड़ने से रोक दिया है, जिसकी पुष्टि अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को की। यह कर्मचारी निजी यात्रा पर चीन गया था, लेकिन अब उसे वहां से निकलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। यह घटना अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच सामने आई है।

विदेश विभाग ने कर्मचारी की पहचान उजागर नहीं की, लेकिन बताया कि वह अमेरिकी पेटेंट और ट्रेडमार्क कार्यालय से जुड़ा है, जो कि वाणिज्य विभाग के अंतर्गत आता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम इस मामले पर बहुत नजदीकी से निगरानी रखे हुए हैं और जल्द समाधान के लिए चीनी अधिकारियों के साथ बातचीत जारी है। विदेश विभाग ने बयान में कहा, अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा और उनकी रिहाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दरअसल, चीन में यदि कोई व्यक्ति किसी जांच या कानूनी विवाद में शामिल होता है, तो उसके देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। लेकिन पश्चिमी देशों ने आरोप लगाया है कि चीन इस नीति का मनमाने ढंग से दुरुपयोग करता है और विदेशी नागरिकों को भी इससे प्रभावित किया जाता है।

इसी नीति के चलते हाल ही में वेल्स फारगो बैंक की एक अमेरिकी कर्मचारी चेन्युए माओ को भी चीन छोड़ने से रोका गया था, जिसके बाद बैंक ने चीन के लिए सभी यात्राएं स्थगित कर दी हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने माओ के मामले पर कहा कि वह एक आपराधिक जांच का हिस्सा हैं और कानून के तहत उनके बाहर जाने पर रोक है।

हालांकि उन्होंने अमेरिकी सरकारी कर्मचारी के मामले में कहा, इस बारे में मेरे पास कोई जानकारी नहीं है। अमेरिका पहले भी चीन में लागू इस तरह की नीतियों को लेकर चिंता जाहिर कर चुका है और अपने नागरिकों को वहां यात्रा करने से पहले सोचने की सलाह दी थी।

समुद्र की गहराइयों में रहते थे विशाल हाथी, ड्रैगन और इंसान

हाल ही में वैज्ञानिकों ने इंडोनेशिया के समुद्र की गहराइयों में छिपी एक ऐसी रहस्यमयी दुनिया की खोज की है, जो हजारों वर्षों से पानी के नीचे दफन थी। यहां मिले अवशेषों से पता चलता है कि लगभग 1,40,000 साल पहले तक यह क्षेत्र इंसानों और विलुप्त प्रजातियों का घर था। इंडोनेशिया के तट से दूर इस स्थान पर पुरातत्वविदों को कुछ ऐसे प्रमाण मिले हैं जो यह दर्शाते हैं कि कभी यह इलाका जीवों और इंसानों की एक समृद्ध दुनिया हुआ करता था। शोधकर्ताओं को यहां हाथी जैसे विशालकाय जानवर स्टेगोडोन के जीवाश्म मिले हैं, जिसकी ऊंचाई लगभग 13 फुट मानी जा रही है। इसके अलावा कोमोडो ड्रैगन, भैंस, हिरण और अन्य विलुप्त जानवरों के अवशेष भी पाए गए हैं। सबसे महत्वपूर्ण खोजों में से एक होमो इरेक्टस की खोपड़ी के टुकड़े हैं, जिन्हें नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने पहचाना है।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की सक्रिय राजनीति में वापसी पर प्रधानमंत्री ओली ने लगाया ब्रेक

काठमाडू,23 जुलाई (एजेंसियां)।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी के सक्रिय राजनीति में आने की घोषणा पर पार्टी अध्यक्ष और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने ब्रेक लगा दिया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) की केंद्रीय समिति की बैठक में भंडारी की पार्टी सदस्यता खारिज करने और सक्रिय राजनीति में कोई भूमिका नहीं देने का निर्णय किया गया है।

सीपीएन–यूएमएल ने निष्कर्ष निकाला है कि पूर्व राष्ट्रपति भंडारी, जिन्होंने नेपाल सेना के राष्ट्राध्यक्ष और कमांडर–इन–चीफ के रूप में कार्य किया है, उन्हें पार्टी की राजनीति में वापस नहीं लौटना चाहिए।

यूएमएल के प्रचार प्रमुख राजेंद्र गौतम के अनुसार, मंगलवार को आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक के दौरान पार्टी ने निष्कर्ष निकाला कि एक पूर्व राष्ट्रपति को जो गणतंत्र का प्रतीक होता है उन्हें पार्टी का नेता या कैडर बनाना संविधान की भावना के खिलाफ होगा।

मंगलवार की मध्यरात तक चली पार्टी बैठक के बाद एक प्रेस ब्रीफिंग में गौतम ने कहा कि पार्टी पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी का सम्मान करती है, लेकिन जिस व्यक्ति ने इस तरह का उच्च संवैधानिक पद संभाला है, उसे फिर से किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधित्व नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की भागीदारी राष्ट्रपति पद की गरिमा को कमजोर करेगी और जनता की आलोचना को आमंत्रित करेगी।

पार्टी की बैठक में केपी शर्मा ओली को यूएमएल अध्यक्ष के रूप में बने रहने का भी समर्थन मिला, जिसमें 70 साल की आयु सीमा और दो कार्यकाल की सीमा को हटा दिया गया। इन संशोधनों को आगामी विधान सम्मेलन में पारित किए जाने की उम्मीद है। गौतम ने कहा कि बैठक में बोलने वाले अधिकांश नेताओं ने मिशन–2084 अभियान के लिए ओली के निरंतर नेतृत्व का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि उपाध्यक्ष सुरेंद्र पांडे और युवराज ज्ञवाली सहित कुछ नेता और स्थायी समिति के सदस्य कर्ण बहादुर थापा भंडारी को वापस लौटने से रोकने के फैसले से असहमत थे।

पाकिस्तान में मानसून का कहर, नदी-नाले उफान पर, भूस्खलन, रास्ते बंद, 234 लोगों की मौत

इस्लामाबाद,23 जुलाई (एजेंसियां)।
पाकिस्तान मानसून से त्राहिमाम–त्राहिमाम है। बरसात, बाढ़ और भूस्खलन से रास्ते बंद हो गए हैं। बादलों के फटने से बड़ी तबाही हुई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के ताजा आंकड़े हृदयविदारक हैं। इन आंकड़ों में 26 जून से अब तक कम से कम 234 लोगों की मौत होने की जानकारी दी गई है। कहा गया है कि 596 लोग घायल हुए हैं और 826 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राहत, बचाव और खोज अभियान में सेना को शामिल किया गया है।

खबर में एनडीएमए के ताजा आंकड़े साझा किए गए हैं। कहा गया है कि अब तक 203 पशुओं की मौत हो चुकी है। बड़े पैमाने पर परिवार विस्थापित हुए हैं। मुल्क में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रभावित हुआ। राहत, बचाव और खोज अभियान के तहत 450 लोगों को बचाया गया है। प्रभावित लोगों की सहायता के लिए 27 राहत और चिकित्सा शिविर स्थापित किए गए हैं।

प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि खतरा अभी टला नहीं है। उत्तरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कभी भी बारिश शुरू हो सकती है। गिलगित–बाल्तिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में स्थिति गंभीर है। डायमर के उपायुक्त अत्ता–उर–रहमान के अनुसार, सोमवार को बादल फटने से बाबूसर में चार पर्यटकों और एक स्थानीय निवासी सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। एक दर्जन से अधिक लोग लापता हैं। बचाव और खोज अभियान जारी है। बाबूसर रोड का सात–आठ किलोमीटर का हिस्सा ध्वस्त हो गया है। 200 से अधिक फंसे हुए पर्यटकों को बचाकर चिलास लाया गया।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि हताहतों की संख्या का ब्यौरा देश भर में बारिश से जुड़ी घटनाओं से हुई तबाही की एक भयावह तस्वीर पेश करता है। इसमें बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। मानसून के कहर से पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांत है। प्रांत में 48 पुरुषों, 24 महिलाओं और 63 बच्चों सहित 135 लोगों की मौत हो चुकी है। 470 लोग घायल हुए हैं। खैबर–पख्तूनख्वा में 56 लोगों की जान गई है। इनमें 16 पुरुष, 10 महिलाएं और 30 बच्चे शामिल हैं।

इस बीच पिछले 24 घंटे में सिंध में 24, बलूचिस्तान में 16, पीओके में दो और इस्लामाबाद में एक बच्चे की मौत हो गई। मलम जब्बा के सुर ढेराई में दो छोटे लड़के अपनी मां के साथ नाला पार करते समय डूब गए। गूजर बंद शांको में मकान ढहने से तीन बच्चों की मौत हो गई। देशभर में हजारों विस्थापित नागरिकों की सहायता के लिए लाइफ जैकेट, स्वच्छता किट, प्लास्टिक मैट और जेरी कैन सहित अतिरिक्त आपूर्ति की जा रही है।

पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, गिलगित–बल्गेरियाई, अजरबैजान, इस्लामाबाद और पीओके में तेज बारिश जारी रहने की चेतावनी जारी की है। इस्लामाबाद, रावलपिंडी, लाहौर, गुजरांवाला और अन्य प्रमुख शहरों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। मुर्री, गलियात, चित्राल और हुंजा में भूस्खलन होने की आशंका है।

यूएस ओलंपिक और पैरालंपिक समिति ने ट्रांसजेंडर महिलाओं के महिला खेलों में भाग लेने पर लगाई रोक

वाशिंगटन,23 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की ओलंपिक और पैरालंपिक समिति (यूएसओपीसी) ने अपनी नीति में बड़ा बदलाव करते हुए ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने से प्रतिबंधित कर दिया है। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में जारी किए गए कार्यकारी आदेश के अनुरूप लिया गया है। यूएसओपीसी ने अपनी एथलीट सुरक्षा नीति में किए गए संशोधन में कहा, यूएसओपीसी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी), अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) और राष्ट्रीय खेल महासंघों जैसे संबंधित निकायों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगा कि महिलाओं को निष्पक्ष और सुरक्षित प्रतिस्पर्धा का माहौल मिले, जो कार्यकारी आदेश और टेड स्टीवंस ओलंपिक एवं शौकिया खेल अधिनियम के अनुरूप हो। इस बदलाव को लेकर यूएसओपीसी ने फिलहाल किसी भी मीडिया सवाल का जवाब नहीं दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, यूएसओपीसी के अध्यक्ष जीन साइक्स और सीईओ सारा हिर्शलैंड ने टीम यूएसए समुदाय को एक मेमो भेजकर यह स्पष्ट किया कि एक संघीय चार्टर्ड संगठन होने के नाते, यूएसओपीसी की जिम्मेदारी है कि वह संघीय अपेक्षाओं का पालन करे।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने फरवरी 2025 में कीपिंग मेन आउट ऑफ वूमेन स्पोर्ट्स नामक एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इस आदेश के तहत ट्रांसजेंडर लड़कियों और महिलाओं को महिला खेलों से बाहर रखने का निर्देश दिया गया है।

समर्थकों का कहना है कि यह कदम खेलों में निष्पक्षता लाने के लिए जरूरी है, जबकि आलोचक इसे अल्पसंख्यक ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों के अधिकारों का उल्लंघन मानते हैं। इस आदेश में न केवल स्कूली और कॉलेज स्तर के खेलों को शामिल किया गया है, बल्कि इसमें अमेरिका में प्रतिस्पर्धा करने के लिए ट्रांसजेंडर महिलाओं को वीजा देने से इनकार करने का निर्देश भी शामिल है।

ट्रंप ने यह भी कहा कि वह 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में ट्रांसजेंडर एथलीटों को भाग लेने की अनुमति नहीं देंगे। आदेश के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्रालय को भी आईओसी पर दबाव डालने को कहा गया है ताकि वह अपनी मौजूदा नीति में बदलाव करे, जो वर्तमान में ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को कुछ मानकों के तहत प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति देती है। बताया जा रहा है कि इस आदेश का असर खिलाड़ियों के एक बहुत छोटे समूह पर ही पड़ेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

दूसरा अंडर-19 यूथ टेस्ट: मल्होत्रा के शतक के बावजूद इंग्लैंड का दबदबा, भारत बैकफुट पर

वॉस्टर। भारत के युवा बल्लेबाज़ विहान मल्होत्रा ने शानदार शतक (120 रन, 123 गेंद) लगाया, लेकिन इंग्लैंड के बाएं हाथ के स्पिनर राल्फी एल्बर्ट (6/53) की घातक गेंदबाज़ी के सामने भारतीय पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। इंग्लैंड ने दूसरे अंडर-19 यूथ टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक मजबूत बढ़त बना ली है। मल्होत्रा और अयुष म्हात्रे (80 रन, 90 गेंद) ने दूसरे विकेट के लिए 133 रन की तेज़ साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में ला दिया था। उस समय भारत का स्कोर 170/1 था और लग रहा था कि टीम पहली पारी में बड़ी बढ़त हासिल कर सकती है। लेकिन म्हात्रे के आउट होते ही इंग्लैंड ने मैच में वापसी की और भारत की पारी 279 रनों पर सिमट गई। भारत ने पहली पारी में इंग्लैंड के स्कोर 309 के मुकाबले 30 रन से पिछड़ते हुए महत्वपूर्ण बढ़त गंवा दी। इसके बाद इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 93 रन बना लिए हैं और कुल बढ़त 123 रन की हो गई है।

एथलेटिक बिलबाओ ने ओसासुना के डिफेंडर जीसस अरेसो को दूसरी बार टीम में किया शामिल

मैड्रिड। एथलेटिक बिलबाओ ने एक बार फिर राइट बैक जीसस अरेसो को ओसासुना से साइन कर लिया है। यह अरेसो का क्लब में दूसरा कार्यकाल होगा। अरेसो को लगभग 1.2 करोड़ यूरो (करीब 14 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की रिलीज क्लॉज के तहत साइन किया गया है और उन्होंने 2031 तक छह साल का अनुबंध किया है। इस ट्रांसफर में एथलेटिक ने एटलेटिको मैड्रिड की रुचि को पीछे छोड़ा। 26 वर्षीय अरेसो इससे पहले 2017 में 4.5 लाख यूरो में ओसासुना से एथलेटिक पहुंचे थे और क्लब की बी टीम के लिए 55 मुकाबलों में खेले। हालांकि, उन्होंने नया अनुबंध ठुकराकर 2021 में ओसासुना वापसी की थी। एक गंभीर पैर की चोट से उबरने के बाद, उन्होंने पिछले दो सीज़नों में ला लीगा में ओसासुना के लिए 76 मैच खेले। तेज और आक्रामक शैली में खेलने वाले अरेसो अब ओस्कार डी मार्कोस की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीज़न के अंत में क्लब के लिए रिकॉर्ड 572 मैच खेलने के बाद संन्यास ले लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने जोश इंगलिस की तूफानी पारी से वेस्टइंडीज को दूसरे टी-20 में 8 विकेट से हराया

जमैका। ऑस्ट्रेलिया ने जोश इंगलिस की धमाकेदार बल्लेबाजी की बदौलत बुधवार (भारतीय समयानुसार) को वेस्टइंडीज को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में आठ विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली है। इंगलिस ने मात्र 33 गेंदों में 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कैमरन ग्रीन ने 32 गेंदों में 56 रन बनाकर उनका बखूबी साथ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 173 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 15.2 ओवर में हासिल कर लिया और 28 गेंद शेष रहते मैच जीत लिया। इससे पहले, वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद अपने अंतिम मुकाबले में दर्शकों को झूमने का मौका दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में 36 रन ठोक डाले, जिसमें चार गगनचुंबी छक्के शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में बनाई 2-0 की बढ़त वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 172 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ एडम ज़म्पा ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 29 रन देकर तीन विकेट झटके। अब दोनों टीमों के बीच तीसरा टी20 मुकाबला शनिवार को सेंट किट्स एंड नेविस में खेला जाएगा ।

हरमनप्रीत कौर ने शब्द नहीं, शतक से दिया जवाब, की दमदार वापसी

नई दिल्ली,23 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में शानदार शतक जड़ते हुए न केवल अपनी फॉर्म में वापसी की, बल्कि भारत को श्रृंखला जीत दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। इस मैच में उन्होंने 100 रन की साहसिक पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज़ दोनों खिताब अपने नाम किए। दिखी हरमनप्रीत की दृढ़ता जब हरमनप्रीत 22 रन पर थीं, तब लॉरेन फिलर की एक गेंद पर इंग्लैंड ने एलबीडब्ल्यू की अपील पर रिव्यू नहीं लेने का फैसला किया, जो बाद में उनकी बड़ी भूल साबित हुई। उस समय भारत मुश्किल स्थिति में था, लेकिन कप्तान ने मोर्चा संभालते हुए टीम को संकट से निकाला।

लंबे अंतराल के बाद शतक

यह हरमनप्रीत का एक साल बाद आया वनडे शतक था। पिछली बार उन्होंने जून 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेंगलुरु में शतक जमाया था। इसके बाद से उन्होंने 13 पारियों में 29 की औसत से सिर्फ 319 रन बनाए थे। इस दौरान भारत की अन्य बल्लेबाजों जैसे स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल और जेमिमा रोड्रिग्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे हरमनप्रीत की फॉर्म पर सवाल उठने लगे थे।

दबाव में दिखाया कप्तानी अंदाज़

तीसरे वनडे में जब हरमनप्रीत बल्लेबाजी के लिए उतरीं, तब भारत के दोनों ओपनर आउट हो चुके थे। इंग्लैंड की स्पिन जोड़ी सोफी एक्लेस्टोन और चार्ली डीन दबाव बना चुकी थी। 11 गेंदों तक बिना रन बनाए खेलने के बावजूद हरमनप्रीत ने संयम नहीं खोया और धीरे-धीरे लय में आती गईं। उन्होंने हरलीन देओल के साथ 81 रन की साझेदारी की, जिसने एक्लेस्टोन जैसे गेंदबाज की ओवरों को जल्दी खत्म करने पर इंग्लैंड को मजबूर कर दिया।

4000 रन क्लब में शामिल

इस मैच में उन्होंने वनडे करियर का तीसरा शतक इंग्लैंड की धरती पर लगाया, जो उनके करियर का सबसे तेज़ शतक भी रहा। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में 4000 रन का आंकड़ा पार करने वाली भारत की तीसरी महिला खिलाड़ी बन गईं।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, यह मैच हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। मैंने खुद से कहा था कि मैदान पर टिकना है और टीम के लिए खेलना है। शुरुआत में रन नहीं मिल रहे थे लेकिन धैर्य रखा और सही समय आने का इंतजार किया। यह पारी मैं अपने पिता को समर्पित करती हूं जो इस तरह की पारी का काफी समय से इंतजार कर रहे थे।

जेमिमा के साथ साझेदारी में आया आक्रामक तेवर

एक समय 48 गेंदों पर 39 रन बनाकर खेल रहीं हरमनप्रीत ने जेमिमा रोड्रिग्स के आने के बाद रफ्तार पकड़ी। रोड्रिग्स ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए चार ओवरों में ही मैच का रुख बदल दिया। इसके बाद हरमनप्रीत ने भी अपने स्वाभाविक अंदाज में आक्रामकता दिखाई और अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाते हुए सिर्फ 28 गेंदों में पारी के दूसरे 50 रन पूरे किए।

वर्ल्ड कप से पहले अहम संदेश

हरमनप्रीत की यह पारी न सिर्फ भारत की जीत की नींव बनी, बल्कि उन्होंने वर्ल्ड कप से पहले टीम को यह विश्वास भी दिलाया कि मध्यक्रम में उनकी भूमिका अब भी उतनी ही निर्णायक है। यह पारी उनके नेतृत्व की परिपक्वता और संकट में खड़े रहने की क्षमता की जीती-जागती मिसाल थी।

डिविलियर्स की आक्रामक पारी से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने इंडिया चैम्पियंस को हराया

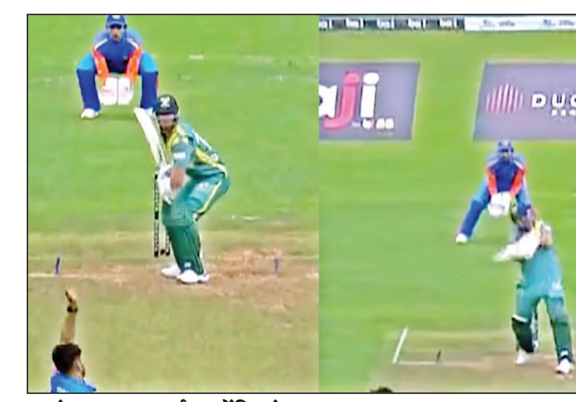

लंदन,23 जुलाई (एजेंसियां)।

स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स की आक्रामक पारी से वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने इंडिया चैम्पियंस को हरा दिया। इस मैच का आकर्षण डिविलियर्स की पारी रही। इस बल्लेबाज ने 30 गेंद में ही नाबाद 63 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने 4 छक्के और 3 चौके लगाए। इससे पता चलता है डिविलियर्स का अंदाज संन्यास के बाद भी नहीं बदला।

उनकी बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पयंस की टीम निर्धारित 20 ओवर के खेल में 6 विकेट के नुकसान पर 208 रन का स्कोर बनाया जिसका पीछा करते हुए इंडिया चैम्पियंस 111 रन ही बना पायी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी डिविलियर्स की बल्लेबाजी में बदलाव नहीं आया। उन्होंने अपने खास अंदाज में 360 डिग्री शॉट खेलकर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। डिविलियर्स की शानदार बल्लेबाजी के कारण ही दक्षिया अफ्रीकी चैम्पियंस ने वर्षा बाधित इस मैच में 88 रन से जीत हासिल की है।

डिविलियर्स ने इस मैच में जबरदस्त फील्डिंग की। उन्होंने युसूफ पठान का कैच जिस तरह से लिया उसे देख सभी हैरान रह गये। 41 साल की उम्र में भी डिविलियर्स ने गजब की तेजी दिखायी और लंबी दौड़ लगाकर डाइव करते हुए उन्होंने शानदार कैच लिया। डिविलियर्स का यह कैच अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वहीं इंडिया चैंपियंस की बल्लेबाजी बहुत ही खराब रही। दोनों ओपनर बल्लेबाज मिलकर सिर्फ 3 रन ही बना पाये। इसके बाद पूरी टीम बड़ी मुश्किल से 100 रनों के ऊपर पहुंची।

डीसी ओपन टेनिस

वाशिंगटन में कैमिरोन नोरिस डीसी ओपन टेनिस में खेलते हुए।

एनसीएसएसआर की पहली बैठक में मजबूत नैतिक निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया गया

नई दिल्ली,23 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के अंतर्गत राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम स्थित एसएआई मुख्यालय में अपनी संस्थागत नैतिक समिति (आईईसी) की पहली बैठक आयोजित की।

साई मीडिया की ओर से बुधवार को बताया गया कि वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के निदेशक प्रोफेसर और सामुदायिक चिकित्सा के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर जुगल किशोर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में प्रमुख संस्थानों और सरकारी निकायों के प्रतिष्ठित समिति सदस्य शामिल हुए। चर्चाएं अनुसंधान अनुमोदनों के लिए नैतिक प्रोटोकॉल के मानकीकरण, प्रतिभागियों के कल्याण की सुरक्षा और एनसीएसएसआर की सभी अनुसंधान पहलों में वैज्ञानिक अखंडता सुनिश्चित करने पर केंद्रित रहीं।

साई सचिव विष्णु कांत तिवारी ने कहा कि आईईसी की स्थापना खेल विज्ञान अनुसंधान में नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह समिति एनसीएसएसआर के तहत सभी वैज्ञानिक प्रयासों में पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सदस्य सचिव के रूप में कार्यरत एनसीएसएसआर के निदेशक ब्रिगेडियर (डॉ.) बिभु कल्याण नायक ने केंद्र द्वारा विभिन्न अंत: विषय अनुसंधान परियोजनाओं पर काम शुरू करने के दौरान मजबूत नैतिक निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य केवल खेल विज्ञान को आगे बढ़ाना नहीं है, बल्कि इसे ज़िम्मेदारी और नैतिक रूप से आगे बढ़ाना है। उन्होंने आगे कहा, इस पहली बैठक में हुए विचार-विमर्श भविष्य के सभी कार्यों के लिए आधारशिला का काम करेंगे। सत्र के दौरान समिति ने शोध परियोजना प्रस्तुत करने, मूल्यांकन और निगरानी की प्रक्रियाओं की समीक्षा की। साथ ही एथलीटों और मानव विषयों से संबंधित अध्ययनों पर भी चर्चा की। प्रमुख चिंताओं में सूचित सहमति, डेटा सुरक्षा और एथलीटों के स्वास्थ्य और प्रदर्शन पर शोध का दीर्घकालिक प्रभाव शामिल थे। प्रोफेसर जुगल किशोर ने कहा, मानव विषयों से जुड़े शोध में, खासकर खेल विज्ञान में जहां शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दोनों कारक भूमिका निभाते हैं, नैतिक जांच अनिवार्य है।

डीसी ओपन: टूर-स्तरीय एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बनीं विनस विलियम्स

वाशिंगटन,23 जुलाई (एजेंसियां)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विनस विलियम्स ने एक बार फिर से अपना जादू दिखाते हुए डीसी ओपन में मंगलवार रात अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टीयर्न्स को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ 45 वर्षीय विनस विलियम्स पेशेवर टेनिस में टूर-स्तरीय सिंगल्स मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन गई हैं।

इससे पहले यह उपलब्धि टेनिस की महान खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा ने 2004 में 47 साल की उम्र में हासिल की थी।

विनस के लिए यह जीत कई मायनों में खास रही। यह उनका लगभग दो वर्षों में पहला सिंगल्स मैच जीतना है। उन्होंने आखिरी बार अगस्त 2023 में सिनसिनाटी में सिंगल्स मैच जीता था और मार्च 2024 के बाद से किसी आधिकारिक सिंगल्स मैच में नहीं खेली थीं। इस दौरान वह गर्भाशय फाइब्रॉइड की सर्जरी के कारण टेनिस से दूर थीं

और डब्ल्यूटीए द्वारा निष्क्रिय घोषित की गई थीं।

मैच के बाद भावुक विनस ने कहा, इतने लंबे समय बाद लौटना और परफेक्ट मैच खेलना आसान नहीं होता। मैं सिर्फ अच्छा खेलना चाहती थी... और मैच जीतना भी।

पेटन स्टीयर्न्स, जो उम्र में विनस से 22 साल छोटी हैं और वर्तमान में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 35वें स्थान पर हैं, के खिलाफ विनस ने अपने पुराने अंदाज की झलक दी। उन्होंने पहले सेट में शानदार रिटर्न विनर से शुरुआत की और जल्द ही 4-2 की बढ़त हासिल कर ली।

मैच के दौरान दर्शकों का समर्थन भी जबरदस्त रहा। जैसे ही विनस मुख्य कोर्ट में उतरीं, 7,000 दर्शकों वाले स्टेडियम में जोरदार तालियां और जयकारे गूंज उठे। उनके हर ऐस पर (कुछ 110 मील प्रति घंटे से भी तेज) दर्शकों की प्रतिक्रिया रोमांचक रही।

हालांकि, खेल में उनकी लंबी गैरमौजूदगी के कुछ संकेत भी देखने को मिले — जैसे शुरुआती गेम में लगातार चार गलतियों से ब्रेक हो जाना। लेकिन उन्होंने जल्दी ही वापसी की और मैच के आखिर में 112 मील प्रति घंटे की सर्व के साथ जीत की मुहर लगाई।

अब विनस विलियम्स दूसरे दौर में पोलैंड की 27 वर्षीय और 5वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मैग्डालेना फ्रेच से भिड़ेंगी।

ग्रैंड स्लैम चैंपियन विनस के करियर की उपलब्धियां किसी प्रेरणा से कम नहीं हैं — उन्होंने अब तक 7 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब, 14 महिला डबल्स (सभी अपनी बहन सेरेना विलियम्स के साथ), और 2 मिक्स्ड डबल्स खिताब जीते हैं।

2027 रग्बी वर्ल्ड कप: एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ की मेजबानी करेगा युगांडा

कम्पाला। युगांडा 2027 रग्बी वर्ल्ड कप के लिए एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ मैच की मेजबानी करेगा। यह निर्णायक मुकाबला 26 जुलाई को कम्पाला स्थित मंडेला नेशनल स्टेडियम में नामीबिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच खेला जाएगा। अफ्रीकी क्वालिफायर में जिम्बाब्वे से हारने वाली नामीबिया की टीम के पास अब वर्ल्ड कप की दौड़ में बने रहने का यह अंतिम मौका होगा। अगर वे इस मैच में जीत हासिल करते हैं, तो उनकी उम्मीदें कायम रहेंगी। रग्बी अफ्रीका के अध्यक्ष हर्बर्ट मेंसाह ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमें खुशी है कि एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ युगांडा में आयोजित हो रहा है। यह युगांडा के लिए एक और बड़ा अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित करने का शानदार अवसर है। हम युगांडा सरकार और युगांडा रग्बी यूनियन के सहयोग के लिए आभारी हैं। यूएई की टीम मंगलवार को युगांडा पहुंच चुकी है। यदि यूएई यह मुकाबला जीतती है, तो वह नवंबर 2025 में होने वाले वर्ल्ड रग्बी रिपेशाज टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करेगी, जो उन्हें 2027 वर्ल्ड कप (ऑस्ट्रेलिया) के लिए एक और मौका देगा। रिपेशाज एक चार-टीमों का राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट होगा, जिसमें एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ विजेता, यूरोप की पांचवीं रैंक टीम, दक्षिण अमेरिका की तीसरी रैंक टीम, और दक्षिण अमेरिका/प्रशांत प्ले-ऑफ की हारने वाली टीम शामिल होंगी।

वोदका ब्रांड स्मिरनॉफ ने भारत में लांच किए तीन नए ब्रांड

नई दिल्ली,23 जुलाई (एजेंसियां)।

इंटरनेशनल वोदका ब्रांड स्मिरनॉफ ने भारत में तीन देसी स्वादों जामुन, आम और नींबू के साथ अपने नए प्रोडक्ट लॉन्च किए हैं।

देश में बढ़ती अल्कोहल की मांग को देखते हुए देशी और विदेशी ब्रांड अपने उत्पादों को स्थानीय रंग-रूप देने में जुटे हैं, और स्मिरनॉफ का यह कदम उसी दिशा में एक नया प्रयोग है।

भारतीय उपभोक्ताओं की भावनाओं और स्वाद की पसंद को ध्यान में रखते हुए स्मिरनॉफ ने मिंटी जामुन, मिर्ची मैंगो और जेस्टी लाइम जैसे फ्लेवर बाजार में उतारे हैं। कंपनी का मानना है कि जब ग्लोबल ब्रांड देसी स्वाद में ढलेंगे, तो ग्राहकों से भावनात्मक जुड़ाव और खरीदारी की संभावना बढ़ेगी। इन फ्लेवरों के जरिए न केवल एक अलग टेस्ट का अनुभव मिलेगा, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का माध्यम भी बन सकते हैं।

फिलहाल यह नए फ्लेवर केवल कुछ राज्यों कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में ही उपलब्ध हैं। लेकिन कंपनी की योजना है कि इन्हें धीरे-धीरे देश के अन्य हिस्सों में भी उतारा जाए। कंपनी का उद्देश्य है कि युवा वर्ग जो नए और अनोखे स्वादों की तलाश में रहता है, उसे एक एडवेंचरस और यादगार अनुभव दिया जाए।

डियाजियो इंडिया की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर रुचिरा जेटली के अनुसार, भारतीय युवा उपभोक्ता अब पारंपरिक से हटकर कुछ नया चाहते हैं। वे चाहते हैं कि वैश्विक ब्रांड उनके स्थानीय स्वाद और संस्कृति से जुड़ें। मिंटी जामुन भारतीयों के बचपन की यादों से जुड़ा हुआ स्वाद है, मिर्ची मैंगो आम के तीखेपन को एक नए अंदाज़ में पेश करता है, और जेस्टी लाइम पारंपरिक नींबू के स्वाद को ताज़गी से भर देता है। इन नए फ्लेवरों को लॉन्च करना कंपनी की मार्केट स्ट्रैटेजी का अहम हिस्सा है, जिससे वह भारतीय बाजार में और गहरी पैठ बनाना चाहती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सतर्क न होती...

जो भारत के खिलाफ युद्ध में थे। ऐसी सम्पत्तियों को जब्त करने का मकसद था कि इनका इस्तेमाल देश की सुरक्षा और विकास के लिए हो। शत्रु सम्पत्ति अधिनियम 1968 के तहत इन सम्पत्तियों की देखरेख के लिए कस्टोडियन ऑफ एनिमी प्रॉपर्टी फॉर इंडिया बनाया गया, जो गृह मंत्रालय के अधीन काम करता है। देशभर में ऐसी 13,252 सम्पत्तियां हैं, जिनमें से 12,485 पाकिस्तानी नागरिकों और 126 चीनी नागरिकों की हैं। इनकी कुल कीमत 1.04 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। इसमें भी सबसे ज्यादा सम्पत्तियां उत्तर प्रदेश (6,255) और पश्चिम बंगाल (4,088) में हैं।

उदाहरण के लिए, मुजफ्फरनगर में पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की आठ बिसवा जमीन थी, जिस पर मस्जिद और दुकानें बनी थीं। जांच में पाया गया कि ये शत्रु सम्पत्ति थी। इसी तरह भोपाल में नवाब हमीदुल्लाह खान की बेटी आबिदा सुल्तान 1950 में पाकिस्तान चली गई थी। उसकी सम्पत्तियां जैसे फ्लैग स्टाफ हाउस और नूर-उस-सबाह पैलेस भी शत्रु सम्पत्ति घोषित हुई। उसकी कीमत 15,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है। पाकिस्तान के तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ की यूपी के बागपत में 13 बीघा जमीन को 2024 में 1.38 करोड़ रुपए में नीलाम किया गया। ये सारी सम्पत्तियां भारत सरकार के कब्जे में हैं, ताकि इनका दुरुपयोग न हो।

शत्रु सम्पत्ति और वक्फ सम्पत्ति का बखेड़ा खड़ा किया जाता रहा है। कई शत्रु सम्पत्तियों को वक्फ बोर्ड ने अपने कब्जे में लेने की कोशिश की। इसका सबसे बड़ा कारण 1984 और 1995 के वक्फ कानूनों की खामियां थीं। 1984 में इंदिरा गांधी सरकार ने वक्फ कानून में एक संशोधन किया, जिसके तहत इवेक्यूइ प्रॉपर्टी (यानी वो सम्पत्तियां जो विभाजन के दौरान छोड़ी गई थीं) को वक्फ घोषित करने की छूट दी गई। अगर कोई सम्पत्ति पहले वक्फ थी, लेकिन बाद में शत्रु सम्पत्ति बन गई, तो उसे फिर से वक्फ में बदला जा सकता था। इसका मतलब यह हुआ कि जो सम्पत्तियां देश छोड़कर जा चुके लोगों की थीं, उन्हें वक्फ बोर्ड अपने नाम कर सकता था।

मोदी सरकार ने साल 2017 में कानून में संशोधन किया। 2017 में शत्रु सम्पत्ति (संशोधन और सत्यापन) अधिनियम लाया गया, जिसने इस कानून को और सख्त किया। इस संशोधन के जरिए कई अहम बदलाव किए गए मसलन, शत्रु की परिभाषा का विस्तार। अब शत्रु के वारिस, भले ही वे भारत के नागरिक हों, इन सम्पत्तियों पर दावा नहीं कर सकते। कस्टोडियन का मालिकाना हक यानि शत्रु सम्पत्ति का कस्टोडियन अब भारत सरकार है। इसके साथ ही सिविल कोर्ट की भूमिका खत्म हुई। शत्रु सम्पत्ति से जुड़े मामले अब सिविल कोर्ट में नहीं, बल्कि खास ट्रिब्यूनल में सुने जाएंगे। सरकार अब ऐसी सम्पत्तियों को बेच सकती है और इसका पैसा देश के खजाने में जमा हो सकता है।

राजा महमूदाबाद, यानी मोहम्मद अमीर अहमद खान एक प्रमुख शिया मुस्लिम परिवार से थे। महमूदाबाद एस्टेट के तहत उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में विशाल साम्राज्य था। उनके पिता मोहम्मद अली मोहम्मद खान ने 1931 में अपनी मृत्यु के बाद विशाल सम्पत्ति छोड़ी, जिसमें लखनऊ का बटलर पैलेस, हजरतगंज में महमूदाबाद मेंशन, नैनिताल में मेट्रोपोल होटल और सीतापुर में 956 एकड़ जमीन, एक चीनी मिल, पॉलिटेक्निक संस्थान और डिग्री कॉलेज शामिल थे। मोहम्मद अमीर अहमद खान 1945 में इराक चले गए और 1957 में पाकिस्तानी नागरिकता ले ली। वे मुस्लिम लीग के कोषाध्यक्ष और मोहम्मद अली जिन्ना के करीबी सहयोगी थे, जिन्होंने पाकिस्तान आंदोलन को वित्तीय और राजनीतिक समर्थन दिया। खास बात यह है कि अमीर अहमद खान ने अपनी सारी सम्पत्तियां पाकिस्तान को दान दे दी थीं। भारत में भी उनकी काफी सम्पत्तियां छूटी हुई थीं। भारत सरकार ने उनकी सम्पत्तियों को शत्रु सम्पत्ति अधिनियम 1968 के तहत जब्त कर लिया।

उनके बेटे मोहम्मद अमीर मोहम्मद खान (जिन्हें सुलेमान मियां भी कहा जाता था) भारतीय नागरिक थे और उन्होंने 1974 से अपनी पैतृक सम्पत्तियों को वापस पाने के लिए कानूनी लड़ाई शुरू की। यह लड़ाई 37 साल तक चली, जिसमें जिला अदालत, बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट शामिल थे। साल 2005 में सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला दिया, जिसमें कहा गया कि सुलेमान मियां भारतीय नागरिक हैं और शत्रु नहीं हैं। कोर्ट ने उनकी सभी सम्पत्तियों को वापस करने का आदेश दिया, जिनकी कीमत उस समय 20,000 से 50,000 करोड़ रुपए बताई गई। इनमें लखनऊ का बटलर पैलेस, हजरतगंज की प्राइम रियल एस्टेट, महमूदाबाद का किला और सीतापुर की विशाल जमीनें शामिल थीं।

साल 2005 में जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया, तब केंद्र में मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व में यूपीए सरकार थी। इस फैसले ने सरकार को असहज स्थिति में डाल दिया, क्योंकि इतनी विशाल सम्पत्तियां एक ऐसे परिवार को लौटाना, जिसके अब्बा ने पाकिस्तान आंदोलन का समर्थन किया था, राष्ट्रीय सुरक्षा और जनभावना के लिए संवेदनशील मुद्दा था। लेकिन यूपीए सरकार ने इस फैसले को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में कई कदम उठाए। लखनऊ जिला प्रशासन ने 21 दिसंबर 2005 को बटलर पैलेस की चाबी और छह अन्य सम्पत्तियों के दस्तावेज सुलेमान मियां को सौंप दिए।

कांग्रेस सरकार की इस कार्रवाई की कई वजहें थीं। सुलेमान मियां खुद 1985 और 1989 में कांग्रेस के टिकट पर महमूदाबाद से विधायक रह चुके थे, जिससे उनका पार्टी के साथ गहरा रिश्ता था। उस समय कांग्रेस की राजनीति में मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति थी। कई लोग मानते हैं कि कांग्रेस ने इस मामले में ढील बरती और सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से अपना पक्ष नहीं रखा, जिसके कारण इतनी बड़ी सम्पत्तियां राजा महमूदाबाद को लौटाने का रास्ता साफ हुआ।

हालांकि, इस फैसले के बाद भारी विवाद हुआ। कई राजनीतिक दलों खासकर भाजपा ने इसे राष्ट्रीय हितों के खिलाफ बताया। इसके जवाब में यूपीए सरकार ने 2010 में एक आकस्मिक अध्यादेश लाने की कोशिश की, जिसमें कहा गया कि शत्रु सम्पत्तियों पर केवल सरकार का अधिकार होगा। लेकिन यह अध्यादेश संसद में विधेयक के रूप में पेश नहीं हो सका, क्योंकि कांग्रेस के भीतर और बाहर से दबाव था। इस दबाव में सलमान खुर्शीद की अहम भूमिका थी, जिसने सुप्रीम कोर्ट वाले केस में राजा महमूदाबाद की पैरवी की थी और अगले ही साल वो यूपीए की केंद्र सरकार में कानून मंत्री जैसी हैसियत में थे। वरिष्ठ वकील और कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद उस समय केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री थे। वे राजा महमूदाबाद के वकील के तौर पर सुप्रीम कोर्ट में उनके पक्ष में लड़े। इस केस में उनके सामने पी. चिदंबरम, अरुण जेटली और राम जेठमलानी जैसे दिग्गज वकील थे, जो सरकार की तरफ से थे। खुर्शीद ने तर्क दिया कि सुलेमान मियां भारतीय नागरिक हैं और उनके पिता की गतिविधियों के आधार पर उन्हें शत्रु नहीं माना जा सकता। उनकी दलीलों ने 2005 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले में अहम भूमिका निभाई। लेकिन सलमान खुर्शीद की भूमिका सिर्फ कोर्टरूम तक सीमित नहीं थी। 2010 में जब यूपीए सरकार ने शत्रु सम्पत्ति अधिनियम को संशोधित करने के लिए अध्यादेश लाने की कोशिश की, तो खुर्शीद ने इसका विरोध किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मुलाकात कर एक मुस्लिम सांसदों के समूह का नेतृत्व किया, जिसमें लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव और मोहम्मद अदीब जैसे नेता शामिल थे। इस समूह ने तर्क दिया कि शत्रु सम्पत्ति कानून में संशोधन मुस्लिम विरोधी है और इससे भारतीय मुस्लिम समुदाय की भावनाएं आहत होंगी।

खुर्शीद की अगुआई में इस दबाव के चलते अध्यादेश को संसद में विधेयक के रूप में पेश नहीं किया गया। इसके अलावा अध्यादेश में एक प्रावधान था कि शत्रु सम्पत्ति के वारिस को 120 दिनों के भीतर अपनी भारतीय नागरिकता साबित करनी होगी। लेकिन जब विधेयक तैयार हुआ, तो इस प्रावधान को हटा दिया गया, जिससे शत्रु सम्पत्तियों पर दावे आसान हो गए। कई विश्लेषकों का मानना है कि खुर्शीद ने अपनी कानूनी और राजनीतिक पहुंच का इस्तेमाल कर राजा महमूदाबाद के पक्ष में माहौल बनाया और कांग्रेस सरकार को इस मामले में नरम रुख अपनाने के लिए मजबूर किया। इसके पीछे की वजहें स्पष्ट थीं। सलमान खुर्शीद का कांग्रेस में मजबूत प्रभाव था और मुस्लिम समुदाय के बीच उनकी खासी लोकप्रियता थी। राजा महमूदाबाद का कांग्रेस से पुराना रिश्ता था, क्योंकि सुलेमान मियां दो बार कांग्रेस विधायक रह चुके थे। इसके पीछे यूपीए सरकार की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति भी थी, जिससे वह मुस्लिम वोट बैंक को खुश रखना चाहती थी। इस पूरे मामले में खुर्शीद की भूमिका को साफ तौर पर वोट बैंक की राजनीति से जोड़कर देखा जा सकता है, क्योंकि उन्होंने इसे मुस्लिम समुदाय के हितों से जोड़ा, भले ही इसका राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ता।

मोदी सरकार ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 में शत्रु सम्पत्तियों को वक्फ बनने से रोकने के लिए कई सख्त कदम उठाए। पुराने वक्फ अधिनियम 1995 में कुछ खामियां थीं, जिनके चलते वक्फ बोर्ड मनमाने तरीके से सम्पत्तियों को वक्फ घोषित कर सकता था। उदाहरण के लिए, धारा 40 के तहत बोर्ड बिना ठोस सबूत के किसी भी सम्पत्ति को वक्फ बता सकता था और इसे केवल वक्फ ट्रिब्यूनल में चुनौती दी जा सकती थी। इससे कई शत्रु सम्पत्तियां जैसे मुजफ्फरनगर में लियाकत अली खान की जमीन, वक्फ के दावे में फंस गई थीं।

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 ने इन खामियों को दूर किया और इन अहम प्रावधानों के जरिए शत्रु सम्पत्तियों को वक्फ बनने से रोका। पुराने कानून में धारा 40 वक्फ बोर्ड को अनियंत्रित शक्ति देती थी। अब इसे हटा दिया गया है, जिससे बोर्ड बिना दस्तावेजी सबूत के किसी सम्पत्ति को वक्फ नहीं बता सकता। इससे शत्रु सम्पत्तियों पर वक्फ का दावा करना लगभग असंभव हो गया है। उदाहरण के लिए भोपाल में नवाब की सम्पत्तियां जो शत्रु सम्पत्ति हैं, अब वक्फ नहीं बन सकतीं। इस विधेयक ने एक केंद्रीय पोर्टल की व्यवस्था की है, जहां सभी वक्फ सम्पत्तियों का रिकॉर्ड पारदर्शी तरीके से रखा जाएगा। इससे केवल वैध दस्तावेजों वाली सम्पत्तियां ही वक्फ मानी जाएंगी। शत्रु सम्पत्तियों जैसे लियाकत अली खान की जमीन अब वक्फ के नाम पर कब्जा नहीं किया जा सकेगा।

पुराने कानून की धारा 108 और 108ए जो शत्रु सम्पत्तियों को वक्फ में बदलने की छूट देती थीं, अब खत्म कर दी गई हैं। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी शत्रु सम्पत्ति वक्फ नहीं बन सकती। उदाहरण के लिए विजयपुरा (कर्नाटक) में 123 एकड़ जमीन पर वक्फ बोर्ड का दावा खारिज हुआ, क्योंकि वह शत्रु सम्पत्ति थी। अब जिला कलेक्टर को वक्फ सम्पत्तियों की जांच का अधिकार है। अगर कोई सम्पत्ति शत्रु सम्पत्ति निकलती है, तो कलेक्टर उसे वक्फ घोषित होने से रोक सकता है। यह प्रावधान वक्फ बोर्ड की मनमानी को रोकता है। विधेयक में मुतवल्ली (वक्फ सम्पत्ति के प्रबंधक) की जवाबदेही बढ़ाई गई है। अगर कोई मुतवल्ली रिकॉर्ड नहीं रखता या सम्पत्ति का दुरुपयोग करता है, तो उसे हटाया जा सकता है। इससे शत्रु सम्पत्तियों को गलत तरीके से वक्फ बताने की कोशिशें रुकेंगी।

अगर वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 में ये प्रावधान न किए जाते तो शत्रु सम्पत्तियां वक्फ बोर्ड के कब्जे में जा सकती थीं। उदाहरण के लिए महमूदाबाद की सम्पत्तियां, जिनकी कीमत 50,000 करोड़ रुपए से ज्यादा थी, वक्फ के नाम पर जा सकती थीं। इससे न सिर्फ आर्थिक नुकसान होता, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा हो सकता था, क्योंकि ऐसी सम्पत्तियों का दुरुपयोग देश के खिलाफ हो सकता था। साथ ही वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्तियां और बढ़ जातीं, जिससे आम लोगों की सम्पत्तियों पर भी गलत दावे हो सकते थे। जैसे, विजयपुरा में 123 एकड़ जमीन और मुनंबम (केरल) में कई सम्पत्तियों पर वक्फ बोर्ड ने दावे किए थे, जो शत्रु सम्पत्तियां थीं।

कांग्रेस नीत यूपीए सरकार ने 2005 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राजा महमूदाबाद को हजारों करोड़ रुपए की सम्पत्तियां लौटाने में अहम भूमिका निभाई। इस प्रक्रिया में सलमान खुर्शीद की भूमिका निर्णायक थी, जिन्होंने न सिर्फ कोर्ट में सुलेमान मियां का पक्ष मजबूती से रखा, बल्कि 2010 में अध्यादेश को कमजोर करने के लिए मुस्लिम सांसदों का नेतृत्व कर सरकार पर दबाव बनाया। लेकिन वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 और शत्रु सम्पत्ति (संशोधन) अधिनियम 2017 ने ऐसी सम्पत्तियों को वक्फ बनने से रोकने के लिए सख्त कदम उठाए।

मोदी सरकार ने राजा महमूदाबाद की सम्पत्तियों को वापस करने से इन्कार कर दिया है। ये मामला कोर्ट में लंबित है और अब मौजूदा कानूनों के तहत इनका वापस राजा महमूदाबाद के वारिसों तक पहुंचना असंभव है। ऐसे में साफ है कि मोदी सरकार के लाए इन कानूनों ने न सिर्फ वक्फ बोर्ड की मनमानी पर लगाम लगाई, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि शत्रु सम्पत्तियां देश के हित में रहें। मोदी सरकार का यह कदम न सिर्फ आर्थिक और कानूनी पारदर्शिता को बढ़ाते हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करते हैं।

सड़क छाप...

सांसदों से मेरी अपेक्षा रहती है कि संसद के अंदर आपका आचरण, व्यवहार, कार्यपद्धति मर्यादित रहना चाहिए। देश की जनता ने आपको यहां पर उनकी आवाज, उनकी चुनौतियों, उनकी अपेक्षाएं और देश के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भेजा है।

लोकसभा स्पीकर ने कहा, आपका जो व्यवहार है वह सड़क-छाप है। आप यह ओछा आचरण और व्यवहार संसद में कर रहे हैं। यह पूरा देश देख रहा है। मैं सभी राजनीतिक दलों से कहता हूं कि देश उनके सदस्यों के आचरण को देख रहा है। मैं दोबारा कह रहा हूं कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। आप जाइए, सदन में बैठिए और मुद्दों पर चर्चा कीजिए। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ने कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ है। बीते दो दिनों से लगातार संसद की कार्रवाई हंगामे की भेंट चढ़ रही है। पहले दिन विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे को लेकर हंगामा किया। इसके बाद दूसरे दिन बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हंगामा हुआ। संसद के अंदर से लेकर बाहर तक सियासी संग्राम देखने को मिला। विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा में बिहार एसआईआर का मुद्दा उठाया और जमकर हंगामा किया। नारेबाजी और हंगामे के कारण कार्यवाही नहीं चल सकी।

मंत्री को मंत्र...

120 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सके। ब्रिटेन भारत में छठा सबसे बड़ा निवेशक है, जिसका कुल एफडीआई 36 अरब डॉलर है। दिलचस्प बात यह है कि भारत भी ब्रिटेन में एक प्रमुख निवेशक है, जिसका कुल एफडीआई लगभग 20 अरब डॉलर है। मिस्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ब्रिटिश समकक्ष के साथ भारत-ब्रिटिश द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे। भगोड़ों अपराधियों के प्रत्यर्पण पर उन्होंने कहा, हम एक-दूसरे के सम्पर्क में हैं। तहव्वुर राणा जैसे अन्य लोगों का प्रत्यर्पण कैसे हो सकता है इस पर भी चर्चा होगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले एक साल में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से दो बार मिल चुके हैं। वह नवंबर 2024 में ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान और फिर जून 2025 में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे। इस दौरान दोनों के बीच कई बार टेलीफोन पर बातचीत भी हुई।

ब्रिटेन की यात्रा के बाद पीएम मोदी मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे, जो 25-26 जुलाई, 2025 तक होगी। प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मोइजु के आमंत्रण पर मालदीव जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की यह मालदीव की तीसरी यात्रा होगी। पीएम मोदी की यह मालदीव यात्रा, मालदीव में राष्ट्रपति मोइजु के सत्ता संभालने के बाद पहली बार किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का दौरा होगा।

तय है, भाजपा...

निर्वाचित सांसद, राज्यसभा में मनोनीत 12 सांसद और लोकसभा के 543 सांसद वोट डाल सकते हैं। इस तरह के कुल 788 लोग वोट डाल सकते हैं। हालांकि, चुनाव आयोग जब उपराष्ट्रपति चुनाव की तारीखों का एलान करेगा, तब वह लोकसभा और राज्यसभा में सभी मौजूदा सदस्यों की गिनती करेगा।संविधान के अनुच्छेद 66 में उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया का जिक्र है। यह चुनाव अनुपातिक प्रतिनिधि पद्धति से किया जाता है, जो कि लोकसभा या विधानसभा चुनाव की वोटिंग प्रक्रिया से बिल्कुल अलग है। उपराष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग सिंगल ट्रांसफरेबल वोट सिस्टम से होती है। चुनाव में खड़े होने के लिए किसी भी व्यक्ति को कम से कम 20 संसद सदस्यों को प्रस्तावक और कम से कम 20 संसद सदस्यों को समर्थक के रूप में नामित कराना होता है। उपराष्ट्रपति का प्रत्याशी बनने के लिए 15 हजार रुपए की जमानत राशि जमा करनी होती है। नामांकन के बाद फिर निर्वाचन अधिकारी नामांकन पत्रों की जांच करता है और योग्य उम्मीदवारों के नाम बैलट में शामिल किए जाते हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में संसद के दोनों सदनों के सदस्य वोट डालते हैं। इनमें राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी शामिल होते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में निर्वाचित सांसद और सभी राज्यों के विधायक मतदान करते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मनोनीत सांसद वोट नहीं डाल सकते हैं, लेकिन उपराष्ट्रपति चुनाव में ऐसा नहीं है। उपराष्ट्रपति चुनाव में ऐसे सदस्य भी वोट कर सकते हैं।

धनखड़ के इस्तीफे के बाद भावी रणनीति और नए उपराष्ट्रपति के चयन के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ही पार्टी के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ मैराथन बैठक की थी। अपना उपराष्ट्रपति बनाने के लिए भाजपा के सामने सहयोगियों को साधने के अलावा कोई बड़ी चुनौती नहीं है। भाजपा उपराष्ट्रपति का पद किसी सहयोगी दल को देने के मूड में नहीं है। उपराष्ट्रपति के पास राज्यसभा संचालन की अहम जिम्मेदारी होने के कारण पार्टी कोई समझौता नहीं करना चाहती। पार्टी यह पद संविधान की बेहतर समझ और अच्छी छवि रखने वाले किसी व्यक्तित्व को देने की तैयारी में है।

वर्तमान में राज्यसभा में 240, लोकसभा में 543 (कुल 783 सदस्य) हैं। बहुमत का आंकड़ा 392 (प्रथम वरीयता मत) है। भाजपा के पास लोकसभा में 240 और राज्यसभा में 99 सदस्य हैं। उसे 10 मनोनीत सदस्यों का समर्थन है। ऐसे में उसके पास 349 सदस्य हैं। यह आंकड़ा जीत के लिए जरूरी समर्थन से सिर्फ 43 कम है। सहयोगियों को जोड़ दें, तो संख्या 400 से ज्यादा है। पार्टी को उम्मीद है कि उपयुक्त दावेदार पर अगले हफ्ते तक सहमति बन जाएगी।

संविधान के अनुच्छेद 66 (1) में प्रावधान है कि चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से कराया जाएगा और ऐसे चुनाव में गुप्त मतदान होगा। नए उपराष्ट्रपति का चुनाव पूरे कार्यकाल के लिए होगा। इसका मतलब है कि जो भी उपराष्ट्रपति चुना जाएगा, वह 2027 तक नहीं बल्कि पूरे पांच साल पद पर रहेगा। 74 साल के धनखड़ देश के 14वें उपराष्ट्रपति थे और उनका कार्यकाल अभी 10 अगस्त 2027 तक था। अगले उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में संख्याबल के हिसाब से सत्तारूढ़ राजग मजबूत स्थिति में है। उपराष्ट्रपति के चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य मतदान करते हैं। उच्च सदन के मनोनीत सदस्य भी वोट देने के पात्र होते हैं। 543 सदस्यीय लोकसभा में एक सीट खाली है, जो पश्चिम बंगाल की बशीरहाट सीट है। 245 सदस्यीय राज्यसभा में पांच सीट रिक्त हैं, जिनमें से चार जम्मू-कश्मीर और एक पंजाब से है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की प्रभावी संख्या 786 है और उपराष्ट्रपति के चुनाव में विजयी उम्मीदवार को 394 वोट जीतने की जरूरत होगी, बशर्ते कि सभी पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें। लोकसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पास 293 सदस्य हैं, वहीं राज्यसभा में भी उसे 129 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है, जिसमें मनोनीत सदस्य भी शामिल हैं। इस तरह सत्तारूढ़ गठबंधन को 786 सदस्यों में से 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है, जो उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए जरूर 394 वोट से बहुत अधिक है।

बिहार में 18...

इस दौरान पता चला कि, राज्य के 52.30 लाख मतदाता अपने पते पर मौजूद नहीं मिले। वहीं, 18.5 लाख मतदाता ऐसे पाए गए जिनकी मृत्यु हो चुकी है। जबकि 26 लाख लोगों ने अपना पता स्थायी रूप से बदल लिया है। लगभग 7.5 लाख मतदाता भी किसी न किसी वजह से अपने पते पर नहीं पाए गए। इस विशेष पुनरीक्षण का मकसद है कि मतदाता सूची को साफ और सही बनाया जाए ताकि कोई फर्जी नाम या दोहराव न हो। साथ ही जिन लोगों की मृत्यु हो गई है या जो कहीं और चले गए हैं, उनके नाम सूची से हटाए जा सकें।

चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है कि सभी पात्र मतदाताओं को ड्राफ्ट सूची में शामिल किया जाए। आयोग उन मतदाताओं का पता लगा रहा है जिन्होंने अभी तक अपने गणना फॉर्म जमा नहीं किए हैं या जो अपने पते पर नहीं पाए गए हैं। इसके लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) और बीएलओ ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें की हैं। चुनाव आयोग ने लोगों से अपील की है कि जो मतदाता अब तक फॉर्म नहीं भर पाए हैं, वे जल्द से जल्द निर्वाचन कार्यालय या बीएलओ से सम्पर्क करें। बिहार में मतदाता सूची को अपडेट करने का काम लगभग पूरा हो चुका है। यह प्रक्रिया राज्य में साफ-सुथरे और निष्पक्ष चुनाव के लिए एक अहम कदम मानी जा रही है।

विदेशों में रखे ...

अधिनियम, 2015 के तहत 1,021 आकलन पूरे हो चुके हैं। इनके जरिए लगभग 35,105 करोड़ रुपए से अधिक के कर और जुर्माने की मांग की गई है। कुल 163 अभियोजन शिकायतें दर्ज की गई हैं।

उन्होंने कहा कि कर की मांग तब निर्णायक रूप से स्पष्ट हो जाती है जब आयकर आयुक्त (अपील), आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी), उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपीलों, यदि कोई हों, का निर्णय हो जाता है। काला धन अधिनियम, 2015 के तहत, करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करते समय निर्दिष्ट अनुसूचियों में सभी विदेशी सम्पत्तियों और आय का खुलासा करना अनिवार्य है। खुलासा नहीं करने पर जुर्माना लगाया जा सकता है। चौधरी ने बताया कि भारत को 100 से ज़्यादा विदेशी कर क्षेत्राधिकारों से विदेशी सम्पत्तियों और आय के बारे में सूचना मिलती है।

दूसरी तरफ, सरकार ने साइबर अपराध को लेकर जो सूचनाएं सदन में दी हैं, वह काफी गंभीर और खतरनाक हैं। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि साइबर अपराधी हमारी जेब से रोजाना 63 करोड़ रुपए उड़ा रहे हैं। साइबर अपराधियों ने पिछले साल लोगों को अपने जाल में उलझाकर 22,845.73 करोड़ रुपए लूट लिए। यह वर्ष 2023 की तुलना में 206 प्रतिशत अधिक है। यानी, साइबर अपराधियों के हाथों नागरिकों ने हर महीने 190 करोड़ रुपए और रोजाना 63 करोड़ रुपए गंवा दिए। गृह राज्यमंत्री बी. संजय कुमार ने लोकसभा में बताया कि 2023 में साइबर अपराधियों ने 7,465.18 करोड़ ठगे थे। अब तक केंद्र सरकार की ओर से 9.42 लाख से अधिक सिम कार्ड और 2.63 लाख आईएमईआई ब्लॉक किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि साइबर अपराध के मामले में सालभर में ही करीब 12 लाख बढ़ गए। वर्ष 2024 में इसके 36,37,288 मामले सामने आए। वहीं, 2023 में साइबर अपराध की 24,42,978 घटनाएं दर्ज हुईं। वर्ष 2022 में साइबर अपराध के 10,29,026 मामले सामने आए, जो 2023 की तुलना में 55.15 प्रतिशत कम थे। वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर अपराध रोकने के लिए शुरू नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग व प्रबंधन प्रणाली पर 17.82 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। इससे 5,489 करोड़ रुपए से अधिक की राशि बचाई गई है।

यूएन में भारत ने ...

पाकिस्तान को आइना दिखाया। राजदूत हरीश ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण चर्चा है। जब संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे हो रहे हैं, तो यह इस पर विचार करने का एक अच्छा समय है कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर में बताए गए बहुपक्षवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के विचार को अब तक कितना हासिल किया जा सका है। साथ ही, यह भी समझने का समय है कि इस रास्ते में क्या-क्या रुकावटें आईं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद के पहले चालीस वर्षों में उपनिवेशवाद का अंत हुआ और शीत युद्ध का दौर चला। उस समय संघर्षों को काफी हद तक रोका और संभाला जा सका। इन कोशिशों में संयुक्त राष्ट्र की अहम भूमिका रही। वास्तव में, साल 1988 में संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना को नोबेल शांति पुरस्कार भी दिया गया था। शीत युद्ध के अंत के बाद दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में कई तरह के नए संघर्ष शुरू हो गए। इसी के साथ संयुक्त राष्ट्र की शांति बनाए रखने वाली गतिविधियों का तरीका भी बदलने लगा।

उन्होंने कहा, पिछले कुछ दशकों में संघर्षों का स्वरूप भी बदल गया है। अब सरकार से नॉन-स्टेट एक्टर्स (गैर सरकारी अराजक तत्व) की बढ़ती संख्या सामने आई है, जिन्हें कई बार कुछ देश समर्थन देकर अपने हितों के लिए इस्तेमाल करते हैं। इसके साथ ही आधुनिक डिजिटल और संचार तकनीकों की मदद से सीमा के आर-पार पैसा, हथियार, आतंकवादियों का प्रशिक्षण और चरमपंथी विचारधारा और तेजी से फैल रहे हैं। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों का भविष्य क्या होगा इस पर गंभीर चर्चा हो रही है। साथ ही, शांति स्थापित करने की प्रक्रिया अब और भी ज्यादा महत्व पाने लगी है। क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका भी इस दिशा में बढ़ी है। उदाहरण के लिए, अफ्रीकी संघ ने अपने सदस्य देशों के बीच के विवादों को सुलझाने में सही ढंग से भागीदारी निभाई है।

उन्होंने कहा, शांति से विवादों को सुलझाने के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय छह की शुरुआत इस बात को मान्यता देने से होती है कि किसी भी विवाद को सबसे पहले उसी में शामिल पक्षों को आपसी बातचीत और अपने चुने हुए शांतिपूर्ण तरीकों से सुलझाना चाहिए। किसी भी संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान तभी संभव है, जब उसमें शामिल देशों की सहमति और उनका सक्रिय योगदान हो। अगर कोई देश अच्छे पड़ोसी संबंधों और अंतरराष्ट्रीय नियमों की भावना का उल्लंघन करता है, तो उसे इसकी गंभीर कीमत चुकानी चाहिए।

पी हरीश ने कहा, हाल ही में 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक खौफनाक आतंकवादी हमला हुआ, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटक मारे गए। इसके बाद 25 अप्रैल को सुरक्षा परिषद ने एक बयान जारी किया, जिसमें सभी सदस्य देशों ने इस घृणित आतंकवादी हमले के दोषियों, साजिशकर्ताओं, मददगारों और समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत पर जोर दिया। इस पृष्ठभूमि में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसका मकसद पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में मौजूद आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाना था। यह अभियान सीमित, संतुलित और किसी तरह से उकसावे वाला नहीं था। जब अपने मुख्य लक्ष्य पूरे कर लिए गए, तो पाकिस्तान के अनुरोध पर सैन्य कार्रवाई तुरंत रोक दी गई। उन्होंने कहा, किसी भी विवाद को सुलझाने के लिए एक ही तरीका सब पर लागू नहीं हो सकता। समय के साथ हालात बदलते हैं और ऐसे प्रयासों में उस बदलाव को भी ध्यान में रखना जरूरी है। उन्होंने कहा, भारत एक जिम्मेदार देश है और संयुक्त राष्ट्र का एक संस्थापक सदस्य भी है। हमेशा की तरह भारत सभी साझेदारों के साथ मिलकर, खासकर संयुक्त राष्ट्र के मंच पर, एक शांतिपूर्ण, समृद्ध, न्यायपूर्ण और बराबरी की दुनिया के निर्माण के लिए रचनात्मक रूप से काम करता आ रहा है। शांति और सुरक्षा से लेकर उपनिवेशवाद के अंत और निष्पक्ष व्यापार से लेकर विकासशील देशों के अधिकारों तक भारत की भूमिका हमेशा सकारात्मक रही है। भारत संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना में अब तक का सबसे बड़ा योगदान देने वाला देश है। इसके साथ ही भारत ने शांति सेना में महिलाओं की भागीदारी को भी बढ़ावा दिया है, जो आज संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में सेवा करते हुए आदर्श बन चुकी हैं। पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए पी हरीश ने कहा, परिषद का कोई सदस्य अगर दूसरों को उपदेश दे, लेकिन खुद ऐसे काम करे जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अस्वीकार्य हों तो उसे उचित नहीं कहा जा सकता। अंत में मैं यह कहना चाहता हूं कि भारत हमेशा की तरह बहुपक्षवाद और शांतिपूर्ण तरीकों से विवादों के समाधान के जरिए अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहली बार नहीं है, जब पाकिस्तान ने कश्मीर का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाने की कोशिश की है। लेकिन इन प्रयासों को ज्यादा समर्थन नहीं मिला है। ज्यादातर वैश्विक शक्तियां इसे भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मामला मानती हैं। भारत की शांत, लेकिन मजबूत प्रतिक्रिया ने एक जिम्मेदार लोकतंत्र और वैश्विक शांति के प्रति प्रतिबद्ध देश के रूप में उसकी छवि को और मजबूत किया है, जबकि पाकिस्तान की स्थिति एक बार फिर केवल ध्यान भटकाने वाली रणनीति अपनाने वाले देश के रूप में सामने आई है।

सर्वार्थ सिद्धि, गुरु पुष्य और अमृत सिद्धि योग में

हरियाली अमावस्या मनाई जाएगी

प्रत्येक वर्ष श्रावण माह में पड़ने वाली अमावस्या तिथि को हरियाली अमावस्या या श्रावणी अमावस्या कहा जाता है। धार्मिक शास्त्रों में सावन माह की अमावस्या तिथि को विशेष तिथि के रूप में देखा जाता है। सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को अत्यंत प्रिय है। ऐसे में श्रावण माह की अमावस्या को भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पूर्वजों के निमित्त पिंडदान एवं दान-पुण्य के कार्य किए जाते हैं। सावन माह की अमावस्या 24 जुलाई को हरियाली अमावस्या के रूप में मनाई जाएगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार हरियाली अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि, गुरु पुष्य और अमृत सिद्धि योग रहेंगे। शास्त्रों में इस अमावस्या पर पूजा-पाठ, स्नान-दान करना उत्तम माना गया है। साथ ही पर्यावरण की दृष्टि से भी हरियाली अमावस्या का बहुत महत्व है। इस दिन अपने पूर्वजों की याद में पौधे लगाना शुभ रहता है। वहीं हरियाली अमावस्या पर कुछ विशेष वृक्षों की पूजा करने से ग्रह दोष भी दूर होते हैं। सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

इस दिन पवित्र नदी में स्नान करके पितरों को पिंडदान, श्राद्ध कर्म करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके अलावा हरियाली अमावस्या पर्व जीवन में पर्यावरण के महत्व को भी बताता है। इस दिन नए पौधे लगाए जाते हैं। मान्यता है कि श्रावणी अमावस्या के दिन वृक्षारोपण करने से जीवन के सारे कष्ट दोष दूर हो जाते हैं और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। इसके अलावा ये तिथि किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन किसान अपने खेती में उपयोग होने वाले उपकरणों की पूजा करते हैं और ईश्वर से अच्छी फसल होने की कामना करते हैं।

हरियाली अमावस्या

इस साल श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 24 जुलाई को है। ऐसे में इसी दिन हरियाली अमावस्या मनाई जाएगी।

हरियाली अमावस्या का प्रारंभ- 24 जुलाई को देर रात 02:28 मिनट से

अमावस्या का समापन- 25 जुलाई को देर रात 12:40 मिनट पर होगा।

उदयातिथि के अनुसार 24 जुलाई को ही हरियाली अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा।

हरियाली अमावस्या शुभ योग

हरियाली अमावस्या पर ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 04:15 से 04:57 तक स्नान-दान शुभ रहेगा। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12:00 से 12:55 तक रहेगा। अमृत काल दोपहर 02:26 से 03:58 तक रहेगा। पूरे दिन सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। शाम 04:43 से गुरु पुष्य योग और अमृत सिद्धि योग का शुभ संयोग बनेगा।

हरियाली अमावस्या का महत्व

सावन के महीने में कृष्ण पक्ष की शिवरात्रि के अगले दिन हरियाली अमावस्या होती है। इस दिन पेड़-पौधों की विशेष रूप से पूजा की जाती है। इस दिन पीपल और तुलसी के पौधे की पूजन का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार पीपल के पेड़ में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना जाता है। इस दिन पौधे लगाने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

पितरों की शांति के लिए करें उपाय

हरियाली अमावस्या के दिन किसी योग्य ब्राह्मण को घर बुलाकर भोजन करवाएं। इस दिन किसी नदी किनारे श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करें। साथ ही गाय को चारा भी खिलाएं। हरियाली अमावस्या के दिन मछलियों के लिए नदी में आटे की गोलियां डालें। नदी में काले तिल प्रवाहित करें।

पीपल और तुलसी पूजन का महत्व

इस दिन वृक्ष पूजा की प्रथा अनुसार पीपल और तुलसी के पेड़ की पूजा की जाएगी। वृक्षों में देवताओं का वास माना जाता है। इस दिन पितृ तर्पण भी किया जाता है। इससे पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है।

शांति और समृद्धि

सावन माह में पड़ने वाली इस हरियाली अमावस्या पर विशेष तरह का भोजन भी बनाया जाता है, जो कि ब्राम्हणों को खिलाया जाता है। खास बात यह है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा भी की पूजा की जाती है। हरियाली अमावस के दिन भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा की जाती है। मान्यता है कि श्रावण अमावस्या के दिन शिव भगवान की पूजा करने से घर में सुख और शांति के साथ समृद्धि भी आती है।

हरियाली अमावस्या पर राशि अनुसार करें पेड़ पौधों की पूजा और लगाएं पेड़-पौधे।

मेष राशि: आंवले का पौधा

वृषभ राशि: जामुन का पौधा

मिथुन राशि: चंपा का पौधा

कर्क राशि: पीपल का पौधा

सिंह राशि: बरगद या अशोक का पौधा

कन्या राशि: शिवजी का प्रिय बेल का पौधा, जूही का पौधा

तुला राशि: अर्जुन या नागकेसर का पौधा

वृश्चिक राशि: नीम का पौधा

धनु राशि : कनेर का पौधा

मकर राशि: शमी का पौधा

कुंभ राशि: कदंब या आम का पौधा

मीन राशि: बेर का पौधा

हरियाली अमावस्या पर नवग्रह को प्रसन्न करने के लिए ग्रहों के अनुसार करें पेड़ पौधों की पूजा और लगाएं पेड़-पौधे।

गुरु ग्रह के लिए: पीपल का पौधा

शुक्र ग्रह के लिए: गूलर का पौधा

शनि ग्रह के लिए: शमी का पौधा

सूर्य ग्रह के लिए: सफेद मदार या आक का पौधा

चंद्र ग्रह के लिए: पलाश का पौधा

बुध ग्रह के लिए: अपामार्ग का पौधा

मंगल ग्रह के लिए: खैर या शिशिर का पौधा

राहु ग्रह के लिए: चंदन और दूर्वा का पौधा

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

अमावस्या पर गोसेवा और गोशाला को दान-पुण्य करने का महत्व

अमावस्या, हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण तिथि है, जिसे आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टिकोण से विशेष माना जाता है। इस दिन किए गए पुण्य कार्यों, विशेष रूप से गोसेवा और गोशाला को दान देने का विशेष महत्व है। गाय को हिंदू धर्म में माता के समान पूजनीय माना जाता है, और अमावस्या के दिन गोसेवा और दान-पुण्य से आत्मिक शांति, पुण्य की प्राप्ति और पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस लेख में हम अमावस्या पर गोसेवा और गोशाला को दान देने के महत्व को समझेंगे।

गाय का धार्मिक महत्व: हिंदू धर्म में गाय को गौ माता कहा जाता है, क्योंकि यह समस्त सृष्टि का पोषण करने वाली मानी जाती है। गाय के दूध, गोमूत्र, और गोबर को औषधीय और आध्यात्मिक रूप से लाभकारी माना जाता है। पुराणों में गाय को सभी देवी-देवताओं का निवास स्थान बताया गया है। इसलिए, गाय की सेवा और गोशाला को दान देना पुण्य कार्य माना जाता है, जो व्यक्ति को सुख, समृद्धि और मोक्ष की ओर ले जाता है।

अमावस्या का विशेष महत्व : अमावस्या वह दिन है जब चंद्रमा पूरी तरह से अदृश्य होता है। इस दिन को पितरों की तृप्ति और आध्यात्मिक साधना के लिए विशेष माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन किए गए दान, पूजा, और सेवा कार्यों का फल कई गुना बढ़ जाता है। गोसेवा और गोशाला को दान देने से न केवल पितरों की आत्मा को शांति मिलती है, बल्कि दानकर्ता को भी पुण्य और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

गोसेवा का महत्व : गोसेवा का अर्थ है गायों की देखभाल करना, उन्हें भोजन देना, उनकी स्वच्छता का ध्यान रखना और उनके रहने के लिए उचित व्यवस्था करना। अमावस्या के दिन गोसेवा करने से निम्नलिखित लाभ होते हैं।

पितरों की तृप्ति: मान्यता है कि अमावस्या पर गो-सेवा करने से पितरों को संतुष्टि मिलती है और वे आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

पापों का नाश: गोसेवा से व्यक्ति के पाप कर्म नष्ट होते हैं और वह आध्यात्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है।

सुख-समृद्धि: गाय की सेवा से घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

स्वास्थ्य लाभ: गोसेवा से मानसिक शांति मिलती है और तनाव कम होता है।गोशाला को दान देने का

महत्वगोशाला में गायों की देखभाल के लिए धन, अनाज, चारा, या अन्य सामग्री दान करना अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। अमावस्या पर गोशाला को दान देने के कुछ विशेष लाभ हैं।

पुण्य की प्राप्ति: गोशाला को दान देने से व्यक्ति को अनंत पुण्य प्राप्त होता है, जो उसे जीवन और मृत्यु के बाद भी लाभ देता है।

पर्यावरण संरक्षण: गोशालाओं में गायों की देखभाल से गो-उत्पादों का उपयोग बढ़ता है, जो पर्यावरण के लिए लाभकारी है।

सामाजिक कल्याण: गोशालाओं को दान देने से गायों की रक्षा होती है और समाज में धर्म और संस्कृति का प्रचार होता है।

आर्थिक सहयोग: गोशालाएं अक्सर दान पर निर्भर होती हैं। आपका दान इन संस्थानों को गायों की बेहतर देखभाल करने में मदद करता है।अमावस्या पर गोसेवा और दान कैसे करें?

गोसेवा: अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और निकटतम गोशाला में जाएं। वहां गायों को चारा, हरा घास, या गुड़ खिलाएं। गायों की साफ-सफाई में सहयोग करें।

दान: गोशाला को अनाज, चारा, धन, या अन्य आवश्यक सामग्री दान करें। यदि संभव हो, तो नियमित रूप से दान करने का संकल्प लें।

पूजा और मंत्र जाप: गोसेवा के साथ-साथ गाय माता की पूजा करें और ॐ गौ मातायै नमः मंत्र का जाप करें।

पितरों के लिए तर्पण: अमावस्या पर पितरों के लिए तर्पण करें और गोसेवा का पुण्य उन्हें समर्पित करें।

शास्त्रीय आधार: पद्म पुराण और स्कंद पुराण में गोसेवा और गोदान को मोक्ष प्राप्ति का साधन बताया गया है। भगवद् गीता में भी जीव मात्र की सेवा को भगवान की सेवा के समान माना गया है। अमावस्या पर गोसेवा और दान करने से व्यक्ति न केवल अपने जीवन को समृद्ध करता है, बल्कि अपने पितरों और समाज के लिए भी पुण्य अर्जित करता है।

निष्कर्ष : अमावस्या का दिन गोसेवा और गोशाला को दान देने के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। यह कार्य न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी लाभकारी है। इस अमावस्या पर गोसेवा और दान करके आप अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि ला सकते हैं, साथ ही पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त कर सकते हैं। आइए, इस पवित्र दिन पर गौ माता की सेवा और गोशाला को दान देकर अपने जीवन को और अधिक पुण्यकारी बनाएं।

हरियाली अमावस्या पर किन चीजों का दान आपको बनाएगा मालामाल

पितरों का भी मिलेगा आशीर्वाद

सावन मास की अमावस्या जिसे हरियाली अमावस्या के नाम से जानते हैं, 24 जुलाई यानी गुरुवार को पड़ रही है। हरियाली अमावस्या पर पितृ पूजन, पवित्र नदी में स्नान, ध्यान और दान का बेहद महत्व है। इसके साथ ही हरियाली अमावस्या पर पिंडदान और तर्पण किया जाता है। पितरों का पूजन करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसे में आइये जानते हैं हरियाली अमावस्या पर क्या-क्या दान करें।

सावन की अमावस्या पर शिवपूजन का विशेष फल मिलता है। शिवजी को गंगाजल, दूध, दही आदि से स्नान कराने और भांग-धतूरा, बेल पत्र आदि चढ़ाने का बड़ा महत्व है। इसके साथ ही हरियाली तीज पर क्षमता के मुताबिक दान करना चाहिए। इससे पितृ भी प्रसन्न होते हैं और पितृ दोष दूर होता है। साथ ही भगवान शिव का भी आशीर्वाद मिलता है।

हरियाली अमावस्या के दान

हरियाली अमावस्या पर जौ, तिल, अन्न, वस्त्र, छाता, फल, गाय का दान विशेष रूप से फलदायक माना जाता है। इसके साथ ही शिव मंदिर में काले तिल और तिल के तेल का दान करने, सफेद वस्त्रों का दान का भी बड़ा महत्व है। जरूरतमंदों को आर्थिक मदद करने का भी फल मिलता है। अशुभ ग्रहों की शांति के लिए उड़द या चादर का दान भी कर सकते हैं। इसके साथ ही हरियाली अमावस्या के दिन छायादार पेड़ लगाना चाहिए। साथ ही पौधे का दान करने का भी पुण्य फल मिलता है।

हरियाली अमावस्या पर कौनसा पौधा लगाएं

हरियाली अमावस्या पर पीपल, नीम, बेल, तुलसी, आंवला, केला और अश्वगंधा का पौधा लगाने का बड़ा महत्व है। बताया जाता है कि हरियाली अमावस्या पर ये पौधे लगाने से न सिर्फ भगवान शिव और पितृ प्रसन्न होते हैं बल्कि आर्थिक परेशानियां भी दूर होती हैं। चूंकि अमावस्या की तिथि शनि देव को समर्पित होती है। ऐसे में हरियाली अमावस्या पर शनि चालीसा, शिव चालीसा का पाठ करने के बाद शमी का पौधा लगाएं। इससे आपको शिवजी और शनि महाराज दोनों का आशीर्वाद मिलेगा। साथ ही सफाईकर्मियों, चौकीदारों आदि को आर्थिक रूप से दान दे सकते हैं। या उनके बच्चों की पढ़ाई के लिए दान दे सकते हैं। इससे आपकी कुंडली में शनि दोष भी शांत होगा।

आज के दिन करें इनमें से कोई एक उपाय, भोलेनाथ जीवन से दूर कर देंगे दुर्भाग्य, बनेंगे धनवान

हिंदू धर्म में हरियाली अमावस्या का खास महत्व होता है। यह तिथि सावन के महीने में पड़ती है जिसके चलते इसे सावन अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। सावन शिवरात्रि के अगले दिन पड़ने वाली इस अमावस्या को नवग्रह शांति और पितरों की पूजा के लिए समर्पित माना जाता है।

साथ ही, इस दिन भगवान शिव की पूजा करने का भी विधान बताया गया है। वहीं, इस बार हरियाली अमावस्या पर गुरु पुष्य योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। इन शुभ संयोग के बनने से यह तिथि और भी खास और फलदायी हो गई है। ऐसे में अगर आप हरियाली अमावस्या पर कुछ विशेष उपाय कर लें, तो इससे भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और धन-दौलत में भी वृद्धि होती है।

पितरों को शांत करने का उपाय

हरियाली अमावस्या पर पितरों की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसे में पितरों को शांत करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आप इस दिन एक आसान उपाय कर सकते हैं। इसके लिए सुबह विधि-विधान से पूजा करने के बाद चींटियों को आटा और चीनी खिलानी चाहिए। ऐसा करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उनका आशीर्वाद भी बना रहता है। अगर आप हरियाली अमावस्या पर इस उपाय को करते हैं तो इससे जरूरी कार्यों में आने वाली बाधाएं भी दूर होने लगती हैं और जीवन में सफलता के नए रास्ते नजर आते हैं। साथ ही, इससे जातक को घर की समस्याओं से भी धीरे-धीरे छुटकारा मिल सकता है।

धन-दौलत में वृद्धि के लिए करें यह उपाय

सावन में पड़ने वाली इस अमावस्या पर पवित्र नदी में स्नान जरूर करना चाहिए। साथ ही, पितरों की शांति के लिए पितृ गायत्री पाठ, तर्पण विधि, गरुड़ पुराण, पितृ सूक्त पाठ और पितृ देव चालीसा का पाठ करना चाहिए। इसके बाद, विधि-विधान से आरती करें और किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन अवश्य कराएं। इस उपाय को करने से जातक के जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है। साथ ही, जीवन में आने वाली पैसों की तंगी से भी निजात मिलती है और धन-दौलत में वृद्धि होने लगती है। अगर आप हरियाली अमावस्या पर इस उपाय को करते हैं, तो इससे जीवन में खुशहाली दस्तक देने लगती है।

घर में सुख-शांति लाने का उपाय

इसके लिए हरियाली अमावस्या के दिन शाम के समय एक उपाय कर सकते हैं। पूजा की किसी थाली में ओम बनाएं और पर महालक्ष्मी यंत्र को स्थापित कर दें। इसके बाद, विधि-विधान से यंत्र की पूजा जरूर करें। इस उपाय को करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और उनकी कृपा परिवार के सदस्यों पर बनी रहती है। ऐसे में जातक के घर में हमेशा सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, धन की देवी मां लक्ष्मी का भी घर में वास होता है। जीवन के दुखों से छुटकारा पाने के लिए इस उपाय को हरियाली अमावस्या पर जरूर आजमाकर देखें।

भगवान शिव की कृपा पाने का उपाय

हरियाली अमावस्या पर भगवान शिव की पूजा करने का भी खास महत्व होता है। ऐसे में इस दिन शिवजी के मंदिर में जाकर उनके सामने एक दीपक जरूर जलाना चाहिए।

साथ ही, मंदिर में बैठकर 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का 108 बार जाप जरूर करें। इस उपाय को करने से जातक को भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, करियर और नौकरी में आने वाली समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और जीवन में सफलता प्राप्त होती है। हरियाली अमावस्या पर इस आसान उपाय को करने से आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण हो सकती हैं।

मां बनने के लिए तड़प रही थीं ये बॉलीवुड हसीनाएं, सरोगेसी ने पूरी की ख्वाहिश

मां बनना एक एहसास नहीं, बल्कि हर औरत के दिल की सबसे गहरी ख्वाहिश होती है। यह वो सपना है जो हर दिन, हर पल कभी मुस्कान बनकर, तो कभी आंसू बनकर आंखों में पलता है। लेकिन जब किस्मत साथ न दे, तो यह सपना अधूरा रह जाता है। बॉलीवुड की चमक-धमक भरी दुनिया में भी कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिनकी जिंदगी बाहर से तो बेहद सफल दिखती है, लेकिन भीतर कहीं मातृत्व की अधूरी चाह छिपी रहती है। ऐसे में 'सरोगेसी' उनके लिए उम्मीद की एक नई किरण बनकर सामने आई। यह सिर्फ एक मेडिकल तकनीक नहीं, बल्कि एक नया जरिया है उन सभी महिलाओं के लिए जो हर दिन मां बनने की दुआ करती हैं। इन अभिनेत्रियों ने सरोगेसी के जरिए मातृत्व का अनुभव किया।

प्रियंका चोपड़ा: प्रियंका चोपड़ा, जिन्होंने 2018 में हॉलीवुड स्टार निक जोनस से शादी की, 39 की उम्र में सरोगेसी के जरिए बेटी मालती मैरी की मां बनीं। देसी गर्ल से लेकर ग्लोबल स्टार बनने तक का उनका सफर जितना शानदार रहा, मातृत्व की खुशी भी उतनी ही खास साबित हुई। 2022 में जब उनकी बेटी ने दुनिया में कदम रखा, तो यह उनके जीवन का एक यादगार अध्याय बन गया।

प्रीति जिंटा: प्रीति जिंटा और उनके पति जीन गुडइनफ ने नवंबर 2021 में सरोगेसी के जरिए जुड़वां बच्चों का स्वागत किया। बेटा जय और बेटी जिया की मां बनीं प्रीति ने अपने बच्चों की तस्वीरें मीडिया से दूर रखते हुए अपनी पर्सनल लाइफ को पूरी तरह प्राइवेट रखा। 49 साल की उम्र में संतान सुख पाना उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं था।

शिल्पा शेट्टी: शिल्पा शेट्टी ने सबसे पहले 2012 में बेटे विहान को जन्म दिया। दूसरे बच्चे के लिए काफी लंबे समय तक प्रयास करने के बाद, जब सफलता नहीं मिली, तो उन्होंने 2020 में सरोगेसी का सहारा लिया। इस प्रक्रिया से उनकी बेटी का जन्म हुआ, जिसने परिवार में फिर से खुशियों का माहौल बिखेर दिया।

गौरी खान: शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने भी मातृत्व के सफर में सरोगेसी को अपनाया। सुहाना और आर्यन के बाद, तीसरे बच्चे अबराम का जन्म 2013 में सरोगेसी के माध्यम से हुआ। शुरू में इस राज को छुपाया गया, लेकिन बाद में खुलासा कर सबको चौंका दिया। गौरी 42 साल की थीं जब उन्होंने यह कदम उठाया, जो उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण था।

यशराज फिल्म्स का बड़ा ऐलान वॉर 2 का ट्रेलर 25 को होगा रिलीज

भारतीय सिनेमा के दो बड़े सितारों, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर, की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म के जरिए पहली बार दो सुपरस्टार्स एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। इसी बीच अब मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट से पर्दा उठाया है, जिसके चलते फैंस और ज्यादा उत्साहित हो गए हैं। मेकर्स ने ऐलान किया कि वॉर 2 का ट्रेलर 25 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। खास बात यह है कि इस दिन ऋतिक और जूनियर एनटीआर के एक्टिंग करियर को 25 साल पूरे हो रहे हैं। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए यशराज फिल्म्स ने ट्रेलर लॉन्च की तारीख इसी दिन तय की है।ट्रेलर की रिलीज डेट बताते हुए यशराज फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें ऋतिक और जूनियर एनटीआर अपने दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं।

इस पोस्टर पर ही ट्रेलर की रिलीज डेट नजर आ रही है। मेकर्स ने लिखा, 2025 में भारतीय सिनेमा के दो आइकन अपने सिनेमा के सफर के 25 साल पूरे कर रहे हैं। जीवन में एक बार आने वाले इस पल को सेलिब्रेट करने के लिए यशराज फिल्म 25 जुलाई को वॉर 2 का ट्रेलर लॉन्च करने जा रहा है।

ट्रेलर लॉन्च की तारीख का खुलासा होते ही फैंस में उत्सुकता काफी बढ़ गई है। अब सभी की नजरें 25 जुलाई पर टिक गई हैं। वॉर 2 यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। इस फिल्म के जरिए जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर रहे हैं। वह फिल्म में निगेटिव रोल करते नजर आएंगे, जबकि ऋतिक एक बार फिर रॉ एजेंट कबीर के किरदार में ही दिखाई देंगे। फिल्म में कियारा आडवाणी भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसका निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। वॉर 2 हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु में 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

काजल अग्रवाल ने बताया सेल्फ लव का मतलब, बताई वर्कआउट की अहमियत

अभिनेत्री काजल अग्रवाल अपनी फिल्मों और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। वह पॉजीटिव सोच और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चाओं में बनी रहती हैं। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए 'सेल्फ लव' पर प्रकाश डाला। काजल का मानना है कि अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए वर्कआउट करना एक ऐसा विकल्प है जो व्यक्ति को नियमित रूप से अपनाना चाहिए।

वर्कफ्रंट की बार करें, तो अभिनेत्री हाल ही में पीरियड ड्रामा फिल्म 'कन्नप्पा' में देवी पार्वती के रूप में अभिनय किया है। उनके साथ अक्षय कुमार भी हैं, जिन्होंने भगवान शिव की भूमिका निभाई है।

मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनी 'कन्नप्पा' में विष्णु मांचू मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही मोहन बाबू, आर. सरथकुमार, अर्पित रांका, कौशल मंडा, राहुल माधव, देवराज,

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह जिम में पसीना बहाते हुए, कोर स्ट्रेंथनिंग और अपर बॉडी पर काम करते नजर आ रही हैं। जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कभी-कभी काम, घर और खुद को निखारने के बीच संतुलन बनाना असंभव लगता है। लेकिन ताकत सिर्फ अभ्यास करने में नहीं है, बल्कि चलते रहने के फैसले में है। पसीने की हर बूंद इस बात का सबूत है।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि वर्कआउट न केवल उन्हें फिट रहने में मदद करता है, बल्कि फोकस करने में भी मदद करता है। इसके परिणाम सिर्फ बाहरी नहीं दिखते, बल्कि आपके मन, अनुशासन को नया आकार भी देते हैं।

मुकेश ऋषि, ब्रह्मानंदम, रघु बाबू, प्रीति मुखुंधन और मधु सहायक कलाकारों के रूप में हैं।

मोहन बाबू द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक आदिवासी योद्धा थिन्नाडु की यात्रा को दर्शाती है - कैसे एक कट्टर नास्तिक एक सच्चा भक्त बन जाता है। 27 जून को रिलीज हुई 'कन्नप्पा' को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं।

इसी के साथ ही अभिनेत्री निर्देशक नितेश तिवारी की आने वाली फिल्म 'रामायण' में 'मंदोदरी' के किरदार में नजर आएंगी। मेकर्स ने फिल्म का पहला प्रोमो वीडियो जारी कर दिया है। इसमें एक्टर रणबीर कपूर के साथ-साथ सुपरस्टार यश की झलक भी देखने को मिली है।

हरीश शंकर की उस्ताद भगत सिंह में पवन कल्याण के साथ लीड रोल में नजर आएंगी राशि खन्ना

पैन इंडिया स्टार राशि खन्ना, अब आधिकारिक रूप से पवन कल्याण के साथ बहुप्रतीक्षित तेलुगु एंटरटेनर उस्ताद भगत सिंह में नजर आने वाली हैं, जिसका निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं। यह फिल्म राशी के करियर की सबसे बड़ी साउथ प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, तब से इसे लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह है। हाल ही में मेकर्स ने राशि का पहला लुक जारी किया और सोशल मीडिया पर यह रोमांचक अपडेट साझा किया कि वह फिल्म में एक प्रमुख महिला किरदार निभा रही हैं। राशि फिल्म में श्लोका नामक एक दमदार और अहम किरदार निभा रही हैं, जो कहानी में एक नई ऊर्जा लेकर आती है और पवन कल्याण के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। यह सहयोग तेलुगु सिनेमा के लिए एक बड़ा सिनेमाई पल साबित होने वाला है।

पोस्टर जारी होते ही राशि खन्ना के प्रशंसक खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं, वे बेसब्री से उन्हें पवन कल्याण के साथ स्क्रीन शेयर करते देखने का इंतज़ार कर रहे हैं। यह रहा मेकर्स द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किया गया पोस्ट, जिसका कैप्शन है: टीम उस्ताद भगतसिंह, एंजलिक राशि खन्ना का 'श्लोका' के रूप में स्वागत करती है (वह सेट पर अपनी गरिमा और आकर्षण लेकर आई हैं व शूटिंग शुरू। राशि फिलहाल हैदराबाद में पवन कल्याण के साथ शूटिंग कर रही हैं, जो इस महीने के अंत तक चलेगी। निर्माताओं का लक्ष्य अगले शेड्यूल पर जाने से पहले अगस्त के पहले हफ्ते तक उनके हिस्से की शूटिंग पूरी कर लेना है।

मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में श्रीलीला, प्रथिबन, केएस रविकुमार, रामकी, नवाब शाह, अविनाश (केजीएफ फेम), गौतमी, नागा महेश और टेम्पर वामसी भी अहम भूमिकाओं में हैं। उस्ताद भगत सिंह के अलावा, राशि खन्ना के पास आगे भी कई फिल्में हैं। वह जल्द ही 'तेलुसु कड़ा' में नज़र आएंगी इसके अलावा बॉलीवुड की आगामी फिल्म 'तलाखों में एक' में विक्रांत मैसी के साथ तहलका मचाने के लिए भी तैयार हैं। प्रशंसक 'फर्जी 2' का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग इसी दिसंबर में शुरू होने वाली है। अलग-अलग इंडस्ट्री में इतनी विविध लाइनअप के साथ राशि लगातार एक ऐसी बहु-भाषी अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बना रही हैं, जो हर किरदार में दर्शकों का दिल जीत लेती हैं।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और फिल्म मेकर्स समिट आयोजित

कलराज मीडिया एंटरटेनमेंट ने टी-हब में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और फिल्ममेकर्स समिट का शानदार आयोजन किया। कार्यक्रम में तेलंगाना के कैबिनेट मंत्री श्री अधूरी लक्ष्मण कुमार और एमएलसी अडांकी दयाकर ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। विशिष्ट अतिथियों का सम्मान इस समिट में हार्मनी प्रोडक्शंस समर्थित सुश्री रुचि मिश्रा और संदीप मिश्रा को सम्मानित किया गया। उन्होंने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। बड़ी संख्या में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और फिल्म मेकर्स की मौजूदगी ने इस आयोजन को बेहद सफल बना दिया।आयोजक और प्रायोजक कार्यक्रम के आयोजक श्रीनिवास मार्री ने सभी मेहमानों और प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। इस सफल समिट के प्रायोजक एआईजीएचएएफ गोल्डन रहे। यह आयोजन सोशल मीडिया और फिल्म जगत से जुड़े लोगों को अपने अनुभव और विचारों को साझा करने के लिए एक बेहतरीन मंच साबित हुआ।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को धैर्य से काम लेने की आवश्यकता हैं संयम से काम करने से प्रगति होगी दिन उपलब्धियों वाला रहेगा ।आपकी समझदारी और प्रयास आपको कामयाबी ज़रूर दिलाएंगे। व्यवसाय में मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। नई खुशखबरी आपके प्रसन्न रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिता सकतेहैं। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। कैरियर से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।आज का डिनर बहुत ही संतुलित लें स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज मन से दृढ होकर किसी भी काम को करेंगे वह अवश्य ही सफल होगा , परिणाम सार्थक और सकारात्मक होगा. जीवनसाथी के साथ थोड़ा समय बिताने, उसकी समस्याओं को ध्यान से सुनने और भावनाओं को बेहतर तरीके से समझने से संबंधों में मधुरता आएगी. आपके व्यक्तिगत जीवन में तनाव कम रहेगा , सामाजिक और राजनीति दोनो प्रकार का ही लाभ दिखेगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आपने घर के बडें बुजुर्गों के साथ धार्मिक यात्रा करनी पडेगी । माता–पिता की बातो को अनदेखा न करें । किसी काम को शुरू करने से पहले माता–पिता का आर्शीवाद लें, आपको फायदा जरूर होगा. अचानक धन लाभ का योग बन रहा है. आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिसके साथ बात करके आपकी दिनभर की थकान दूर हो जायेगी. परिस्थितियां भी आपके अनुकूल रहेगी. आपको दूसरो की मदद करतें रहना चाहिए मित्रों को निराश नही करना चाहिए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के सदस्यों से वाद विवाद हो सकता हैं जिससे मन दुखी होगा । पिछले कुछ समय से जिन गलतफहमियों की वजह से आपके रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे आज वह दूर हो सकते हैं. यात्रा कष्टदायी हो सकती है. अचानक सामने आने वाले कामों के लिए खुद को पहले से तैयार कर लें. जमीन संबंधी कोई लेन–देन कर रहे हैं, तो पहले अच्छे से उस जगह की जांच–पड़ताल कर लें. आज यात्रा कष्टदायक रहेगी जरूरी होतो गुड का सेवन करके यात्रा का आरंभ करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बुद्धि का जबर्दस्त परिचय आप समाज के सामने देंगे आप की प्रतिष्ठा बढेगी । प्रभावशाली वाणी होने के कारण लोगों से आप अपनी बात मनवा सकेंगे. इन कारणों से आप अपने व्यवसाय में अच्छा कर पाएंगे और प्रचुर लाभ कमा पाएंगे. यात्रा से भी लाभ मिलेगा. संतान या शिक्षा को लेकर यदि आप कोई प्रयास कर रहे थे, तो आपकी मेहनत का फल मिलने वाला है. परन्तु जीवनसाथी या मित्रों के साथ बिना वजह विवाद हो सकता है. स्वास्थ्य एकदम तंदुरुस्त रहेगा

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज हनुमान मंदिर मे गाय के घी का दीपक प्रज्वलित करें कार्य सिद्ध होंगे आज आप खुद को फिट महसूस करेंगे.नजदीकी लोगों के साथ समय बिताने से आपको ख़ुशी मिलेगी.कार्यालय में किसी काम को लेकर आपकी तारीफ होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. जो लोग सरकारी काम से जुड़े हैं, उनको कोई बढ़िया ऑडर मिल सकता है. घर में शुभ–प्रसंगों का आयोजन हो सकता है. जीवन में खुशियां बरकरार रहेगी. नंदी को गेहूँ का भूसा खिलाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज स्थान परिवर्तन का योग बनेगा आप स्थान परिवर्तन नही चाहते हैं तो नौ मंगलवार को हनुमानजी को सिन्दूर चढाए , घर मे सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी परन्तु किसी बात को लेकर जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होंगे. आत्मसम्मान मे कमी महसूस होगी . शाम को परिवार के साथ समय बितायेंगे. स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी चल रही है तो आज उससे राहत मिलेगी. आज कोई नजदीकी या प्रिय व्यक्ति मानसिक शांति बनाए रखने में मददगार होगा. मन उदास है तो शिव मंत्र का स्मरण करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का समय सफलताओं वाला हैं परन्तु पारिवारिक मामलों से संबंधित झगड़ा हो सकता है. यदि आप उनसे दूर रहेंगे तो आप प्रसन्न रहेंगे. सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्ति के लिए समय प्रतिकूल है नई परियोजनाएं अमल में लाएंगी. व्यवसाय में उन लोगों को अपने उद्यमों में बढ़ावा मिलेगा और नई व्यापार केन्द्र स्थापित करेंगे.बहुत बेचैनी हो तो किसी धार्मिक ग्रन्थों का आश्रय करें अथवा अपने ईष्टदेव का स्मरण करें

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नक्षत्र बल आप को पूरा सहयोग देगा अपना व्यापार बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे. रिश्तों में आपसी प्रेम बढेगा उधार दिया हुआ पैसा अचानक ही वापस मिल जायेगा. कोई रिश्तेदार आपके घर पर अचानक से आ सकते हैं. इससे घर का वातावरण कुछ बदल सकता है. बच्चे काफी खुश नजर आयेंगे. बिजनेस के क्षेत्र में बड़े–बड़े लोगों से मिलने में मदद मिलेगी, आपकी तरक्की सुनिश्चित है. प्रातः मंदिर के दर्शन करके दिन का शुभ आरंभ करना चाहिए रिश्ते मजबूत होंगे.शाम के वक्त परिवार के साथ डिनर का प्रोग्राम बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

हनुमानजी को चमेली की पुष्प माला अर्पित करें जिससे पैसों का दबाव खत्म हो जाएगा. राहत मिल सकती है. पैसों के क्षेत्र में कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं. आज आप बड़ा फायदा दिलाने वाली डील कर सकते हैं. भूमि भवन आदि खरीदने के योग बन रहे हैं. आत्म–विश्वास बनाए रखें, आज आप किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना आसानी से कर पाएंगे. रात्रि मे गहरी निंद्रा के लिए हल्का सुपाच्य भोजन करना होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप के विरोधी आप पर पैनी नजर बनाए हुए हैं अतः कार्य आरंभ से पूर्व अन्तिम क्षणों मे अपनी कार्य शैली को तुरन्त ही बदल ले आप के विरोधी पस्त हो जांएगे । आज कुछ लोग बहुप्रतीक्षित सफलता प्राप्त करेंगे. आज आप वचनबद्धता से घिरे रह सकते हैं. किन्तु शुभ स्वास्थ्य हेतु तनाव मुक्त रहने की कोशिश करें. आपको परिवार और व्यापार में संतुलन बनाने की आवश्यकता पड़ सकती है. इसके साथ समाज ही आप को सामाजिक गतिविधियों मे सहयोगी बनना पडेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप की पद प्रतिष्ठा में उन्नति हो सकती है. बिजनेस में अच्छी प्रगति के योग हैं. जीवनसाथी से भी मदद मिलती रहेगी. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. आपको अपने काम में सफलता जरूर मिलेगी. पैसों से जुड़े किसी मामले को सुलझाने के लिहाज से आज का दिन अच्छा है. आपकी कुछ नए–पुराने दोस्तों से भी मुलाकात हो सकती है. आज आप को काम से फुर्सत मिल जाए तो परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान भी बनना चाहिए।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 जुलाई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 12:43 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु सायं 04:44 तक
योग : हर्षण प्रातः 09:50 तक
करण : चतुष्पाद दोपहर 01:55 तक
चन्द्रराशि : मिथुन प्रातः 11:00 तक
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव पितृ कार्य हरीयाली अमावस्या,
गुरु–पुष्य अमृत सिद्धि योग सायं 04:44 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री ने निंबाहेड़ा में 475 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास-लोकार्पण

चित्तौड़गढ़/जयपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान विकास की नई गाथा लिख रहा है। हमारी सरकार प्रदेश के विकास के प्रत्येक संकल्प को सिद्धि तक पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान किए हैं तथा यह डबल इंजन की सरकार ऐतिहासिक फैसले लेकर राजस्थान को एक समृद्ध और विकसित राज्य बनाने की तरफ अग्रसर है।

शर्मा बुधवार को चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा की कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ शक्ति और भक्ति की भूमि है। यह वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, भक्त शिरोमणि मीरा बाई, स्वामीभक्त पन्नाधाय और भामाशाह जैसे दानवीरों की भूमि है। श्री शर्मा ने कहा कि सावन के महीने में हो रही अच्छी बारिश प्रदेश के लिए अमृत के समान है। कृषि के लिए यह बरसात लाभकारी सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार विकसित भारत-विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को लेकर काम कर रही है। प्रधानमंत्री हमेशा सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्य करते हैं। वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव हुए हैं। आतंकवाद-नक्सलवाद का खात्मा हुआ है तथा विश्वपटल पर देश को एक नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर जो काम हो रहा है उसका हमारे प्रदेश को भी बड़ा लाभ मिल रहा है। प्रदेश में रेलवे के विकास के लिए केंद्र सरकार इस साल लगभग 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। यह राशि 2014 से पहले की तुलना में 15 गुना अधिक है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की प्राथमिकताओं को समझते हुए बिजली एवं पानी के क्षेत्र में सरकार निरंतर निर्णय ले रही है। जहां एक ओर रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, माही बांध जैसी परियोजनाओं के माध्यम से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। वहीं, बिजली के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा एवं गरीब के कल्याण के लिए काम कर रही है। हमने 5 साल के कार्यकाल में युवाओं को 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए हरियालो राजस्थान की शुरुआत की और पिछले वर्ष हमने साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि आने वाली 27 जुलाई को हरियाली तीज के दिन हम ढाई करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। हम हरियालो राजस्थान के माध्यम से इस वर्ष प्रदेश में 10 करोड़ पौधे तथा 5 साल के कार्यकाल में 50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से बारिश के इस सीजन में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने और हरियालो राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में योगदान करने की अपील की।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर प्रदेश के विकास के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रही है। राज्य सरकार प्रदेश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना शुरू कर 10 हजार गांवों के बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा के ऊपर लाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के माध्यम से प्रदेशभर में शिविर आयोजित कर सरकारी विभागों से जुड़े काम किए गए और लाखों जरूरतमंदों को राहत पहुंचाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल में जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान चलाया गया जिसमें 3 लाख 70 हजार कार्यक्रम आयोजित किए गए और ढाई करोड़ से अधिक लोगों ने अपनी भागीदारी की। उन्होंने कहा कि हमने इस साल जनवरी में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहत राज्य में चार साल में 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के लक्ष्य पर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर हर क्षेत्र में सुशासन की मिसाल कायम हो रही है। हमारे डेढ़ साल के कामकाज उनके पूरे पांच साल के कार्यकाल पर भारी हैं। हम प्रदेश को ऊर्जा में सरप्लस स्टेट बनाने के लिए काम कर रहे हैं। इसी क्रम में हमने बिजली उत्पादन क्षमता में 4 हजार 270 मेगावाट की वृद्धि की, जबकि गत सरकार 5 वर्षों में 3 हजार 948 मेगावाट बढ़ा पाई। हमने डेढ़ साल में किसानों को 253 लाख मीटर से अधिक तारबंदी के लिए अनुदान उपलब्ध कराया है, जबकि गत सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 113 लाख मीटर के लिए अनुदान दिया था। उन्होंने कहा कि हमने 18 महीनों में 32 हजार से अधिक फार्म पौंड बनवाए जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने 5 साल में केवल 29 हजार पौंड बनवाए। पूर्ववर्ती सरकार ने पूरे 5 साल में केवल 49 पशुचिकित्सालयों को प्रथम श्रेणी चिकित्सालयों में क्रमोन्नत किया, जबकि हमने डेढ़ साल में ही 55 पशु चिकित्सालयों को क्रमोन्नत कर दिया।

शर्मा ने कहा कि हमने बजट में निंबाहेड़ा के समग्र विकास के लिए 519 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है और इन घोषणाओं को तेजी से धरातल पर भी उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि 325 करोड़ रुपये की लागत से निंबाहेड़ा से मंगलवाड़ फोर लेन सड़क बनाई जाएगी। साथ ही, करोड़ों रुपये की लागत की अन्य कई सड़कों के निर्माण का काम भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निंबाहेड़ा में 25 करोड़ रुपये की लागत से सिगरी हनुमानजी पर कॉजवे के स्थान पर पुल निर्माण, 20 करोड़ रुपये से निंबाहेड़ा में निंबोदा लघु सिंचाई परियोजना, छोटी सादड़ी सीएचसी का उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, कारूंडा के भवन निर्माण के लिए सहमति, सागर व सुखानंद एनिकटों के जीर्णोद्धार हेतु निविदा जारी करने, कृषि उपज मंडी समिति, निंबाहेड़ा में मेटलडोम, किसान कलेवा भवन, कार्यालय भवन सहित विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने निंबाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र के 475 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण-शिलान्यास किया। उन्होंने सिंचाई विभाग के 26.95 करोड़, शिक्षा विभाग के 7.19 करोड़, पंचायतीराज विभाग 2.80 करोड़, विद्युत विभाग के 11.77 करोड़, जलग्रहण एवं भू-संरक्षण विभाग के 1.89 करोड़, चिकित्सा विभाग के 7.88 करोड़, सार्वजनिक निर्माण विभाग के 13.10 करोड़, विपणन विभाग के 8.59 करोड़, स्वायत्त शासन विभाग के 64.56 करोड़, वन एवं पर्यावरण के 64 लाख, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी के 3.39 करोड़ तथा आरएसआरडीसी के 325 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

अलवर के बिचगांव में कांवड़ यात्रा में करंट से मचा कोहराम

दो श्रद्धालुओं की मौत, 30 से अधिक झुलसे

अलवर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। श्रद्धा से भरी कांवड़ यात्रा बुधवार सुबह अचानक चीख-पुकार और अफरा-तफरी में बदल गई। अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ उपखंड के बिचगांव गांव में कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे ट्रक अचानक हाईटेंशन लाइन से टकरा गया, जिससे करंट पूरे क्षेत्र में फैल गया। इस हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग झुलस गए। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रही यह यात्रा मंगलवार रात गांव पहुंची थी। बुधवार सुबह जैसे ही कांवड़िए गांव के मंदिर की ओर बढ़े, वैसे ही यह हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यात्रा में डीजे ट्रक शामिल था, जो नाचते-गाते श्रद्धालुओं के साथ चल रहा था। जैसे ही यह ट्रक गांव के भीतर एक तंग मार्ग से होकर गुजरा, ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से ट्रक का ऊपरी हिस्सा टकरा गया। इसके बाद करंट न केवल ट्रक में बल्कि जमीन पर भी फैल गया, जिससे पास खड़े और डांस कर रहे श्रद्धालु इसकी चपेट में आ गए।घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें श्रद्धालु उत्साहपूर्वक नाचते नजर आते हैं और फिर एक के बाद एक करंट लगने से गिरते दिखते हैं। वीडियो के दृश्य इतने भयावह हैं कि देखते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं।इस करंट हादसे में गांव के गोपाल (22) पुत्र लालाराम और सुरेश प्रजापत (40) पुत्र कजोड़ी राम की मौत हो गई। दोनों ही बिचगांव गांव के निवासी थे और यात्रा के सक्रिय सदस्य थे। हादसे में झुलसे 30 से अधिक लोगों को गढ़ीसवाईराम सीएचसी और अलवर के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तीज उत्सव युवा पीढ़ी के लिए राजस्थान की रंग-बिरंगी संस्कृति परम्पराओं से रूबरू होने का अवसर : दिया कुमारी

जयपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी अध्यक्षता में एवं प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति राजेश यादव तथा पर्यटन आयुक्त रूकमणि रियाड़, जयपुर नगर निगम हेरिटेज महापौर कुसुम यादव एवं जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर की उपस्थिति में बुधवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में 27 एवं 28 जुलाई को जयपुर में आयोजित होने वाले दो दिवसीय तीज उत्सव की तैयारी के सम्बन्ध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके निवास पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को भेंट कर जयपुर में आयोजित हो रहें तीज उत्सव में पधारने के लिए आमंत्रित किया। इससे पूर्व मंगलवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे को भी तीज उत्सव में पधारने के लिए आमंत्रित किया है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि तीज उत्सव में शामिल होने के लिए राजस्थान विधानसभा सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी को भी मंगलवार को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर राज्य का पूरा मंत्री मंडल भी आमंत्रित किया जा रहा है। जयपुर के विधायक एवं पार्षद एवं जन प्रतिनिधिगण भी तीज उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किये जा रहें हैं। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि तीज उत्सव युवा पीढ़ी के लिए राजस्थान की रंग-बिरंगी संस्कृति परम्पराओं से रूबरू होने का अवसर है। उन्होंने बताया कि इस बार तीज उत्सव बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि भव्य रूप से आयोजित होने वाले तीज उत्सव में राजस्थान की लोक कलाओं में निपुण लगभग 200 लोक - कलाकार अपनी कलाओं के प्रदर्शन से जयपुर वासियों सहित यहां आने वाले देशी विदेशी पर्यटकों को अभिभूत करेंगे।

सावन मास की शिवरात्रि पर शिवमय हुआ रेवाड़ी, शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

रेवाड़ी, 23 जुलाई (एजेंसियां)। सावन मास की शिवरात्रि मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति के उल्लास के साथ मनाई गई। जिलेभर के शिवालयों में तड़के से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से मंदिरों का वातावरण गूंज उठा। रेवाड़ी के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में विशेष सजावट की गई, जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। शहर के मोती चौक स्थित श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर, बारा पत्थर क्षेत्र के भूतेश्वर महादेव मंदिर, सेक्टर-1 स्थित सोला राही शिव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में सुबह से ही दर्शन और पूजन के लिए भक्तों की कतारें लगी रहीं। हरिद्वार से गंगाजल लाकर लाए कांवड़िए भी शिव मंदिरों में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर रहे हैं।

शिवालयों को फूलों की मालाओं और रोशनी से सजाया गया है। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, धतूरा, आक और अन्य पूजन सामग्री से भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। मंदिरों के बाहर मेले जैसा माहौल देखने को मिला, जहां प्रसाद वितरण और सामाजिक सेवाएं भी चल रही थीं। श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी रामावतार गुप्ता ने बताया कि सावन मास की शिवरात्रि का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। यह दिन भगवान शिव और माता पार्वती के पावन मिलन का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि इस दिन की गई पूजा से विशेष पुण्यफल की प्राप्ति होती है। श्रद्धा और आस्था से की गई आराधना जीवन के सभी कष्टों को दूर करती है।

महिला मुख्य सिपाही रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

चंडीगढ़, 23 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम जिले में तैनात महिला पुलिस थाना मानेसर की मुख्य सिपाही प्रमीला को राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने आज रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपिया को थाना परिसर के सामने खड़ी उसकी गाड़ी से 5000 रुपये नकद लेते हुए पकड़ा गया।जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने ब्यूरो को दी अपनी शिकायत में बताया कि 21 जुलाई 2025 को उसे महिला थाने से फोन आया, जिसमें उसे बताया गया कि सोम्या नाम की एक लड़की ने उसके खिलाफ शिकायत की है। शिकायत पर वह थाना पहुंचा, जहां दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया और बयान भी दर्ज किए गए। इसके बाद जब शिकायतकर्ता ने समझौते की कॉपी मांगी, तो मुख्य सिपाही प्रमीला ने उससे 10 हजार रुपये की मांग की। आज, यानी 23 जुलाई को, आरोपिया ने दोबारा शिकायतकर्ता को फोन कर थाने बुलाया। सूचना के आधार पर राज्य सतर्कता ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और जैसे ही शिकायतकर्ता ने 5000 रुपये की रिश्वत सिपाही को दी, टीम ने मौके पर कार्रवाई कर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सैनी ने मोरनी में किया नेचर कैंप का लोकार्पण

पंचकूला, 23 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को पंचकूला जिले के मोरनी क्षेत्र में नवीनीकृत नेचर कैंप थापली का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने नवीनीकृत इको-कुटीर का भी उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने आयुर्वेदिक पंचकर्मा केंद्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का भी जायजा लिया।इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह और कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने यहां कालका से कलेसर तक बनाए गए नेचर ट्रेल पर ट्रैकिंग के लिए एक दल को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रैक हरियाणा के युवाओं को साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित करेगा और राज्य को एडवेंचर व नेचर टूरिज्म हब के रूप में नई पहचान दिलाने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहसिक पर्यटन आज की युवा पीढ़ी की रुचि से जुड़ा हुआ क्षेत्र है और इससे न केवल पर्यटन का विस्तार होगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने मोरनी क्षेत्र में स्थित त्रिफला वाटिका में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम पर्यटन को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति और स्वास्थ्य के साथ जोड़ने के प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने नेचर कैंप में स्थापित क्लाइमेट चेंज लर्निंग लैब का भी अवलोकन किया। इस लैब में बच्चे पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारणों और उनके समाधानों को खेलों के माध्यम से जान सकते हैं। इस प्रकार की लर्निंग लैब न केवल बच्चों को वैज्ञानिक तथ्यों से जोड़ती है, बल्कि उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित भी करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोरनी क्षेत्र की भौगोलिक सुंदरता, जैव विविधता और शांत वातावरण इसे प्राकृतिक पर्यटन के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाते हैं। सरकार की रणनीति इस क्षेत्र को एक समग्र इको-टूरिज्म मॉडल के रूप में विकसित करने की है, जिससे स्थानीय लोगों की भागीदारी और संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इन पहाड़ी क्षेत्रों में सुविधाओं के विकास से जहाँ एक ओर अधिक पर्यटक आकर्षित होंगे, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों को रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर मिलेंगे। सरकार का प्रयास है कि ऐसे क्षेत्रों को स्वास्थ्य पर्यटन, योग, आयुर्वेद और साहसिक गतिविधियों के केंद्र बनाकर प्रदेश में सतत पर्यटन विकास को बल दिया जाए। इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, प्रधान मुख्य वन संरक्षक विनीत कुमार गर्ग, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

शुभ लाभ

जनसुराज के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, दो घंटे तक नहीं पहुंच सके विधानसभा या धरनास्थल

पटना (एजेंसियां)। मतदाता पुनरीक्षण, बढ़ते अपराध और सरकारी वादाखिलाफी जैसे मुद्दों को लेकर पटना में विधानसभा घेराव करने निकली प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के प्रदर्शनकारियों को बुधवार को पुलिस के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। सुबह 11 बजे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर अपनी टीम के साथ विधानसभा पहुंचने वाले थे, लेकिन चितकोहरा गोलंबर के पास पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान भारी लाठीचार्ज हुआ, जिसमें कई कार्यकर्ता घायल हो गए। दोपहर एक बजे तक भी जन सुराज की टीम धरनास्थल या विधानसभा के पास नहीं पहुंच सकी।

प्रशांत किशोर के नेतृत्व में हजारों समर्थकों की भीड़ जैसे ही पटना के बेली रोड होते हुए एयरपोर्ट से गर्दनीबाग स्थित धरना स्थल की ओर बढ़ी, चितकोहरा गोलंबर के पास पुलिस ने रास्ता रोक दिया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच जमकर नोकझोंक हुई, जिसके बाद लाठीचार्ज शुरू हो गया। कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए और अफरातफरी मच गई।

जन सुराज पार्टी की ओर से तीन गंभीर मुद्दों को लेकर इस प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। पहला मुद्दा था कि गरीब परिवारों को रोजगार के लिए सरकार द्वारा घोषित दो लाख रुपये की सहायता अब तक क्यों नहीं मिली। दूसरा यह कि दलित भूमिहीन परिवारों को तीन डिसमिल जमीन क्यों नहीं दी गई और तीसरा था कि भूमि सर्वेक्षण में व्याप्त भ्रष्टाचार पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

इन सभी सवालों को लेकर जन सुराज पार्टी ने एक करोड़ लोगों के हस्ताक्षर जुटाए थे और इसे विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत करने की योजना थी। इसी उद्देश्य से आज विधानसभा घेराव की घोषणा की गई थी। उन्हीं तीन मुद्दों के साथ बिहार में चल रहे मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान और अपराध को लेकर भी जन सुराज से जुड़े प्रदर्शनकारी आम जनता की आवाज बनने के लिए निकले थे। पुलिस की बंदोबस्त पूरी थी। बेली रोड से आयकर गोलंबर होकर आना संभव नहीं था, क्योंकि इधर विधानसभा है। धरनास्थल गर्दनीबाग में जाने के लिए इन प्रदर्शनकारियों को चितकोहरा पुल का रास्ता दिया गया। इधर भी पुलिस का इंतजाम था। चितकोहरा में ही पुलिस के साथ जन सुराज के प्रदर्शनकारियों की ठन गई।

प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं और नेताओं ने लाठीचार्ज की निंदा करते हुए इसे शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध पर हमला बताया। पार्टी प्रवक्ताओं का कहना है कि सरकार सवालों से भाग रही है और जनआवाज को दबाने के लिए पुलिस का सहारा ले रही है।

प्रशांत किशोर स्वयं भी तय समय तक न तो विधानसभा और न ही धरनास्थल पर पहुंच सके। पुलिस की बैरिकेडिंग और सख्त बंदोबस्त के चलते उनका काफिला चितकोहरा में ही अटक गया। स्थिति तनावपूर्ण बनी रही।

बागमती नदी में मगरमच्छ की दस्तक, दहशत में ग्रामीण

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के कटरा प्रखंड में बहने वाली बागमती नदी में एक बार फिर मगरमच्छ देखे जाने से स्थानीय ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। खासकर मवेशी पालकों और मछुआरों के बीच डर गहरा गया है। मगरमच्छ की मौजूदगी को देखते हुए प्रशासन ने नदी में नहाने और मवेशियों को पानी पिलाने पर अस्थायी रोक लगा दी है।

प्रखंड क्षेत्र के बर्री बसघट्टा पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने नदी किनारे कई स्थानों पर मगरमच्छ को देखा है। उनका कहना है कि यह जलचर नदी किनारे चरने और पानी पीने आने वाले मवेशियों पर हमला कर सकता है। इसे लेकर ग्रामीणों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सूचना दी, जिसके बाद लोगों को एहतियात बरतने की सलाह दी गई है।

ग्रामीणों ने पतारी, अंदामा, गंगिया, भवानीपुर और चंदौली के पास मगरमच्छ देखे जाने की बात कही है। उन्होंने इसकी तस्वीरें भी ली हैं। लगातार बारिश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति के कारण वन क्षेत्रों से मगरमच्छ नदी में बहकर आ जाते हैं। कटरा प्रखंड के नवादा गांव निवासी संजय कुमार ने बताया कि यह पहला मौका नहीं है जब मगरमच्छ दिखाई दिया हो। हर साल बाढ़ के दौरान यह दृश्य सामने आता है। उन्होंने कहा कि अगर समय पर सावधानी न बरती जाए, तो यह खतरनाक हो सकता है।

ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी मगरमच्छ के हमले में कई मवेशी मारे जा चुके हैं। मछुआरों पर भी हमले की आशंका बनी रहती है। बावजूद इसके, अब तक वन विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले भी कई बार विभाग को सूचित किया गया, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकला।

स्थिति को देखते हुए जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से नदी किनारे जाने से बचने की अपील की है। मछुआरों को भी बागमती नदी के संभावित खतरनाक क्षेत्रों में मछली पकड़ने के दौरान सावधानी बरतने को कहा गया है। वहीं, वन विभाग को भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है।

गंगा नदी में जलस्तर बढ़ने से गनियारी टोला में बाढ़ का खतरा, ग्रामीणों ने छोड़ा गांव

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली जिला के देसरी प्रखंड के गनियारी टोला गंगा नदी से करीब एक किलोमीटर दूर बांध किनारे बसा हुआ है। गंगा नदी में लगातार जल स्तर में बढ़ोतरी होने से गांव की संपर्क पथ पर करीब 08 फीट पानी लग गया है। जिसके कारण बाढ़ की स्थिति को देखते हुए लोग अब गनियारी टोला छोड़कर ऊपरी इलाके के तरफ मूव कर रहे हैं।

गनियारी टोला करीब पांच सौ से अधिक आबादी का गांव है। करीब 65 घर हैं। सभी परिवार किसान हैं। सभी खेती बाड़ी और पशु पालन कर परिवार भरन पोषण करते हैं। गंगा की जल स्तर में बढ़ोतरी होने से किसान की सारी फसलें डूब गई हैं। पशु के लिए खेत में उपजे चारा डूब गए हैं। पशुपालकों को अब परेशानी हो रही है। इसको लेकर किसान पशु को ऊपरी इलाके में लेकर पहुंच रहे हैं। लोग अपने अपने घरों से सारे सामान लेकर दूसरे स्थान पर जाने को विवश हो गए हैं। गांव के चारों तरफ गंगा का पानी ही पानी नजर आ रहा है। किसान के बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी बढ़ गई है।

जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर है। बिदुपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रामदौली सूरदास घाट की जहां तीन दिनों के भीतर अचानक से पानी में वृद्धि हुई है और सड़क के संपर्क में गंगा नदी पहुंच चुका है। किनारे पर बसें किसानों को भी गंगा नदी ने मुश्किल बढ़ा दिया है। किसान अपने पशुओं को अलग शिफ्ट कर रहे हैं। चारों तरफ गंगा नदी का पानी तेजी से बढ़ रहा है। पशुओं का चारा के साथ - साथ फसल को भी किसान नहीं बचा पाए सभी गंगा नदी के गोद में समा गया है।

हाईवा ट्रक ने ऑटो में मारी जोरदार टक्कर, दो युवकों की मौत

औरंगाबाद (एजेंसियां)। औरंगाबाद में एक तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो पर सवार दो यात्रियों की मौत हो गई। घटना बुधवार की दोपहर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-139 पर औरंगाबाद मुफस्सिल थाना क्षेत्र में खैरी मोड़ के पास घटी। मृतकों में से एक की पहचान हो गई है, जबकि दूसरे 28 वर्षीय मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है। मामले में औरंगाबाद नगर थाना पुलिस दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, ओबरा से ऑटो यात्रियों को लेकर औरंगाबाद आ रहा था। इसी दौरान औरंगाबाद मुफस्सिल थाना क्षेत्र में खैरी मोड़ के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वाहन पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं

दुर्घटना के बाद हाइवा चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल लाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस बीच हादसे की सूचना मिलने पर सदर अस्पताल आए एक मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा दोनों युवकों को घायल अवस्था में इलाज के लिए सदर अस्पताल लाए जाने पर ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने इलाज में लापरवाही बरती। यदि समय पर दोनों घायलों का इलाज हो जाता तो, उनकी जान बच जाती। इलाज में लापरवाही बरते जाने के विरोध में अस्पताल में हंगामा भी किया, जिसे मौके पर पहुंची औरंगाबाद नगर थाना की पुलिस ने समझा-बुझाकर शांत कराया।

इस बीच हादसे की सूचना मिलने पर सदर अस्पताल पहुंचे लोजपा (रामविलास) के औरंगाबाद जिलाध्यक्ष चंद्रभूषण कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह ने परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि वे अपने स्तर से पहल कर मृतकों के परिजनों को सरकार द्वारा निर्धारित मुआवजा शीघ्रता से दिलाने का काम करेंगे।

मामले में औरंगाबाद नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एनएच-139 पर औरंगाबाद मुफस्सिल थाना क्षेत्र में खैरी मोड़ के पास हाइवा द्वारा ऑटो में टक्कर मारे जाने से ऑटो पर सवार दो युवकों की मौत हो गई है।

मृतकों में से एक की पहचान ओबरा प्रखंड के खुदवां थाना क्षेत्र के लसड़ा गांव निवासी अजय सिंह के पुत्र अंकित कुमार (30) के रूप में की गई है। जबकि दूसरे 28 वर्षीय मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस अज्ञात युवक की पहचान कराने में जुटी है।

पुलिस दोनों युवकों के शव का पोस्टमार्टम कराने में जुटी है। वहीं, हादसे के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

रेमंड शोरूम में भीषण आग, एसी ब्लास्ट से मची अफरातफरी

फायर ब्रिगेड की टीम ने शीशे तोड़कर पाया काबू

सीवान (एजेंसियां)। सीवान शहर के सबसे प्रमुख और भीड़भाड़ वाले इलाकों में से एक, नगर थाना क्षेत्र के जेपी चौक पर स्थित बहुचर्चित नील-गगन रेमंड शोरूम में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। आग की वजह से पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई और शोरूम के आस-पास भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई टीमें मौके पर पहुंचीं, जिन्होंने शीशा तोड़कर आग पर काबू पाने की भरसक कोशिश की। शोरूम में अधिकतर कपड़े का सामान होने के कारण

आग तेजी से फैलने की आशंका थी, लेकिन दमकलकर्मियों की तत्परता से बड़ी दुर्घटना टल गई।

स्थानीय लोगों और दमकल कर्मियों के अनुसार, शोरूम की तीसरी मंजिल पर लगे एक एसी की किट में अचानक ब्लास्ट हो गया, जिसके बाद धुंआ उठने लगा और तेजी से पूरे माले में फैल गया। प्रारंभिक तौर पर आग का केंद्र एसी बताया गया है, हालांकि इस संबंध में तकनीकी जांच जारी है।

शोरूम के मालिक दुकान खोलने के लिए रास्ते में ही थे जब उन्हें घटना की सूचना दी गई। उन्होंने तत्काल शोरूम की चाबी लेकर पहुंचने की कोशिश की, लेकिन आग के फैलाव को देखते हुए फायर ब्रिगेड की टीम ने हथौड़े से बाहर का शीशा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आग पर काबू पाने में जुट गई। इस दौरान चार से पांच दमकल कर्मियों के हाथ शीशा तोड़ने के दौरान घायल हो गए, हालांकि गनीमत रही कि कोई बड़ी मानवीय क्षति नहीं हुई।

शोरूम में मौजूद महंगे रेडीमेड कपड़ों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जलने से काफी आर्थिक नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन अभी तक क्षति का सटीक आकलन नहीं किया गया है। आग से ज्यादा प्रभाव धुंए के कारण हुआ, जिसे बुझाने और वेंटिलेशन देने में दमकल टीम को घंटों मशक्कत करनी पड़ी।

घटना की सूचना पर नगर थाना पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच के लिए तकनीकी टीम को भी बुलाया गया है। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड की तत्परता की सराहना की, जिससे आग को और फैलने से रोका जा सका। फिलहाल पूरे मामले की जांच चल रही है और शोरूम मालिक द्वारा नुकसान की जानकारी दिए जाने का इंतजार किया जा रहा है।

फरार लिपिक कमाल अशरफ के घर कुर्की

लव जिहाद और घोटाले में था आरोपी

लखीसराय (एजेंसियां)। शिक्षा विभाग में कार्यरत रहे लिपिक कमाल अशरफ पर संगीन आरोपों के बाद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को उसके पैतृक घर पर कुर्की की कार्रवाई की। आरोपी पर एक हिंदू युवती को प्रेमजाल में फंसाकर जबरन धर्मांतरण, शादी और यौन शोषण करने का आरोप है। इसके अलावा वह शिक्षा विभाग में करोड़ों के घोटाले में भी संलिप्त पाया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता द्वारा थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कमाल अशरफ पर लव जिहाद और यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। मामला उजागर होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा है। शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप में भी उसका नाम प्रमुखता से सामने आया था।

बताया जाता है कि विभागीय स्तर पर मामले को दबाने की कोशिशें की गई, लेकिन पीड़िता की लगातार पैरवी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के दबाव के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। कोर्ट से जारी आदेश के आधार पर मंगलवार को सूर्यगढ़ा थाना पुलिस ने कमाल अशरफ के पैतृक घर पर कुर्की की कार्रवाई की। घर में मौजूद कीमती सामानों को सूचीबद्ध कर जब्त कर लिया गया। पुलिस की यह कार्रवाई पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जल्द ही कमाल अशरफ को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम से क्षेत्र में तनाव का माहौल है और लोग प्रशासन से न्याय की अपेक्षा कर रहे हैं। वहीं, पीड़िता ने प्रशासन की कार्रवाई पर संतोष जताते हुए न्याय मिलने की उम्मीद जताई है।

जहानाबाद में आपसी विवाद ने ली बुजुर्ग की जान, चार लोग गंभीर घायल

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद जिले में आपराधिक घटनाओं में लगातार हो रही वृद्धि और पुलिस-प्रशासन की निष्क्रियता एक बार फिर सामने आई है। बुधवार को जहानाबाद के कल्पा थाना क्षेत्र स्थित रामसे बीघा गांव में एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें 65 वर्षीय बुजुर्ग कइल यादव की मौत हो गई और चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को कइल यादव का परिवार गांव की एक पुलिया पर गेहूं सुखा रहा था। उसी समय गांव के एक अन्य परिवार के सदस्य वहां पहुंचे और गेहूं हटाने को कहा। कइल यादव की बहू ने कहा कि थोड़ी देर में गेहूं हटा लेंगे, लेकिन इस छोटी-सी बात ने तूल पकड़ लिया। कहासुनी गाली-गलौज में बदली और हालात इतने बिगड़ गए कि बुधवार को मामला खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। कइल यादव की पत्नी

ने बयान दिया है कि मंगलवार को ही वे कल्पा थाना पहुंचीं और संभावित विवाद की जानकारी पुलिस को दी, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। यदि पुलिस समय पर हस्तक्षेप करती, तो शायद इस घटना को रोका जा सकता था।

बुधवार सुबह, विवाद के विरोधी पक्ष ने लाठी-डंडों से कइल यादव के घर पर हमला कर दिया। इस हमले में कइल यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के चार अन्य सदस्य विकास कुमार, नीतीश कुमार, कामेश्वर यादव और चिंता देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले सदर अस्पताल जहानाबाद ले जाया गया, जहां से चिंता देवी की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें पटना स्थित पीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रामसे बीघा गांव में पहले भी इस तरह के आपसी टकराव हो चुके हैं, लेकिन इस बार मामला जानलेवा बन गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि पुलिस ने मंगलवार को मिली शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की होती, तो कइल यादव की जान बच सकती थी।

फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंच कर मृतक के परिजनों को समझा-बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया में जुटी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी जांच और बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com